हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, रविवार 20 अप्रैल 2025

प्रशासनिक फेरबदल में सीएम साय की दिखी दक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने शनिवार को अब तक का सबसे बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। खास बात यह रही कि सरकारी अवकाश के दिन हुए फेरबदल की किसी को कानों कान खबर नहीं हुई। शनिवार शाम अचानक 41 आईएएस अधिकारियों की तबादला सूची जारी हो गई। सरकार ने वर्तमान के साथ भविष्य का ख्याल रखा है। मुख्य सचिव आगामी जून में रिटायर होंगे। उससे पहले सरकार ने सचिव स्तर के अधिकारियों को अप्रभावित रखा है। ढाई माह बाद नए मुख्य सचिव की नियुक्ति होनी है। जो नए मुख्य सचिव आएंगे वे ही विभागों में सचिवों को प्रशासनिक दक्षता के आधार पर नियुक्त करें। मुख्य सचिव अमिताभ जैन अभी जिन अफसरों के साथ काम कर रहे हैं, वे उनकी दक्षता के आधार पर काम का अंजाम दे रहे हैं। ऐसे में शासन की ओर से इसमें कोई परिवर्तन नहीं किया ▶▶| शेष पेज 7 पर

हरिभूमि तत्काल

अवनीश, किरण, संजय, मयंक दिव्या पर जताया सरकार ने भरोसा

प्रशासनिक फेरबदल जिन अफसरों ने अच्छा काम किया है उन्हें बड़ा जिला या बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनमें राजनांदागांव कलेक्टर संजय अग्रवाल को बिलासपुर का कलेक्टर बनाया गया है। प्रशासनिक दृष्टि से बिलासपुर महत्वपूर्ण जिला माना जाता है। मयंक चतुर्वेदी को दंतेवाड़ा जिले में काम के अंदाज को देखते हुए उनको रायगढ़ पदस्थ किया गया हैं। रायगढ़ ओपी चौधरी का गृह जिला एवं औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। किरण कौशल को एमडी मार्कफेड ▶▶| शेष पेज 7 पर

11 कलेक्टर समेत 41 आईएएस का तबादला

● परफारमेंस को दी तवज्जो, अच्छा काम करने वालों को बड़ी जिम्मेदारी

● राजस्व विभाग पर फोकस, कावरे से अतिरिक्त प्रभार वापस

अवनीश शरण | किरण कौशल | डॉ. प्रियंका शुक्ला | रजत बंसल | शिखा राजपूत | संजय अग्रवाल | कुंदन कुमार | इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शनिवार शाम सरकार ने राज्य शासन ने 41 आईएएस अधिकारियों का तबादला आदेश जारी कर दिया। 11 जिला कलेक्टरों के तबादले किए गए हैं। आयुक्त बिलासपुर के पद पर सुनील जैन को पदस्थ करते हुए रायपुर आयुक्त महादेव कावरे से अतिरिक्त प्रभार वापस लिया गया है। परफारमेंस को देखकर सरकार ने तबादलों की लंबी सूची जारी की है। अफसरों को बेहतर कार्य का इनाम मिला है तो कुछ को लूप लाइन में भेजकर संदेश दिया है।

टोपेश्वर वर्मा सदस्य राजस्व मंडल तथा अतिरिक्त प्रभार अध्यक्ष राजस्व मंडल को अब अध्यक्ष राजस्व मंडल के पद पर पदस्थ किया गया है। संयोग है कि उच्च शिक्षा विभाग ने अधिकारियों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। वह भव्य होटल में आयोजित था। उसे लेकर आलोचना हो रही थी। ▶▶| शेष पेज 7 पर

किरण कौशल एमडी मार्कफेड-नान

किरण कौशल आयुक्त चिकित्सा शिक्षा को प्रबंध संचालक मार्कफेड के पद पर पदस्थ करते हुए एमडी नागरिक आपूर्ति निगम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। केडी कुंजाम सचिव धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार ओएसडी राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, संचालक मुद्रण एवं लेखन सामग्री को सदस्य राजस्व मंडल के पद पर पदस्थ किया गया है। पदुम सिंह एल्मा आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, एमडी अंत्यावसायी सहकारी वित्त एवं विकास निगम को संचालक महिला एवं बाल विकास के पद पर पदस्थ किया गया है।

रजत बंसल आयुक्त मनरेगा

रजत बंसल आयुक्त मनरेगा तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, विशेष सचिव सुशासन एवं अभिशरण विभाग को संचालक भौमिकी तथा खनिकर्म के पद पर पदस्थ करते हुए एमडी छग राज्य खनिज विकास निगम, विशेष सचिव सुशासन एवं अभिशरण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

दिव्या उमेश मिश्रा कलेक्टर बालोद

दिव्या उमेश मिश्रा संचालक लोक शिक्षण तथा अतिरिक्त प्रभार संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद, मिशन संचालक राज्य साक्षरता को कलेक्टर बालोद के पद पर पदस्थ किया गया है। संजय अग्रवाल कलेक्टर राजनांदगांव को कलेक्टर बिलासपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल कलेक्टर बालोद को कलेक्टर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के पद पर पदस्थ किया गया है। कुंदन कुमार आयुक्त गृह निर्माण मंडल तथा अतिरिक्त प्रभार सीईओ रायपुर विकास प्राधिकरण को कलेक्टर मुंगेली के पद पर पदस्थ किया गया है। नुपूर राशि पन्ना सीईओ छग राज्य जलग्रहण क्षेत्र प्रबंधन एजेंसी को कलेक्टर कोंडागांव के पद पर पदस्थ किया गया है। राहुल देव कलेक्टर मुंगेली को संचालक कृषि विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए संयुक्त सचिव कृषि विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। दीपक कुमार अग्रवाल कलेक्टर गरियाबंद को नियंत्रक खाद्य एवं औषिधि प्रशासन के पद पर पदस्थ किया गया है। संजय कन्नौजे सीईओ कलेकटर सारंगढ़-बिलाईगढ़ के पद पर पदस्थ किया गया है। भगवान सिंह उईके अपर ▶▶| शेष पेज 7 पर

फाइव स्टार होटल में विदाई समारोह पड़ा भारी हटाए गए जेपी पाठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के उच्च शिक्षा विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में लिए जाने पर आयुक्त उच्च शिक्षा के विदाई समारोह का आयोजन शहर के एक फाइव स्टार होटल में 21 अप्रैल को रखा गया था। आयोजन का आमंत्रण बंटने के साथ ही इसकी जानकारी सरकार के स्तर पर पहुंची। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं अभी इस विभाग को देख रहे हैं। जानकारी मिलते ही इस पर आपत्ति होने पर इस कार्यक्रम को स्थगित किए जाने की सूचना शनिवार को ही जारी की गई। शाम को प्रशासनिक फेरबदल में कार्यक्रम के आयोजक आयुक्त उच्च शिक्षा के पद पर पदस्थ अफसर जनक प्रसाद पाठक को विभाग से हटा दिया गया।

■ मुख्यमंत्री कार्यालय की नाराजगी के बाद कार्यक्रम हुआ स्थगित

मिली जानकारी के अनुसार उच्च शिक्षा विभाग के सचिव प्रसन्ना आर. को केंद्रीय प्रतिनियुक्त में संयुक्त सचिव गृह मंत्रालय के पद पर पदस्थ किया गया है। केंद्र का पत्र आने के साथ ही राज्य शासन ने उन्हें यहां से कार्यमुक्त करते हुए भारती दासन को सचिव उच्च शिक्षा के पद ▶▶| शेष पेज 7 पर

हटाए गए अधिकारी

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा आपत्ति किए जाने पर कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। वहीं शनिवार शाम को जारी प्राशासनिक फेरबदल में सबसे पहला नाम आयुक्त उच्च शिक्षा श्री पाठक का ही था। उनके स्थान पर डॉ. संतोष कुमार देवांगन को आयुक्त उच्च शिक्षा का प्रभार दिया गया है।

चेन्नई की पहली एसी ईएमयू सेवा शुरू

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के चेन्नई डिवीजन के अंतर्गत पहली एसी ईएमयू शनिवार को चेन्नई बीच-चेंगलपट्टू कॉरिडोर पर चली। यह उपनगरीय रेल नेटवर्क में एक और महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसे अक्सर शहर और इसके आसपास के शहरों की परिवहन जीवन रेखा के रूप में जाना जाता है। यह ट्रेन नियमित ईएमयू रेक की तुलना में अधिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिनमें स्वचालित दरवाजे और यात्री सूचना प्रणाली शामिल हैं। पहली ट्रेन सुबह सात बजे चेन्नई बीच से चेंगलपट्टू के लिए रवाना की गई और उत्सुक यात्रियों ने यात्रा का आनंद लिया।

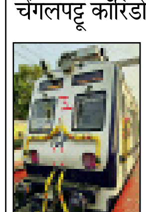

INDIAN PREMIER LEAGUE स्कोर बोर्ड

दिल्ली 203/8 VS गुजरात 204/3

7 विकेट से जीता गुजरात

97* रन : जोस बटलर
प्लेयर ऑफ द मैच

लखनऊ 180/5 VS राजस्थान 178/5

2 रन से जीता लखनऊ

3 विकेट : आवेश खान
प्लेयर ऑफ द मैच

आज के मैच

पंजाब VS बेंगलुरु
समय : दोपहर 3.30 बजे

आज के मैच

चेन्नई VS मुंबई
समय : शाम 7.30 बजे

श्री अमर पारवानी जी
वरिष्ठ उपाध्यक्ष कैट
श्री श्रीचंद सुन्दरानी जी
अध्यक्ष एकता पैनल
भूत पूर्व विधायक, रायपुर उत्तर
श्री अजय भसीन जी
श्री सतीश थौरानी जी
श्री निकेश बरड़िया जी
श्री सरल मोदी जी
अध्यक्ष रायपुर थोक कपड़ा मार्किट, व्यापारी संघ लिमिटेड
श्री ललित जैसिंघ जी
प्रदेश अध्यक्ष
सिन्धी काउंसिल ऑफ़ इंडिया छ.ग.
श्री विजय अग्रवाल जी
श्री शिव ग्वालानी जी
छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज
के नव नियुक्त पदाधिकारी गण
अध्यक्ष मान. सतीश थौरानी जी,
महामंत्री मान. अजय भसीन जी,
कोषाध्यक्ष मान. निकेश बरड़िया जी,
श्री वासु जोतवानी जी
श्री योगेश अग्रवाल जी
श्री राजेश वासवानी जी
महामंत्री मालवीय रोड व्यापारी संघ
पदभार ग्रहण समारोह की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।
20 अप्रैल 2025, रविवार सुबह 10:30 बजे से स्थान- शहीद स्मारक भवन, रायपुर (छ.ग.)
विकसित व्यापार का आधार- चेम्बर परिवार
श्री विनय बजाज जी
श्री राधा किशन सुन्दरानी जी
शांतिलाल बरडिया
डायरेक्टर, अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड
अशोक बरडिया
निदेशक, अनोपचंद तिलोकचंद ऑर्नामेंट्स
पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष रत्न एवं आभूषण परिषद
पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ सराफा एसोसिएशन
विनोद तलरेजा (बबला भाई)
अध्यक्ष# रायपुर होलसेल होजियरी एंड रेडीमेड डीलर्स एसोसिएशन
जसप्रीत सिंह सलूजा
कार्यकारी अध्यक्ष# रायपुर होलसेल होजियरी एंड रेडीमेड डीलर्स एसोसिएशन
अध्यक्ष# इंदिरा गांधी व्यावसायिक परिसर (पंडरी)
संजय कानुगा
ए.एस. ज्वेलर्स, सदर बाज़ार, रायपुर,
कार्यकारी अध्यक्ष- छ.ग. सराफा एसोसिएशन
पूर्व निदेशक- ऑल इंडिया जेम्स एण्ड ज्वेलरीज डोमेस्टिक काउंसिल
राजेश निमानी
निदेशक, श्रृंगार ज्वैलर्स
सदर बाजार रायपुर
Khanna
दिलीप इसरानी
अध्यक्ष
सिंधी साहिती बिरादरी मंडल
अशोक मलानी
संरक्षक
डूमरतराई थोक व्यापारी संघ
चंदर विधानी
संरक्षक
थोक कपड़ा मार्केट व्यापारी संघ
भरत प्रधनानी
सह-सचिव
मालवीय रोड व्यापारी संघ
संतोष लोहाना
छत्तीसगढ़ क्रेडाई मीडिया प्रभारी
राजेश थौरानी
डायरेक्टर,
एमएमआई फन सिटी
मयूर थौरानी
डायरेक्टर एम एम स्कूल
और सचिव सिंधु यूथ एसोसिएशन
शिवराज भंसाली मुख्य निर्वाचन अधिकारी, प्रकाश गोलछा, बालकृष्ण दानी, रमेश गाँधी, महावीर तालेड़ा, के सी माहेश्वरी, संजय देशमुख, अनिल जैन (कुचेरिया), संजय जोशी, अमित वर्मा, मनोज शर्मा ,एच एस कर
छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

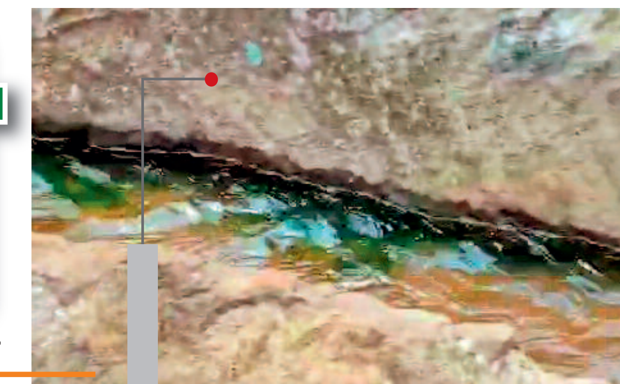

जीवन के लिए ग्रामीणों का जल मिशन, एक किमी तक लकड़ी की पाइप बिछाकर हर घर तक पहुंचाया पानी

80 परिवारों ने नहर से गांव तक पानी लाने का रास्ता बनाया, लकड़ियों से बनाए पाइप

रविकांत सिंह राजपूत की विशेष रिपोर्ट

आईएनएच विशेष

जल जीवन मिशन पूरे प्रदेश के गांव-गांव में पानी पहुंचाने का काम कर रहा साठ फीसदी गांवों में पानी पहुंचा भी है। लेकिन कुछ गांव ऐसे हैं जहां अब तक पानी नहीं पहुंच पाया। वहां भीषण गर्मी में समस्या है। लोग इंतजार कर रहे हैं कि मिशन का पानी उनके गांव पहुंचे और प्यास बुझे। लेकिन कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने इंतजार नहीं किया। भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र के बैरागी गांव के लोगों ने ऐसा ही किया। गांव में पानी की समस्या से निपटने के लिए ग्रामीणों ने बिना किसी सरकारी सहायता के अपने स्तर पर समाधान ▶▶| शेष पेज 7 पर

- सरकारी मदद की उम्मीद छोड़ी, इंतजार करने की जगह खुद पहल की, अब पानी ही पानी

संगठित कर पानी का प्रबंधन

इस जुगाड़ से गांव के हर घर तक पानी पहुंचाया जा रहा है। जिस घर में पानी की जरूरत होती है, उस तरफ पानी का रुख मोड़ दिया जाता है। गांव के लोग इस पानी का उपयोग घरेलू कामों के साथ-साथ खेती-किसानी में भी कर रहे हैं। लगभग 300 की आबादी वाले इस गांव में लोगों ने जल संकट का स्थायी समाधान निकाला है। गांव के लोग खुद को पीएचई विभाग की तरह संगठित कर पानी का प्रबंधन कर रहे हैं।

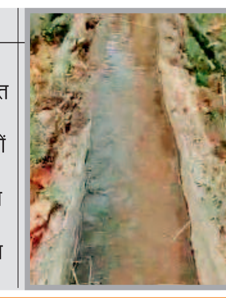

गांव वालों की अथक मेहनत का प्रयास है कि आज सभी के घरों में पानी की उपलब्धता है। मेरी सरकार से मांग यही है कि जैसे अभी लकड़ी के पाइप से पानी आ रहा है इसका पक्का निर्माण कर हमेशा के लिए व्यवस्था की जाए।

रामप्रसाद, सरपंच

ग्रामीणों की पहल काबिले तारीफ है। ग्रामीणों ने लकड़ी के पोल से हर घर तक पानी पहुंचाने का कार्य किया है। यहां की विधायक होने के नाते मैं यहां के लोगों को भरोसा दिलाती हूं कि डबल इंजन सरकार के जरिये यहां लकड़ी के पोल से नही, जल्द ही पाइपलाइन के जरिए गांव में पानी पहुंचेगा।

रेणुका सिंह, विधायक भरतपुर सोनहत

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

छात्रों को शराब देने का वीडियो वायरल, शिक्षक सस्पेंड

कटनी। कटनी जिले में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक द्वारा अपने छात्रों को कथित तौर पर शराब दिए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उसे निलंबित कर दिया गया है। बरवारा ब्लॉक के खिरहनी गांव में सरकारी प्राथमिक स्कूल के शिक्षक लाल नवीन प्रताप सिंह का वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर सामने आया।

जेसीबी मशीन खाई में गिरने से दो की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में शिमला के निकट एक जेसीबी मशीन के खाई में गिर जाने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान पंजाब के रूपनगर जिले के निवासी सुखदेव सिंह राणा (31) और किन्नौर जिले के हरिनाम सिंह (30) के रूप में हुई है।

बच्चे पर भौंकने पर कुत्ते को कार से घसीटा, गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा पुलिस ने शनिवार को बताया कि कुत्ते को कार से बांधकर तीन किलोमीटर तक घसीटने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। कुत्ते की मालकिन शोभा रानी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के मुताबिक, घटना बुधवार को ग्रेटर नोएडा के नयी बस्ती इलाके में हुई।

विवाह समारोह में भोजन करने से 100 बीमार

मंदसौर। मप्र के मंदसौर में एक विवाह समारोह में 'रसमलाई' खाने से 100 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। फतेहगढ़ में यह समारोह आयोजित किया गया था, जिसके बाद अगले दिन करीब 100 लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। खाद्य विषाक्तता के कारण गांव के कुल 45 लोगों का इलाज किया जा रहा है।

मप्र कान्हा रिजर्व में बाघिन मृत पाई गई

मंडला। मप्र के मंडला जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बाघिन मृत पाई गई है। रिजर्व के 'फील्ड डायरेक्टर' रवींद्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि शुक्रवार को केटीआर के किसली रेंज के अंतर्गत जामुन टोला इलाके में बाघिन का शव देखा गया। उन्होंने बताया कि बाघिन के शव के अंग पूरी तरह सुरक्षित पाए गए।

सुकमा के पहले नक्सल मुक्त गांव की कहानी, हरिभूमि-आईएनएच ने जाना हाल

नीम के पेड़ के नीचे लगती थी जन अदालत, 10 से ज्यादा को दी मौत की सजा, अब वहां सुकून!

सुकमा मुख्यालय से 43 किलोमीटर दूर बसा है बड़े सेट्टी गांव। यह सुकमा जिले का पहला ऐसा गांव हैं जिसे नक्सल मुक्त घोषित किया गया है। हरिभूमि-आईएनएच की टीम गांव पहुंची। गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। नक्सलियों की क्रूरता की कहानियां गांव की फिजा में अभी भी महसूस होती हैं। ग्रामीणों के चेहरे बताते हैं कि कागजों में भले ही गांव नक्सल मुक्त हो गया हो लेकिन उनके दिल और दिमाग से खौफ से मुक्ति में वक्त लगेगा।

कोंटा से रफीक खान और जीवानंद हालदार की रिपोर्ट

नक्सलियों की क्रूरता की कहानियां गांव वालों की वो नीम का पेड़ जहां अक्सर नक्सली आकर अपनी अदालत लगाया नक्सलियों ने जन अदालत लगाकर दस से ज्यादा को मौत के घाट उतार दिया करते थे।

हरिभूमि-आईएनएच टीम गांव पहुंची। गांव की आबादी 17 सौ है और वोटर 14 सौ हैं। गांव तक जाने के लिए सड़क बन गई है लेकिन पंचायत के कामकाज के लिए पंचायत भवन नहीं है।

गांव में सक्रिय 11 नक्सलियों ने जब हथियार डाल दिए तो ग्राम पंचायत ने प्रस्ताव पारित कर दिया। बड़े सेट्टी नक्सलियों का जंक्शन था। दंतेवाड़ा जिला के कटेकल्याण ब्लॉक से लगा यह सरहदी ग्राम पंचायत बडेसेट्टी राष्ट्रीय राजमार्ग से करीब 25 किलोमीटर के अंदर बसा हुआ है। इसलिए यह गांव नक्सलियों का गढ़ माना जाता था। कभी नक्सली संगठन का कॉरीडोर था, अब नक्सल मुक्त गांव बड़ेसेट्टी हो गया है।

इसी पेड़ के नीचे लगती थी जनअदालत

हरिभूमि खास

नक्सली कहते थे हम ही तुम्हारी सरकार

नक्सली ग्रामीणों की बैठक लेकर कहते थे कि हम ही तुम्हारी सरकार हैं। हमारी नीतियों पर ही रहना और चलना होगा। जिन्होंने उनकी बात नहीं मानी उन्हें जन अदालत लगाकर मार दिया गया। ग्रामीण नीम के पेड़ की ओर इशारा कर बताते हैं-यहां दर्जनों बार जन अदालत लगाई गई। दस से ज्यादा को सजा दी गई...मौत की सजा। सबके सामने लोगों को मार दिया गया। नक्सली अक्सर लोगों को सजा देते थे।

बड़ा बाजार बंद करा दिया

बड़े सेट्टी में बड़ा बाजार लगता था। वहां आसपास से बड़ी संख्या में लोग आकर जरूरत की चीजें खरीदते थे। नक्सली वहां उगाही करते और चले जाते। नक्सलियों का आतंक बढ़ता रहा और बाजार से लोग गायब होते रहे। धीरे-धीरे वह बंद हो गया। नक्सलियों ने सरकारी इमारतों को निशाना बनाया। उन्हें ध्वस्त कर दिया। खौफ ऐसा था कि ग्रामीणों को हाजिरी देनी पड़ती थी और गांव में कौन आया और कौन गया, इसकी जानकारी देनी जरूरी थी।

दो दशक पहले छात्रावास स्कूल के भवनों को नक्सलियों ने ध्वस्त किया था

ग्राम पंचायत बड़ेसेट्टी में कुल 7 प्राथमिक शालाएं व 9 आंगनबाड़ी केंद्र सहित एक 50 सीटर बालक छात्रावास एक 50 सीटर बालक आश्रम एवं माध्यमिक शाला संचालित है। वहीं एक छात्रावास निर्माणाधीन है । इस ग्राम पंचायत में पूर्व में संचालित 30 सीटर बालक छात्रावास एवं शिक्षक क्वार्टर को नक्सलियों ने ध्वस्त कर दिया था। वहीं सुरक्षा कैम्प स्थापित होने से पहले नक्सलियों ने इस ग्राम के अनेक ग्रामीणों की हत्याएं की थी। ग्राम पंचायत में निवासरत सभी ग्रामीणों के आय का साधन एक मात्र कृषि कार्य ही है। नक्सल मुक्त ग्राम पंचायत घोषित होने के बाद अब यह ग्राम पंचायत तेजी से विकास की ओर अग्रसर होगा ऐसा माना जा रहा है। ग्रामीणों का अधिकतर मांग सड़क पुल पुलिया है । गौर करने वाली महत्वपूर्ण बात यह है कि ग्रामीणों के 90 प्रतिशत मकान खपरे से बने हैं।

सुप्रीम कोर्ट के लिए कोठा, फेसबुक पोस्ट वायरल, विधायक ईश्वर ने कहा- मेरे नाम की फर्जी आईडी

- फर्जी आईडी बनाकर कोई गलत पोस्ट कर रहा : साहू
- कांग्रेस ने कहा- सार्वजनिक माफी मांगें, साव बोले- कांग्रेस का हो सकता है प्लान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सुप्रीम कोर्ट पर अभद्र टिप्पणी को लेकर साजा से भाजपा विधायक ईश्वर साहू विवादों में आ गए। एक के बाद कई पोस्ट ईश्वर साहू की आईडी से फेसबुक पेज से किए गए हैं, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के लिए आपत्तिजनक शब्द 'कोठा' का इस्तेमाल किया है। उनके पोस्ट के बाद छत्तीसगढ़ में सियासी बवाल भी मच गया। कांग्रेस ने इस पर कड़ी आपत्ति करते हुए कहा, विधायक को शर्म आनी चाहिए। उन्हें अपने इस कृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए। मिली जानकारी के अनुसार, ये पोस्ट 24 घंटे पहले की गई है। वहीं इस पोस्ट के बाद विधायक का बयान भी सामने आया है। विधायक ईश्वर साहू ने कहा, मेरे नाम से अज्ञात व्यक्ति द्वारा ▶▶| शेष पेज 7 पर

कांग्रेस का हो सकता है प्लान : साव

इस मामले में डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा, कई बार अकाउंट हैक होता है। अकाउंट हैक होना आजकल बहुत आम हो गया है। कांग्रेस इस मामले को तूल दे रही है। यह कांग्रेस का प्लान हो सकता है।

माफी मांगें, भाजपा को भी कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए : बैज

साजा विधायक के फेसबुक पेज पर की गई इस विवादित पोस्ट को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, उनके फेसबुक अकाउंट से पोस्ट जारी हुई है। न्यायालय के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग किया है। बीजेपी की मानसिकता इस पोस्ट से देखी जा सकती है। अपने अकाउंट से पोस्ट कर ऐसी टिप्पणी करना सही नहीं है। ईश्वर साहू को माफी मांगनी चाहिए। बीजेपी को इस पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

विवादों के बीच 483 किलोमीटर का कॉरीडोर सालभर में, 83 किमी घटेगी दूरी, 7 घंटे में पहुंचेंगे विशाखापट्टनम

1. छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्रप्रदेश में 19 पैकेज में हो रहा निर्माण
2. छत्तीसगढ़ के 124 किलोमीटर रास्ते में 60 फीसदी से अधिक काम
3. 20 हजार करोड़ की लागत से होगा इकोनॉमिक कॉरीडोर का निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

रायपुर विशाखापट्टनम इकोनॉमिक कॉरीडोर अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से ज्यादा विवादों की वजह से सुर्खियों में रहा। 20 हजार करोड़ की लागत से बनने वाला सिक्सलेन एक्सप्रेस वे सालभर के भीतर पूरा होने जा रहा है। इसके बाद 483 किलोमीटर के इस हाईवे में रायपुर से विशाखापट्टनम की दूरी महज 7 से 8 घंटे में पूरी होगी। इकोनॉमिक कॉरीडोर के निर्माण के बाद 83 किलोमीटर की बचत होगी। छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्रप्रदेश के बीच बनने वाले इस सड़क का निर्माण 50 फीसदी पूरा हो चुका है। तीनों राज्यों में 19 पैकेज में इस ▶▶| शेष पेज 7 पर

कांकेर में सुरंग कोरापुट में ट्वीन टनल

रायपुर विशाखापट्टनम एक्सप्रेस वे में कांकेर जिले में केशकाल घाटी के नीचे चार किलोमीटर का सुरंग बनाया जा रहा है। इसी रास्ते में ओडिशा के कोरापुट ▶▶| शेष पेज 7 पर

भेलवाडीह में एक्सप्रेस वे से होगा कनेक्ट

रायपुर विशाखापट्टनम एक्सप्रेस वे की शुरुआत अभनपुर के भेलवाडीह गांव से होगी। नेशनल हाईवे 30 में राहगीरों को भेलवाडीह से एक्सप्रेस वे में डायवर्ट होना होगा। एक्सप्रेस वे कुरुद, मगरलोड होते हुए कांकेर और कोंडागांव से ओडिशा की सीमा तक जाएगी। विशाखापट्टनम के सुब्बावरम में यह सड़क समाप्त होगी। छत्तीसगढ़ में तीन पैकेज में 124 किलोमीटर सड़क का निर्माण किया जा रहा है।

ऑनलाइन बुकिंग करते समय तीर्थयात्री, पर्यटक रहें सतर्क

सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत आने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने ऑनलाइन बुकिंग के जरिये विशेष रूप से चार धाम तीर्थयात्रियों और देशभर में पर्यटकों को निशाना बनाकर धोखाधड़ी करने वालों के प्रति लोगों से सतर्क रहने को कहा है। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये धोखाधड़ी फर्जी वेबसाइट, भ्रामक सोशल मीडिया पेज, फेसबुक पोस्ट और गूगल विज्ञापनों के जरिए की जा रही हैं।

वेबसाइट की पुष्टि करें

बयान के अनुसार, कोई भी भुगतान करने से पहले हमेशा वेबसाइट की प्रामाणिकता की पुष्टि करें। गूगल, फेसबुक या व्हॉट्सएप पर प्रायोजित या अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से पहले सत्यापित करें।

महाराष्ट्र की सियासत में नई हलचल

19 साल बाद मिले सुर, उद्धव और राज में पिघली 'रिश्तों की बर्फ'

एजेंसी ▶▶| मुंबई

महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर हलचल बढ़ गई है। इसकी वजह है राज ठाकरे का एक बयान। दरअसल, महेश मांझरेकर के साथ एक पॉडकास्ट में राज ठाकरे ने एक बयान दिया, उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के अस्तित्व के सामने ये सब झगड़े छोटे नजर आते है, साथ में आना ये कोई कठिन बात नहीं है, लेकिन सवाल इच्छा का है। इसके बाद सियासी हलकों में ये सवाल उठने लगा कि क्या उद्धव और राज ठाकरे साथ आ रहे हैं? उधर, राज ठाकरे के बयान पर ▶▶| शेष पेज 7 पर

उद्धव ने कही यह बात

उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र के हित के लिए अब सभी मराठी लोग तय करें कि भाजपा के साथ जाना है या हमारे साथ? लेकिन एकनाथ शिंदे की गद्दार सेना का साथ नहीं लेंगे। महाराष्ट्र का हित बस यही एक मेरी शर्त है। आप लोग तय करें कि किसके साथ जाना है।

राज ठाकरे की शर्तें

उद्धव ने राज ठाकरे को लेकर कहा कि पहले आप ये तय कर लें कि मैं महाराष्ट्र के हित से समझौता नहीं करूंगा। न ही ऐसे लोगों को अपने घर बुलाऊंगा, न उनके घर जाऊंगा। न मंच साझा करूंगा। ऐसे लोगों की आवभगत नही करूंगा। उनके साथ नहीं बैठूंगा।

महाराष्ट्र के दुश्मन को अपने घर में जगह न दें : राउत

वहीं, उद्धव गुट के सांसद संजय राउत ने कहा कि राज ठाकरे ने कहा है कि अगर दोनों भाइयों के बीच कोई शिकायत है, तो मैं अपना अहंकार अलग रखूंगा और महाराष्ट्र के सर्वोत्तम हितों के लिए शिकायत दूर करूंगा, जिस पर उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम भाई हैं और हमारे बीच कोई शिकायत नहीं है। अगर कोई है, तो मैं उसे दूर करूंगा।

शाह ने कैसे घटाया वजन, सबके सामने शेयर की अपनी वेट लॉस जर्नी

शरीर के लिए दो घंटे, दिमाग के लिए छह घंटे की नींद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने समुचित नींद, खान-पान पर ध्यान देकर तथा नियमित व्यायाम सुनिश्चित करके अपने स्वास्थ्य और कार्य करने की क्षमता में बहुत बड़ा बदलाव देखा है। उन्होंने अपनी डाइट बदली, नींद के घंटे बढ़ाए और रोजाना एक्सरसाइज की। इससे उन्हें बहुत फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि अब वे बिना किसी दवा और इंसुलिन के स्वस्थ हैं। शाह ने विश्व यकृत दिवस पर यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवाओं से अच्छे स्वास्थ्य के लिए दो घंटे शारीरिक व्यायाम और छह घंटे की नींद लेने की अपील की।

यकृत स्वास्थ्य के महत्व का करें प्रचार

केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने औद्योगिक घरानों से यकृत स्वास्थ्य के महत्व का प्रचार करने तथा यकृत के उपचार और अनुसंधान के क्षेत्र में काम करने वाले संस्थानों को सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की उज्ज्वला योजना, खेलो इंडिया, 'फिट इंडिया' और पेयजल एवं शौचालय जैसी अन्य योजनाएं सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी हैं।

स्वास्थ्य का बजट बढ़ाया

शाह ने कहा कि सरकार का स्वास्थ्य बजट 2014 में 37,000 करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 1.27 लाख करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश में स्वास्थ्य सेवा की समग्र प्रणाली बनाने के लिए काम किया है।

स्वस्थ रहकर दे सकते हैं ज्यादा योगदान

अमित शाह ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि स्वस्थ रहकर वे (युवा) देश के विकास में अधिक योगदान कर सकते हैं। उनका संदेश है कि हर कोई स्वस्थ जीवनशैली अपना सकता है।

मोदी ने भी स्वस्थ भारत की पैरवी की

विश्व यकृत दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रयासों की सराहना करते हुए तेल का सेवन कम करने और मोटापे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने जैसे छोटे कदम उठाने का आह्वान किया तथा फिट और स्वस्थ भारत के निर्माण पर बल दिया। हर साल विश्व यकृत दिवस मनाया जाता है जिसके तहत यकृत स्वास्थ्य और बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाता है। इस वर्ष का इस दिवस का ध्येय वाक्य है: 'भोजन ही औषधि है।'

भारतीय रेलवे हर रोज करीबन करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह लेकर जाती है, जाहिर है इतनी बड़ी संख्या में लोगों को लाने ले जाने में भी हजारों ट्रेन की जरूरत पड़ती है, ऐसे में कुल 13,452 ट्रेनों को रेलवे ने लगा रखा है। इनमें कुछ लग्जरी ट्रेनें हैं, तो कुछ सुपरफास्ट ट्रेनें हैं, तो कुछ ऐसी हैं जिनमें आम इंसान सस्ती टिकट लेकर आराम से बैठकर जा सकता है।

देश की इकलौती ट्रेन जो खिलाती है फ्री में नाश्ते से लेकर डिनर तक

नई दिल्ली। लेकिन इन हजारों ट्रेनों में केवल एक ट्रेन ऐसी है, जिसमें यात्रियों को फ्री में खाना परोसा जाता है। इसका मतलब है कि ये ट्रेन ना केवल आपको सफर का मजा दिलाती है, बल्कि रास्ते में आपको फ्री में ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर भी कराती है। चलिए आपको इस ट्रेन के बारे में बताते हैं।

पिछले 29 साल से रेलवे में मिलता है फ्री का खाना : रेलवे की ये खास ट्रेन देश के 2 फेमस स्थलों के बीच चलती है और श्रद्धालुओं को दर्शन कराती है। ट्रेन के यात्रियों को पिछले 29 साल से फ्री में खाना परोसा जा रहा है। वैसे तो भारतीय रेलवे अपने सभी यात्रियों को चलती ट्रेन में खाना-नाश्ता देती है लेकिन आपको पैसे देने पड़ते हैं। केवल यही एक इकलौती ऐसी ट्रेन है, जो आपको बिना किसी पैसे के ब्रेकफास्ट से लेकर डिनर तक सब फ्री में देती है, आप सफर में हैं हैं।

29 साल से फ्री में खाना परोसा जा रहा

6 जगह पर परोसते हैं खाना

सचखंड एक्सप्रेस ट्रेन 2,000 किलोमीटर की दूरी को तय करती है और इस दौरान 39 स्टेशनों पर इसका ठहराव रहता है। यात्रा के समय 6 पड़ाव पर लंगर लगता है, यहां यात्रियों को फ्री में खाना दिया जाता है, ये पड़ाव नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अलावा भोपाल, परभनी, जालना, औरंगाबाद और मराठवाड़ा हैं। ट्रेन इस सफर को पूरा करने के लिए करीबन 33 घंटे का समय लेती है।

महाराष्ट्र के नांदेड़ से अमृतसर तक ट्रेन

हम जिस ट्रेन की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं बल्कि महाराष्ट्र के नांदेड़ शहर से पंजाब के अमृतसर शहर तक जाती है। ट्रेन का नाम सचखंड एक्सप्रेस (12715) है। ट्रेन अमृतसर के बड़े धार्मिक स्थल श्री हरमंदर साहिब गुरुद्वारा से जाती है फिर महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में स्थित श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा पहुंचती है। बता दें, नांदेड़ में ही सिखों के 10वें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का निधन हुआ था, ये ट्रेन इन दोनों ही धार्मिक स्थलों के बीच सफर को पूरा करती है।

कौन उठाता है खाने का खर्च

ट्रेन का स्टॉपेज भी इस हिसाब से रखते हैं कि यात्री आराम से खाने का लुत्फ उठा सके। ट्रेन में खाने का मेन्यू बदलता रहता है, लेकिन अधिकतर समय आपको कढ़ी-चावल, छोले, दाल, खिचड़ी और आलू-गोभी या दूसरी सब्जी परोसी जाती है। इस पर आने वाला खर्चा गुरद्वारों को मिलने वाले दान के जरिए इस्तेमाल होता है। फ्री लंगर का लुत्फ उठाने के लिए ट्रेन में जनरल से लेकर एसी बोगी तक के यात्री अपने साथ बर्तन लेकर जाते हैं।

रोचक खबरें

महिला ने २ करोड़ रुपये के खरीदे अपने कुत्तों के लिए कपड़े

शंघाई। कई लोग कुत्तों को अपना दोस्त मानते हैं, वहीं कुछ उनकी बच्चों की तरह देखभाल करते हैं, लेकिन चीन की एक महिला का अपने कुत्तों के प्रति प्यार जाहिर करने का तरीका इस समय सुर्खियां बटोर रहा है। दरअसल, हाल ही में उस महिला ने अपने कुत्तों के लिए 2.80 लाख डॉलर यानी 2 करोड़ से ज्यादा रुपये खर्च करके कपड़े, वॉक-इन वार्डरोब समेत उनकी अन्य फैशन एक्सेसरीज खरीदी हैं। ऐसे में आइए यह चौंकाने वाला पूरा मामला जानते हैं। चीन में शंघाई की रहने वाली महिला का असल नाम तो सामने नहीं आया है, लेकिन उसका सोशल मीडिया पर यिकेमोची नाम से अकाउंट है और वह पालतू जानवरों की फैशन इंफ्लूएंसर है। महिला के पास 3 पालतू कुत्ते छह वर्षीय मोची, पांच वर्षीय मिल्की और तीन वर्षीय पिग्गी हैं। कुछ दिन पहले महिला ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने कुत्तों के सामानों का जिक्र किया, जिसके बाद से वो तेजी से वायरल होने लगी। हैरानी की बात ये है कि महिला के कुत्तों की अलमारी में आपको कढ़ाई वाली स्कर्ट, डिज्नी थीम वाले कपड़े और कई तरह के यूनिक डिजाइन वाले कपड़े भी देखने को मिल जाएंगे। इसके अलावा उनकी अलमारी में कुत्तों के लिए चमकदार क्लिप्स, सनग्लासेस और यहां तक की हैंडबैग्स भी हैं।

करोड़ों में है कुत्तों के कपड़ों की कीमत

वायरल वीडियो में वह अपने प्रशंसकों को अपने पालतू कुत्तों का शानदार वॉक-इन वार्डरोब और आभूषण स्टैंड दिखाती है। साथ ही महिला ने खुलासा किया कि उसने अपने कुत्तों के लिए 2,500 से अधिक कपड़ों और सामानों पर लगभग 2.80 लाख डॉलर (2 करोड़ से ज्यादा रुपये) खर्च किए हैं। उनके कलेक्शन में 550 डॉलर से 700 डॉलर (लगभग 45 से 60 हजार रुपये) की ट्वीड जैकेट और 410 डॉलर यानी लगभग 35 हजार रुपये की कश्मीरी जंपर्स शामिल हैं।

नीलामी में बिकी एक अक्षर वाली दुर्लभ नंबर प्लेट, 15 करोड़ से अधिक लगी इसकी कीमत

नई दिल्ली। नंबर प्लेट धातु या प्लास्टिक की प्लेट होती है, जो वाहनों की पहचान के लिए लगाई जाती है। इसे लाइसेंस प्लेट भी कहा जाता है और हर वाहन की नंबर प्लेट का अंक अलग होता है। ऐसा ही कुछ चीन के हांगकांग में हुआ। यहां एक अक्षर वाली दुर्लभ नंबर प्लेट 15 करोड़ रुपये से अधिक कीमत पर नीलाम हुई है। इस नीलामी का आयोजन हांगकांग शहर के राज्य परिवहन विभाग द्वारा सोमवार यानि 17 फरवरी को करवाया गया था। इस नीलामी के दौरान कुल 49 नंबर प्लेट बिकने के लिए उपलब्ध कराई गईं थीं। हालांकि, सभी नंबर प्लेटों में से एक ने लोगों का सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया। इसपर कोई अंक भी नहीं लिखा गया है और केवल 'S' छापा गया है। इस नीलामी को वार्षिक चंद्र नववर्ष नीलामी यानि एनुअल लूनर न्यू ईयर ऑक्शन नाम दिया गया था। इस खास नंबर प्लेट की बोली करीब 55,800 रुपये से शुरू हुई थी।हालांकि, जल्द ही इसकी बोली बढ़ने लगी और लोग इसे हासिल करने में दिलचस्पी दिखाने लगे। एक व्यक्ति ने इसके लिए 8.97 करोड़ रुपये की बोली लगाई। नीलामी के अंत में इसे 15.86 करोड़ रुपये की भारी कीमत पर नीलाम किया गया।

महिला ने पानी के अंदर रहकर बनाए २ विश्व रिकॉर्ड, हैरान कर देगा तरीका

पानी के अंदर ज्याद देर तक सांस रोककर रखना कई लोगों के लिए मुश्किल है, लेकिन अमेरिका की अमेलिया डे लॉस रियोस नाम की एक महिला ने इस चुनौती को अपनी उपलब्धि बना दिया। एक पेशेवर फ्रीडाइवर होने के कारण अमेलिया की पानी के नीचे ज्यादा देर रूकने की क्षमता लाजवाब है। उन्होंने अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन करने के लिए एक मिनट में पानी के अंदर 56 छल्ले बनाएं और गिनीज बुक में अपना नाम शामिल कर लिया।

अमेलिया इस्तेमाल करती हैं खास तकनीक

गिनीज बुक के मुताबिक, अमेलिया ने बताया कि पानी के अंदर जाकर छल्ले बनाने के लिए वह एक खास तकनीक का इस्तेमाल करती है। उन्होंने आगे कहा, पानी के अंदर छल्ले बनाना मुश्किल काम नहीं है, लेकिन इन्हें सही लय में बनाना मुश्किल है। इसके लिए आप जितना कम गहराई में जाएंगे, इन्हें बनाना उतना ही आसान होगा, लेकिन बहुत कम गहराई में जाएंगे तो छल्ले एक-दूसरे से टकराकर टूट जाएंगे।

अमेलिया का दूसरा विश्व रिकॉर्ड : पानी के अंदर छल्ले बनाने के रिकॉर्ड के अलावा अमेलिया ने एक अन्य रिकॉर्ड भी कायम किया। दूसरा रिकॉर्ड ये था कि उन्होंने पानी के अंदर 6 मिनट और 58 सेकंड तक अपनी सांस रोककर रखी, जो पुरुषों के रिकॉर्ड से 12 सेकंड ज्यादा है। पानी के अंदर ये रिकॉर्ड तोड़ने वाली इस खिलाड़ी की तकनीक का श्रेय उनके फ्रीडाइविंग कौशल को जाता है। बता दें कि फ्रीडाइविंग एक तरह की पानी में सांस रोककर रखने वाली गतिविधि है।

खूबसूरत

फिरंगियों का बसाया हिल स्टेशन जहां उन्हें ही नहीं मिलती एंट्री

भारतीयों का खूब किया जाता है सत्कार

चकराता। उत्तराखंड को धरती का स्वर्ग कहते हैं, नेचर लवर्स के देखने के लिए यहां काफी कुछ है, उन्हीं में से एक जगह है चकराता। इस जगह को ब्रिटिश काल में विदेशियों ने बसाया था, आज ये एक खूबसूरत हिल स्टेशन बन चुका है, जहां केवल भारतीय लोगों को ही घूमने की इजाजत मिलती है। जी हां और हैरानी वाली बात ये है, जिन अंग्रेजों ने इस जगह को बसाया था, वो ही अब यहां पैर तक नहीं रख सकते। अगर गर्मियों में यहां जाने का सोच रहे हैं, तो पहले जान लें आखिर इसकी दिलचस्प वजह क्या है और देखने के लिए यहां क्या खूबसूरत जगह हैं। चकराता में आप टाइगर फॉल का मजा ले सकते हैं। ये उत्तराखंड का सबसे ऊंचा झरना है और यहां मुख्य आकर्षण है।

चकराता क्यों है फेमस

चकराता को लेकर कहते हैं कि ये ऐसी जगह है जहां प्रदूषण ना के बराबर आता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए ये जगह किसी जन्नत से कम नहीं है। यहां आपको कई खूबसूरत झरने और पर्यटन स्थल देखने को मिल जाएंगे। इसके अलावा आप यहां ट्रेकिंग से भी मजा ले सकते हैं। देववन से चकराता का नजारा बढ़ा ही खूबसूरत लगता है। सर्दियों के समय बर्फ से ढके हिमालय पर्वत भी देखने को मिल जाएंगे। चकराता से देववन आप गाड़ी की मदद से जा सकते हैं या कानसार से ट्रेकिंग भी कर सकते हैं।

सूर्यास्त का खूबसूरत नजारा

अगर आप प्रकृति के बीच सूर्यास्त के खूबसूरत नजारे देखना चाहते हैं, तो आपको चकराता से चिरमिरी जाना होगा। ये जगह चकराता से करीबन 4 से 5 किमी दूर है। यहां सूर्यास्त का नजारा इतना खूबसूरत है कि आप उस अनुभव को भूल जाएंगे। अगर आप सड़क के रास्ते, रेल मार्ग और हवाई मार्ग से जा रहे हैं तो चकराता आप आसानी से पहुंच सकते हैं। पास की जगह देहरादून है यानी आपको पहले देहरादून जाना पड़ेगा। देहरादून पहुंचने के बाद आप गाड़ी या टैक्सी की मदद से चकराता जा सकते हैं।

चीन सीमा पास में इसलिए विदेशी एंट्री बंद

बता दें कि चकराता के पास ही चीन की बॉर्डर है ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से किसी भी विदेशी सैलानी एंट्री को पूरी तरह से बैन कर दिया गया। अब यहां इंडियन आर्मी का कैंप है। ऐसे में केवल भारतीय नागरिक ही यहां घूमने के लिए जा सकते हैं। अगर कोई विदेशी यहां आने की कोशिश करता है, उसके खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाता है।

छुट्टियां यहां बिताया करते थे अंग्रेज

चकराता को 1866 में अंग्रेजों ने बसाया था। जिसके बाद अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी के ऊंचे लेवल के अधिकारी गर्मियों की छुट्टियां बिताने के लिए यहां आया करते थे। 1869 में ब्रिटिश सरकार ने इसे कैंट बोर्ड के अधीन कर दिया था। यहां से चीन की दूरी भी बहुत ही कम है। साल 1962 में भारत-चीन के बाद यहां तिब्बती यूनिट भी यहां आ गई थी।

क्लाउड मोनेट की ये पेंटिंग लगभग 400 करोड़ रुपये में होगी नीलाम

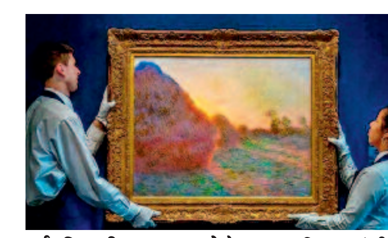

नई दिल्ली। क्लाउड मोनेट एक प्रसिद्ध फ्रांसीसी चित्रकार थे, जिनका काम कला बाजार में सबसे प्रशंसित, महंगा और मांग वाला है। इस बात का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि मोनेट द्वारा बनाई गई एक पेंटिंग न्यूयॉर्क की एक नीलामी में 3 करोड़ डॉलर से 5 करोड़ डॉलर (करीब 250 करोड़ से लेकर 430 करोड़ रूपये) के बीच बिक सकती है। आइए इस नीलामी के बारे में विस्तार से जानते हैं। मोनेट की साल 1891 में बनाई गई लैंडस्केप पेंटिंग की नीलामी क्रिस्टी नीलामी घर द्वारा अगले महीने ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। इस पेंटिंग में सूर्यास्त के समय नदी के किनारे पेड़ों को दर्शाया गया है, जो फ्रांस के नॉरमैंडी गांव की एक जगह की छवि है। यह मोनेट की लेस पेप्लियर्स श्रृंखला की 24 पेंटिंग में से एक है और इस श्रृंखला की सारी पेंटिंग में मोनेट के घर के पास वाली इप्टे नदी के आसपास का दर्शाया है।

पेंटिंग में है इप्टे नदी के किनारे का नजारा

नीलामी घर के मुताबिक, मोनेट ने इस श्रृंखला की पेंटिंग्स में इप्टे नदी के नजारों को विभिन्न मौसमों और स्थितियों के साथ बनाया है। क्रिस्टी में इंप्रेशनिस्ट और आधुनिक कला की प्रमुख वैनेसा फुस्को ने बताया, मोनेट द्वारा इस्तेमाल किए रंगों और उनसे पेंटिंग पर की गई परतों से ऐसी पेंटिंग बनाना काफी मुश्किल काम है, लेकिन जब आप इस पेंटिंग के सामने खड़े होते हैं तो ये काफी आकर्षक लगती है। फुस्को ने आगे बताया, मोनेट की ये पेंटिंग 1955 तक उनके परिवार के संग्रह में रही और क्रिस्टी को सौंपे जाने स पहले ये पेंटिंग बोस्टन के म्यूजियम ऑफ फाइन आर्ट्स में 30 साल तक प्रदर्शन का हिस्सा बनी रही। ऑनलाइन नीलामी में जाने से पहले ताइवान में एक दिन के लिए प्रदर्शनी में रखी जाएगी।

दुनिया के ऐसे होनहार जानवर, जिनके नाम दर्ज हैं कई शानदार विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आपने मनुष्यों को तो कई प्रकार के विश्व रिकॉर्ड बनाते देख होगा, लेकिन क्या अपने कभी जानवरों के रिकाड्र्स के बारे में सुना है? दुनियाभर में कई ऐसे होनहार और समझदार पालतू जानवर मौजूद हैं, जो अपनी बुद्धि और कला के जरिए कई तरह के रिकॉर्ड बना चुके हैं।

स्केटबोर्ड चलाने वाली बिल्ली : कहा जाता है कि बिल्लियां बेहद अलसी होती हैं और जल्दी करतब करने के लिए तैयार नहीं होतीं। हालांकि, सही प्रशिक्षण मिलने पर वे भी कुछ हैरतअंगेज कारनामे कर दिखाती हैं। दरअसल, चीन के रहने वाले ली जियांगताओ की अमेरिकन शार्टहेयर नस्ल वाली बिल्ली स्केटबोर्ड चलाती है। इस बिल्ली का नाम बाओ जी है, जिसने 10 मीटर की दूरी तक स्केटबोर्ड चलाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

सबसे ऊंची छलांग लगाने वाला गिनी पिग

गिनी पिग छोटे और प्यारे जानवर होते हैं, जो अपनी मासूमियत के जरिए सबका मन मोह लेते हैं। हालांकि, अमेरिका की रहने वाली ग्रेस होइनेस की गिनी पिग को केवल उसकी मासूमियत के लिए ही नहीं, बल्कि बुद्धिमानी के लिए भी जाना जाता है। इसका नाम ऐबी है और इसने किसी गिनी पिग द्वारा सबसे ऊंची छलांग लगाने (22 सेमी) का विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

अमीर होने के लिए लोग खरीद रहे बैंक की मिट्टी, हजारों में बिक रही

नई दिल्ली। आज के महंगाई के जमाने में सभी लोग पैसे कमाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। हालांकि, कई ऐसे लोग भी होते हैं, जो पैसे कमाने के आसान रास्ते तलाशते रहते हैं। इन लोगों में अमीरी बनने की चाह इस कदर बढ़ जाती है कि वे किसी भी दकियानूसी तरकीब का सहारा ले लेते हैं। ऐसा ही कुछ इन दिनों चीन में हो रहा है, जहां के लोग अमीर बनने के लिए बैंक से चुराई गई मिट्टी खरीद रहे हैं।

आम तौर पर चोर बैंक से पैसे लूटते हैं, लेकिन आज-कल के चोर बैंक से मिट्टी चुराने लगे हैं। चीन के चोर बैंक में लगे गमलों से मिट्टी चुराकर ऑनलाइन बेचने का धंधा चला रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इसको खरीदना अब एक ट्रेंड बन गया है। मिट्टी को यह बताकर बेचा जा रहा है कि इसके जरिए लोग जल्द-से-जल्द अमीर बन जाएंगे। बैंक की मिट्टी की एक पोटली 10,000 रुपये में बिक रही है।

सच्चाई — रंग बदलने के पीछे छिपा है उसकी दुनिया का गहरा राज

मोहब्बत से लेकर जंग तक... गिरगिट के हर रंग का है अलग सीक्रेट

नई दिल्ली। क्या आप जानते हैं कि गिरगिट केवल छिपने के लिए ही अपना रंग नहीं बदलते? गिरगिटों की त्वचा में रंग बदलने की अद्भुत क्षमता होती है। यह क्षमता उन्हें न केवल अपने परिवेश में छिपने में मदद करती है, बल्कि दूसरे गिरगिटों से संवाद करने में भी एक बड़ी भूमिका निभाती है। आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे और क्यों बदलते हैं। आपको जानकर ताज्जुब होगा कि गिरगिट के बदले हुए हर रंग का अपना एक मतलब होता है। उनके हर रंग की एक अलग और रोमांचक कहानी है।

दुनिया भर में गिरगिट की 135 पजातियां : दुनिया भर में गिरगिटों की कम से कम 134 प्रजातियां पाई जाती हैं। यह आम धारणा है कि गिरगिट अपने आसपास के वातावरण में घुलने-मिलने के लिए रंग बदलते हैं, लेकिन यह पूरी सच्चाई नहीं है। असल में, गिरगिट रंग बदलकर आस-पास के दूसरे गिरगिटों को संकेत भी भेजते हैं।

ये रंग है मादा के इंकार का संकेत

इसके अलावा अगर एक नर पैंथर गिरगिट साथी की तलाश में है, तो वह मादा को शानदार नीले, हरे, नारंगी, पीले, लाल और सफेद रंग के साथ प्रभावित करने का प्रयास करता है। गर्भवती मादा की त्वचा गहरे भूरे या काले रंग में बदल जाती है, जो बताता है कि वह संबंध बनाने के लिए तैयार नहीं है।

रंग बताते हैं कि बीमार या घायल है गिरगिट : गिरगिट की त्वचा का रंग उसके शरीर के तापमान, तनाव के स्तर, पोषण और यहां तक कि मनोदशा के बारे में भी बताता है। एक शांत गिरगिट का रंग हरा हो सकता है, जो आम तौर पर उसे अपने परिवेश में कुछ हद तक छिपाने के लिए बनाया गया होता है। यह उसे शिकारियों से भी बचाता है। गिरगिट का रंग यह भी बता सकता है कि वह बीमार है या घायल है।

खतरा होने पर अपनाते हैं लाल रंग

उदाहरण के तौर पर, पैंथर गिरगिट की त्वचा गुस्से या खतरे में होने पर अपने सामान्य नीले और हरे रंग से लाल रंग में बदल जाती है। ज्यादातर प्रजातियां समर्पण दिखाने के लिए गहरे या फीके मंद रंग को दिखाती हैं। अगर कोई गिरगिट, दूसरे के प्रभुत्व प्रदर्शन से डर जाता है तो वह गहरे, विनम्र रंग में बदल जाएगा और सिकुड़ जाएगा।

चमकीले रंग से सहमति देती है मादा : गिरगिट के रंगों का लव कनेक्शन भी है। एक नर गिरगिट मादा को आकर्षित करने के लिए चमकीले रंग दिखाता है। उदाहरण के लिए, नर मेलर का गिरगिट अपनी दिलचस्पी दिखाने के लिए लाल रंग की चमक दिखाता है।

अनोखा मेला, रात के वक्त सड़कों पर दिखाई देती हैं सिर्फ औरतें

एजेंसी ⏭ जयपुर

राजस्थान के जोधपुर में दुनिया भर का सबसे अनोखा मेला जोधपुर में होता है। 16 दिन की पूजा करने के बाद सुहागिनें अलग-अलग स्वांग रच कर जोधपुर के भीतरी शहर में रात भर सड़कों पर निकलती हैं। पूरी रात महिलाओं का राज होता है। इसे बेंतमार के नाम से भी जाना जाता है। इस मेले की यह परंपरा है कि जोधपुर में पुराने समय में भाभी अपने देवर और अन्य कुंवारे युवकों को प्यार से छड़ी मार कर बताती थीं कि वो कुंवारे हैं। बेंत मारने के बाद कुंवारे लड़कों की जल्द ही शादी हो जाती है।

12 घंटे का निर्जला उपवास रखती हैं महिलाएं

इस धींगा गवर की अनूठी पूजा करने वाली महिलाएं दिन में 12 घंटे निर्जला उपवास करती हैं। दिन में एक समय खाना खाती हैं। इसी तरह 16 दिन तक अनुष्ठान व पूजन चलता है। जोधपुर की स्थापना राव जोधा ने 1459 में की थी। मान्यता है कि धींगा गवर पूजन तभी से शुरू हुआ है। राज परिवार से इस पूजन की परंपरा शुरू हुई थी। 564 सालों से यह पूजा चली आ रही है।

महिलाएं पुरुषों को मारती हैं छड़ी

इस मौके पर रात के वक्त सड़कों पर सिर्फ महिलाएं दिखती हैं. हर महिला के हाथ में एक छड़ी होती है जैसे ही पुरुष सामने दिखता है तो उस छड़ी से पुरुषों को मार पड़ती है। इसमें 16 दिन तक गवर माता का पूजन होता है। वहीं 16वें दिन पूरी रात महिलाएं घर से बाहर रहती है और अलग-अलग समय में धींगा गवर की आरती करती हैं। इस मेले में हर महिला अलग-अलग स्वांग रच कर पूरी रात शहर में घूमती है। दुनिया में सिर्फ जोधपुर में ही धीगा गवर का आयोजन किया जाता है, जिसे देखने के लिए न सिर्फ राजस्थान बल्कि दुनियाभर के लोग जोधपुर पहुंचते हैं।

भगवान शिव ने मां पार्वती को दिया था वरदान

महिलाओं के अनुसार मान्यता है कि मां पार्वती के सती होने के बाद जब दूसरा जन्म लिया तो वह धींगा गवर के रूप में आई थीं। भगवान शिव ने मां पार्वती को इस पूजन का वरदान दिया था। इसके बाद से धींगा गवर की पूजा होती है, 16 दिन तक व्रत रखने वाली महिलाएं एक समय भोजन करती हैं। इन 16 दिनों में माता की पूजा में मीठा का भोग लगाया जाता है। जो महिलाएं यह व्रत रखती हैं उनके हाथ में एक डोरा बंधा होता है जिसमें कुमकुम से 16 टीके लगाए जाते हैं।

दिनाजपुर जिले के बसुदेवपुर गांव में बाइक सवारों ने किया हमला

घर में घुसकर उठा ले गए बदमाश, फिर बेरहमी से मार डाला

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के नेता की हत्या, भड़का भारत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता को कथित तौर पर उनके घर से अगवा कर लिया गया और पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई। लोकल मीडिया ने पुलिस और परिवार के सदस्यों के हवाले से बताया कि ढाका से लगभग 330 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में दिनाजपुर के बसुदेवपुर गांव के निवासी 58 वर्षीय भाबेश चंद्र रॉय का बाइक सवार बदमाशों ने घर से अपहरण कर लिया और मृत हालत में वापस भेजा। भाबेश की पत्नी शांतना ने बताया कि उनके पति को शाम करीब 4:30 बजे एक फोन आया और उन्होंने दावा किया कि अपराधियों ने यह कॉल उनके घर पर मौजूद होने की पुष्टि करने के लिए की थी।

शांतना ने आगे बताया, 'लगभग 30 मिनट बाद, दो मोटरसाइकिलों पर 4 लोग आए और कथित तौर पर भाबेश को उनके घर से अगवा कर लिया। उनको नाराबारी गांव ले जाया गया, जहां उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। जब उन्हें घर वापस भेजा गया तो वह बेहोश थे और परिवार के सदस्य उन्हें दिनाजपुर के एक अस्पताल ले गए। हालांकि, वहां पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।'

भाबेश चंद्र रॉय हिंदू समुदाय के नेता थे

भाबेश चंद्र रॉय बांग्लादेश पूजा उडजापान परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष और क्षेत्र में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता थे। लोकल मीडिया ने बिराल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अब्दुस सबूर के हवाले से बताया कि मामला दर्ज करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस संदिग्धों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए काम कर रही है। इस बीच, भारत ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में हुई हिंसा पर बांग्लादेशी अधिकारियों की टिप्पणियों को खारिज कर दिया और ढाका से कहा कि वह उपदेश देने के बजाय अपने यहां अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'हम पश्चिम बंगाल की घटनाओं के संबंध में बांग्लादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश की ओर से की गई यह टिप्पणी उनके यहां अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न पर भारत की चिंताओं के साथ तुलना करने का एक कपटपूर्ण प्रयास है, जहां इस तरह के कृत्यों के अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं।' बता दें कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के प्रेस सेक्रेटरी शफीकुल आलम ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हुई सांप्रदायिक हिंसा पर टिप्पणी करते हुए भारत से अल्पसंख्यक मुस्लिम आबादी की सुरक्षा करने की मांग की थी।

भारत ने सुनाई यूनुस को खरी-खरी

भारत ने इस घटना की निंदा की और मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेशी अंतरिम सरकार पर अपने अल्पसंख्यक समुदायों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। इसके साथ ही बांग्लादेश की यूनुस सरकार को खरी-खरी भी सुनाई। बांग्लादेश में घटित इस घटना को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्वीट करते हुए लिखा कि हमने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और उनकी नृशंस हत्या पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने आगे लिखा कि यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न के पैटर्न का अनुसरण करती है, जबकि पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी दंड से बचकर घूमते हैं। हम इस घटना की निंदा करते हैं और एक बार फिर अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना किसी बहाने या भेदभाव के हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी को पूरा करे।

20 साल पुरानी 4 मंजिला इमारत गिरी, 11 की मौत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में शुक्रवार देर रात ढाई बजे 4 मंजिला बिल्डिंग ढह गई। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए। इनमें से 5 गंभीर रूप से घायलों का इलाज अब भी जारी है। 20 साल पुरानी चार मंजिला इमारत के गिरने के बाद 12 घंटे से ज्यादा समय तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। हादसे के बाद एनडीआरएफ और दिल्ली पुलिस की टीमों ने घायलों को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया था। पुलिस के मुताबिक इमारत में 22 लोग थे। इनमें बिल्डिंग के मालिक तहसीन और उनके परिवार के 6 सदस्य भी मारे गए। इनमें 3 महिलाएं और 4 बच्चे शामिल हैं।

दिल्ली में बड़ा हादसा

श्री विष्णुदेव साय
मुख्यमंत्री (छत्तीसगढ़ शासन)

विकसित बस्तर की ओर

सब मिलकर लिखेंगे बस्तर की नई इबारत

सीएम विष्णुदेव साय ने कृषक, महिला, युवा, उद्यमी और आदिवासी समुदाय के समावेशी विकास के लिए बनाई नई रणनीति

बस्तर संभावनाओं की धरती है। इसके विकास के लिए हम सब मिलकर नई इबारत लिखेंगे। दो दिवसीय विशेष प्रवास पर मंत्रिमंडल के साथ बस्तर पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने यह बातें को कहीं। बस्तर में आयोजित 'विकसित बस्तर की ओर' परिचर्चा को संबोधित करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने उद्यमियों, विशेषज्ञों से चर्चा की। परिचर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2026 तक माओवाद मुक्त करने के लक्ष्य के साथ बस्तर में विकास की गति को और तेज किया जाएगा। माओवाद प्रभावित परिवारों और आत्मसमर्पित माओवादियों को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष योजनाएं लागू की जाएंगी। इन परिवारों को कौशल विकास और स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाया जाएगा। बस्तर के विकास की एक ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। यह कार्ययोजना न केवल बस्तर, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के विकास को नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने सभी स्टेकहोल्डर्स से इस दिशा में मिलकर काम करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'विकसित छत्तीसगढ़-2047' का संकल्प 'नवा अंजोर' विजन से बस्तर का विकास होगा।

कृषि क्षेत्र में

बस्तर को विकास की दिशा में आगे ले जाने के लिए कृषि पर देना होगा जोर

बस्तर के किसानों की आय को दोगुना करने के लिए कृषि, उद्यानिकी, मछली पालन, पशुपालन, और जैविक खेती पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के स्वदेशी और जैविक उत्पादों को देश-विदेश के बाजारों तक पहुंचाने के लिए प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग, और मार्केटिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए स्थानीय स्तर पर प्रोसेसिंग इकाइयों की स्थापना और उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

- संभाग में 1.85 हेक्टेयर में मक्का की खेती को तीन वर्षों में बढ़ाकर तीन लाख हेक्टेयर किए जाने का लक्ष्य। मिलेट्स की खेती को 52 हजार हेक्टेयर से बढ़ाकर तीन वर्ष में 75 हजार हेक्टेयर करने का लक्ष्य।
- बस्तर में काजू, कोंडागांव में आचार, मसाला व कोकोनट आयल, कांकेर में सीताफल पल्प, दंतेवाड़ा में शहद व हल्दी पाउडर, सुकमा–नारायणपुर व बीजापुर में मसाला प्रसंस्करण यूनिट।

कौशल विकास में

कौशल विकास को लेकर विकसित बस्तर की ओर अग्रसर है छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर अब शांति की ओर अग्रसर है। शांति के बाद सबसे बड़ी चुनौती है -यहां के युवाओं को रोजगार देना। और यह कार्य हम पूर्ण निष्ठा से करेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार न केवल कौशल विकास पर ध्यान देगी, बल्कि स्थानीय लोगों को स्थानीय संसाधनों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी कार्य करेगी। इससे बस्तर का युवा न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि पूरे देश और दुनिया में अपने हुनर की पहचान बना सकेगा।

- बस्तर में 32 नए कौशल विकास केंद्र और सातों जिलों में आवासीय प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इनके माध्यम से युवाओं को बाजार और उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जाएगा।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे से पहले डरे नक्सलियों द्वारा युद्ध विराम की मांग, शांति वार्ता को भी तैयार।

उद्योग के लिए

नई उद्योग नीति में बस्तर क्षेत्र के युवा उद्यमियों के लिए कई विशेष प्रावधान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि बस्तर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने का काम सरकार कर रही है। नई औद्योगिक नीति में कई विशेष प्रावधान किए गए हैं। बस्तर संभाग के लोगों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित करना हमारी प्राथमिकता में शामिल है। वन संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करके हम स्थानीय लोगों की आय को बढ़ा सकते हैं। यहां से विभिन्न प्रकार के खनिज एवं खाद्यान्न का लगभग 102 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष का निर्यात होता है, जिसमें लौह अयस्क की हिस्सेदारी सर्वाधिक है।

- स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ लघु और मध्यम उद्योगों को स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन। अनुसूचित जाति–जनजाति व नक्सलवाद प्रभावितों के लिए 10 प्रतिशत व एमएसएमई के लिए 25 प्रतिशत तक सब्सिडी।
- भूमि बैंक प्रबंधन को मजबूत करने के साथ व्यापार को आसान बनाने के लिए स्थानीय उद्योगों (वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प) के लिए प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना। जनजातीय युवाओं और महिला उद्यमिता पर फोकस।

पर्यटन के लिए

बस्तर दशहरा को मिले अंतरराष्ट्रीय पहचान, आयोजन की अभी से तैयारी करने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने बस्तर दशहरा, जो 75 दिनों तक चलता है, को देशभर में और विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करने पर बल दिया। उनका कहना था कि इस प्रसिद्ध सांस्कृतिक उत्सव को वैश्विक पहचान मिलनी चाहिए और आने वाले दशहरे की तैयारी इस दृष्टिकोण से की जाए। मुख्यमंत्री ने आगामी पर्यटन सीजन के बीच आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को लेकर भी योजनाओं की रूपरेखा बनाने के निर्देश दिए।

- संयुक्त राष्ट्र द्वारा धुड़मारास को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांवों में शामिल किया गया है। इसे आगे बढ़ाते हुए और अधिक इको–टूरिज्म गांव विकसित किए जाएंगे।
- चित्रकोट और तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, और कोटमसर गुफाओं जैसे पर्यटन स्थलों को आकर्षक बनाने कैनोपी वाक, ग्लास ब्रिज, और होम स्टे जैसी सुविधाएं किसित की जाएंगी।

वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा ममता सरकार पर सवाल खड़े करती है। पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार का संवैधानिक दायित्व है। दुर्भाग्य यह दिखा कि जब मुर्शिदाबाद दंगे की आग में जल रहा था, हिंदुओं को जान बचाने के लिए मालदा भागना पड़ रहा था, उस दौरान खुद ममता बनर्जी भाजपा व केंद्रीय एजेंसियों पर साजिश के आरोप मढ़ने में व्यस्त थीं। संसद में पास वक्फ संशोधित कानून का आम गरीब हिंदुओं से क्या वास्ता है, जो मुस्लिमों के जुल्म के शिकार हो रहे हैं, हिंदू अपने राज्य में ही शरणार्थी बनने को क्यों मजबूर हो रहे हैं। आखिर कौन लोग हैं जो हिंदुओं के घर जला रहे हैं, उनके खिलाफ हिंसा कर रहे हैं? और इन सबमें ममता सरकार कहां खड़ी है? नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्यपाल सीवी आनंद बोस और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्यों ने प्रभावित क्षेत्र का दौरान किया है, इसमें स्थिति चिंताजनक बताई है। क्या सत्ता, राजनीति व वोट बैंक की अंधी दौड़ में एक महिला मुख्यमंत्री ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को भी ताक पर रख दी है? क्या ममता को सत्ता में बने रहने का नैतिक हक है? मुर्शिदाबाद प्रकरण के विश्लेषण पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

नागरिकों की सुरक्षा ममता का दायित्व

विश्लेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

बंगाल में हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीजेपी हमलावर है, वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर बंगाल सरकार सवालों के घेरे में हैं। इतना ही नहीं, हिंसा के पीछे बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केवल प्रशासनिक चूक की ओर इशारा नहीं करते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि केंद्र सरकार राज्य की भूमिका पर सीधे तौर पर उंगली उठा रही है। बड़ा सवाल ये कि मुर्शिदाबाद की हिंसा अचानक भड़की या राजनीतिक फायदे के लिए ये एक सोची समझी रणनीति है? बहरहाल, हिंसा का सबसे गंभीर प्रभाव स्थानीय हिंदू समुदाय पर पड़ा है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा राज्य की राजनीति पर कई सवाल खड़े कर रही है। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। बंगाल में हिंसा की बढ़ती घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीजेपी हमलावर है, वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर बंगाल सरकार सवालों के घेरे में हैं। इतना ही नहीं, हिंसा के पीछे बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केवल प्रशासनिक चूक की ओर इशारा नहीं करते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि पूरे मामले में राज्य की भूमिका दायित्व निभाने में विफल रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये कि मुर्शिदाबाद की हिंसा अचानक भड़की या राजनीतिक फायदे के लिए ये एक सोची समझी रणनीति है? बहरहाल, हिंसा का सबसे गंभीर प्रभाव स्थानीय हिंदू समुदाय पर पड़ा, जिन्हें जान बचाकर मालदा की ओर पलायन करना पड़ा। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह सीमा पार से योजनाबद्ध घुसपैठ और धर्म आधारित हमलों की नई श्रृंखला की शुरुआत है? या पश्चिम बंगाल में वोटबैंक के लिए राजनीतिक लड़ाई है?

विस चुनाव पर असर डालेगी हिंसा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुर्शिदाबाद की हिंसा आने वाले विधानसभा चुनाव पर असर डाल सकती है। बीजेपी इसे 'कानून व्यवस्था' और 'संवैधानिक अधिकारों' का मुद्दा बनाकर जनता को लामबंद करने की कोशिश कर रही है, वहीं टीएमसी इसे बीजेपी की 'ध्रुवीकरण की साजिश' बता रही है। इन घटनाओं का असर बंगाल ही नहीं, बल्कि झारखंड, बिहार और असम जैसे पड़ोसी राज्यों की राजनीति पर भी पड़ सकता है। मुर्शिदाबाद की घटना केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संतुलन, राजनीतिक जिम्मेदारी और संवैधानिक अधिकारों की भी परीक्षा है। प्रशासन ने हालात को काबू में बताया है, लेकिन स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। अब यह देखना अहम होगा कि क्या यह मामला राजनीतिक हथियार बनकर रह जाएगा या इसे सुलझाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया जाएगा।

मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश

इस हिंसा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं क्योंकि देश के कई हिस्सों में वक्फ संशोधन के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन कहीं भी स्थिति मुर्शिदाबाद जितनी हिंसक नहीं हुई। हालांकि, ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि राज्य में नया वक्फ कानून लागू नहीं किया जाएगा जिस पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और

बीजेपी नेता सुवेन्दु अधिकारी ने ममता सरकार पर आरोप लगाया कि बंगाल में 'हिंदू सुरक्षित नहीं हैं, स्थिति बहुत गंभीर, नाजुक है। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुस्लिम समुदाय को साधने के लिए मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक कर वक्फ संपत्तियों की रक्षा करने का आश्वासन दिया और कहा कि जब तक ममता सरकार है राज्य में इस कानून को लागू नहीं होने देगी। दीदी का यह रुख उनके 30 फीसदी मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही बीजेपी

वहीं, बीजेपी राज्य में काफी ताकत लगा रही है। अगले साल होने वाले चुनाव को ध्यान में रखते हुए बीजेपी राज्य में ममता सरकार की खामियों को उजागर करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी इस पूरे घटनाक्रम को एक राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी को लगता है कि यदि हिंदू मतदाता इस घटना को लेकर एकजुट होते हैं, तो यह टीएमसी के लिए राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकता है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों में जहां सुरक्षा और पहचान का मुद्दा संवेदनशील है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि इसे बीजेपी या टीएमसी कितना चुनावी लाभ में बदल पाती है। पश्चिम बंगाल की कुल आबादी में मुस्लिम समुदाय की अनुमानित भागीदारी 30 फीसदी है। ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा था कि सूबे में 33 फीसदी मुस्लिम हैं। मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न देखें तो इस वर्ग के बीच टीएमसी की पकड़ चुनाव दर चुनाव मजबूत हुई है। सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ सोशल डेवलपमेंट (सीएसडीएस) के मुताबिक 2011 के चुनाव में 35 और 2014 के आम चुनाव में 40 फीसदी मुस्लिमों ने टीएमसी को वोट किया। 2016 के विधानसभा चुनाव में 55, आम चुनाव 2019 में 70 और 2021 के विधानसभा चुनाव में 75 फीसदी मुस्लिमों का समर्थन ममता बनर्जी की पार्टी को मिला था।

हिंदू वोटर्स के बीच कमजोर हुई टीएमसी

2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के मजबूत उभार का असर प बंगाल की सियासत पर भी पड़ा है। आंकड़ों पर गौर करें तो टीएमसी की पैठ मुस्लिम समुदाय के बीच मजबूत हुई है तो उसके हिंदू वोट में गिरावट आई है। बीजेपी हिंदू वोटबैंक में बड़ी सेंध लगाने में सफल रही है। सूबे के दो विधानसभा चुनावों के आंकड़े इसकी गवाही देते हैं। 2016 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को 43 फीसदी हिंदू वोट मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव में तस्वीर उलट गई। 2021 के चुनाव में बीजेपी को हिंदू मतदाताओं में से 50 फीसदी का समर्थन मिला तो वहीं टीएमसी का समर्थन 43 फीसदी से घटकर 39 फीसदी पर आ गया। बहरहाल, मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ भड़की हिंसा ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। जहां एक ओर सरकार अल्पसंख्यक समुदाय को आश्वासन देने में लगी है, वहीं विपक्ष इसे कानून-व्यवस्था की विफलता और तुष्टीकरण की राजनीति के रूप में देख रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और विपक्ष इस मुद्दे को कैसे संभालते हैं और राज्य में शांति और स्थिरता कैसे बहाल होती है। राज्य में शांति जरूरी है।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो

मुर्शिदाबाद

अर्चना कुमारी

स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर फैले तनाव ने राजनीतिक भूचाल ला दिया है। अर्धसैनिक बलों की तैनाती, हिंसा और पलायन की खबरों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। ऐतिहासिक रूप से संवेदनशील यह जिला अब वोट बैंक, प्रशासनिक विफलता और सांप्रदायिक संतुलन की सियासत का केंद्र बन गया है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच अधिकार क्षेत्र की लड़ाई में तब्दील हो गया है। शांति के नाम पर की गई कार्रवाई अब राजनीतिक जमीन की खींचतान का अखाड़ा बन चुकी है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह घटना तृणमूल कांग्रेस की सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। एक ओर वह मुस्लिम बहुल जिलों में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहती है, वहीं दूसरी ओर हिंदू बहुल क्षेत्रों में बीजेपी के बढ़ते प्रभाव से भी जूझ रही है। ऐसे में एक धार्मिक समूह के भीतर से ही सरकार के खिलाफ प्रतिरोध की भावना उभर आना उसकी रणनीति के लिए खतरनाक संकेत है। 2021 के बंगाल चुनाव में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी बीजेपी इस बार अधिक आक्रामक रणनीति के साथ उतरने के संकेत दे चुकी है। ऐसे में वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा ने पश्चिम बंगाल की सियासी फिजां में और गर्माहट ला दी है। शिक्षक भर्ती घोटाला और बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर आक्रामक बीजेपी को मुर्शिदाबाद हिंसा ने ममता बनर्जी की सरकार को तुष्टिकरण को लेकर कठघरे में खड़ा करने का मौका दे दिया है। बीजेपी ने इस घटना को तुरन्त लपक कर एक 'कानून-व्यवस्था की विफलता' का उदाहरण बताया और उसकी राष्ट्रीय राजनीति में 'अराजक बंगाल' की छवि को पुष्ट किया। ममता बनर्जी वक्फ को एक मुद्दा बनाना चाहती हैं और तृणमूल कांग्रेस लोगों में संदेश देना चाहती है कि केवल ममता दीदी ही उनकी रक्षा कर सकती हैं। वहीं, बीजेपी ने इसे लेकर ममता बनर्जी पर हमला बोलना शुरू कर दिया है और 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण की कोशिश की जा रही है।

बंगाल में हिंदू आबादी घटी

2011 की जनगणना के अनुसार, पूरे देश में हिंदू आबादी में 0.7 फीसदी की गिरावट आई। पश्चिम बंगाल में हिंदू आबादी में 1.94 फीसदी गिरावट आई है। वहीं, मुस्लिम आबादी में 1.77 फीसदी की वृद्धि हो गई है, जो अच्छी खासी बढ़ोतरी है। ये आंकड़े 2011 की जनगणना के मुकाबले हैं। बंगाल में 2001 में मुस्लिम आबादी 25 फीसदी थी, जो 2011 में बढ़कर 27 फीसदी के पार जा चुकी थी। आज बंगाल की 9.5 करोड़ की आबादी में करीब 2.5 करोड़ मुसलमान हैं।

क्यों बना सियासी अखाड़ा

मुर्शिदाबाद की 70 फीसदी से अधिक आबादी मुस्लिम है और 30 प्रतिशत हिंदू जनसंख्या है। यह सांख्यिकी हर राजनीतिक दल के लिए रणनीति का अहम हिस्सा बन जाती है। वक्फ अधिनियम को लेकर उपजे विवाद में भी यह तथ्य केंद्र में है। यह सिर्फ धार्मिक या सामाजिक विवाद नहीं, बल्कि एक बड़े वोट बैंक की लड़ाई भी बन चुकी है। शिक्षा में इस जिले की साक्षरता दर केवल 65 फीसदी है और महिलाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है। राजनीतिक बहसें चाहे जितनी तीखी हों, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे यहां की जनता की असल चिंता हैं, जो अक्सर इन वाद-विवादों के शोर में दब जाते हैं। आज जब मुर्शिदाबाद की आबादी 90 लाख के करीब है। तो यह सवाल और भी अहम हो जाता है कि क्या यह जिला अपनी ऐतिहासिक विरासत को पुनः जागृत कर सकता है, या फिर यह लगातार सियासी प्रयोगशाला बना रहेगा? वक्फ विवाद ने एक बार फिर यह दिखाया कि विकास की राह तब तक साफ नहीं हो सकती जब तक प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक संवाद का संतुलन न बने। यह भी ध्यान देने योग्य है कि हिंसा की घटनाएं अक्सर उन इलाकों में केंद्रित होती हैं जहां आर्थिक हताशा और बेरोजगारी अधिक होती है। मुर्शिदाबाद की अर्थव्यवस्था परंपरागत शिल्प, बुनकरी और कृषि पर आधारित है जो पिछले एक दशक से लगातार संकट में है। जब आजीविका के स्रोत क्षीण हो जाते हैं और शासन व्यवस्था अपने ही नागरिकों की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील नहीं रहती तो आक्रोश के लिए कोई भी बहाना पर्याप्त हो सकता है। हिंसा का यह सामाजिक आधार, राजनीतिक उपेक्षा और सांस्कृतिक अस्थिरता तीनों एक साथ मिलकर एक विस्फोटक परिस्थिति तैयार करते हैं। खैर, मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर हर कोई चिंतित है। आम आदमी चाहता है कि शांति बनी रहे और जो लोग बेघर हो गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द मदद मिले। फिलहाल, स्थिति तनावपूर्ण है। पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की सुरक्षा ममता बनर्जी सरकार की जिम्मेदारी है।

शासन शून्यता के शिकार हो रहे गरीब हिंदू

दो टूक

विकेश कुमार बडोला

वरिष्ठ स्तंभकार

यह प्रथम अवसर नहीं है जब तुच्छ राजनीतिक स्थापना के लिए मुस्लिमों को भड़काकर शासनगत सभ्यता को कुचला गया गया और राष्ट्रव्यापी अराजकतापूर्ण दुर्भावना का असुरक्षित वातावरण बनाया गया। इस बार यह अनुपयोगी खटकर्म पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद तथा समीपस्थ क्षेत्रों में हुआ। तथाकथित वक्फ संशोधन के विरोध में देश के अभाजपाई प्रदेशों में मुस्लिमों की आड़ में जो हिंसा, तोड़फोड़ और हिंदू विरोधी घटनाएं हुई हैं, मुर्शिदाबाद उन घटनाओं का केंद्र स्थल बन गया। यहां गरीब हिंदुओं के निवास-स्थानों पर भीड़ ने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम, अस्त्र-शस्त्रों से हमला किया। हिंदुओं के घरों को तोड़ा गया। कुछ हिंदुओं की वीभत्स तरीके से हत्या की। ऐसी अराजकता एक-दो दिनों तक ही सीमित नहीं रही थी। यह हफ्तों तक होती रही। प्रदेश शासन और मुख्यमंत्री ने इस पर दिखावटी रोष भी प्रकट नहीं किया। ऐसी शासन शून्यता एवं अराजकता के भयंकर वातावरण में मुख्यमंत्री जिह्वा सील कर अदृश्य होकर बैठी हुई थी।

मुख्यमंत्री ने हिंसा पर साधी चुप्पी

जब प्रदेश की मुख्यमंत्री ने ही ऐसी घटनाओं पर अप्रत्याशित चुप्पी साध ली तो फिर भला प्रांतीय मानवाधिकार संगठन, न्यायालय, मीडिया या अन्य हिंदू हितैषी इकाइयां क्या प्रतिरोध करतीं। हिंदू तो इस अराजक घटना में ही नहीं बल्कि विगत दो हजार वर्षों में उसके विरुद्ध हुई असंख्य अराजक घटनाओं में भी सत्ता या शासन का शक्तिशाली समर्थन कभी प्राप्त ही नहीं कर पाया। इसके बाद भी हिंदूजन धार्मिक रूप में स्वावलंबी नहीं बन सका है। वह अभी भी धर्म की भीरुता में जकड़ा हुआ है। वह अभी भी हिंदू धर्म की अस्त्र-शस्त्र युक्त जीवनशैली अपनाकर आत्मरक्षा हेतु कटिबद्ध नहीं हो पाया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंदुओं की सबसे बड़ी राजनीतिक प्रतिनिधि समझी जाने वाली भाजपा ने भी इस विषय पर हिंदू भावनाओं के अनुरूप राष्ट्रव्यापी या राज्यव्यापी विरोध नहीं किया। सर्वोच्च न्यायालय के मुस्लिम हितैषी अधिवक्ताओं एवं न्यायाधीशों की दशा-दिशा ये है कि वे हिंदू मंदिरों की समितियों में भी मुस्लिम सदस्य न होने के संबंध में चिंतातुर हैं। यहां दुःख इस बात का नहीं है कि हिंदू विरोधियों ने पलायन करने को विवश मुर्शिदाबाद के हिंदुओं का कुछ भी समर्थन नहीं किया। वे तो मुस्लिमों के वोट पर आश्रित हैं ही और इसीलिए मुस्लिमों द्वारा हिंदू दमन की पराकाष्ठा होने तक भी हिंदुओं का राजनीतिक समर्थन-संरक्षण नहीं करेंगे। बल्कि पीड़ा इस बात की है कि हिंदुओं के मताधिकारों द्वारा गत दस वर्षों से केंद्र की सत्ता में बैठी भाजपा ने 2019 में पूर्ण बहुमत के साथ सत्तारूढ़ होने के बाद भी वक्फ इत्यादि, हिंदुओं के लिए निरर्थक विषयों पर तब ही आरपार के राजनीतिक, संविधानिक निर्णय क्यों नहीं ले लिए। अब यदि वक्फ पर संशोधन के संसदीय निर्णय के बाद अभाजपायी प्रांत पश्चिम बंगाल में विरोध उमड़ रहा है अथवा भारत में बैठे व बांग्लादेश-पाकिस्तान के षड्यंत्रकारियों द्वारा मुर्शिदाबाद को इस सीमा तक अस्थिर किया जा रहा है कि हिंदू वहां से पलायन करने को विवश हैं, तो इसमें भाजपा के केंद्रीय शासन का शासकीय कर्तव्य, विरोध, प्रतिरोध और हिंदुओं के रक्षण-

संरक्षण की उनकी प्रतिक्रिया का क्या! अगस्त 2024 से लेकर अभी तक चाहे बांग्लादेश में तख्तापलट की समयावधि में वहां के हिंदुओं पर हुए मुस्लिमों के हमले हों अथवा वक्फ संशोधन के विरोध की आड़ में पश्चिम बंगाल स्थित मुर्शिदाबाद व समीपस्थ क्षेत्रों में हिंदुओं पर हुए अवैध घुसपैठियों के हमले, दोनों ही अवसरों पर केंद्र के भाजपा शासन ने हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान नहीं किया।

अराजक गतिविधियां जारी

मुस्लिमों की धृष्टता अब किसी एक प्रांत तक सीमित नहीं रही। पाकिस्तान व बांग्लादेश स्थित भारत विरोधी आतंकियों के साथ मिलकर भाजपायी हो अथवा अभाजपायी दोनों ही प्रकार के शासन से युक्त भारतीय प्रांतों में रह-रह कर अराजक गतिविधियां होती रही हैं। चाहे 2019 में ट्रंप के भारत आगमन पर राजधानी दिल्ली में आप पार्टी के मुस्लिम विधायकों के नेतृत्व में हुआ दंगा हो अथवा हरियाणा स्थित नूंह-नल्लड़ में हिंदू शोभायात्रा पर हमला, हर बार हिंदुओं को ही पीड़ित होने के बाद भी न्याय के लिए तरसना पड़ता है। चाहे चैंपियन ट्राफी में मध्य प्रदेश में भारत की विजय पर हो रहे प्रसन्नता-प्रदर्शन में मुस्लिमों द्वारा हिंदुओं पर घात लगाकर किया गया आक्रमण हो अथवा छावा फिल्म के प्रदर्शन के उपरांत हिंदू भावना को प्राप्त धर्मबल को कुचलने के षड्यंत्र से नागपुर में हिंदू कॉलोनी में किया गया हमला हो, हर स्थान पर हिंदूजन ही पीड़ित, दमित और विचलित दिखाई देता है।

हिंदुओं के संरक्षण का अभाव

ऐसी परिस्थितियों में, हिंदुओं की धार्मिक आस्था के माध्यम से, चाहे राम मंदिर हो अथवा महाकुंभ का माहभर से अधिक चला मेला, दोनों उपक्रमों के आधार पर, राजस्व अर्जन कर रही केंद्र व राज्य सरकारें हिंदुओं का ही परिरक्षण, संरक्षण कर पाने में असमर्थ हैं तो क्यों! अभाजपायी प्रांतीय सत्ताओं से तो हिंदुओं को पहले भी कभी कोई आशा नहीं थी कि वे उनके लिए कुछ करेंगी, किंतु भाजपायी केंद्रीय व प्रांतीय शासकों को अब स्वयं में एक नवदृष्टि विकसित करनी होगी कि वे हिंदुओं की नागरिक सभ्यता, करदाता के रूप में उसके समर्पित दायित्व और सर्वोपरि जीने व जीवन के उसके मौलिक अधिकार की हर स्थिति में रक्षा-सुरक्षा करे। यदि भाजपा के नेतृत्व में ऐसा अभ्यास नहीं होता है, तो आगामी चुनावों में क्रुद्ध हिंदू के पास 'नोटा' के विकल्प के अतिरिक्त कोई अन्य मार्ग शेष नहीं होगा। इस बीच एक हतोत्साहित करने वाला समाचार देखा कि भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश में क्रिकेट खेलने जाएगी। बांग्लादेश के कारण गत सात-आठ माह से भारत के विभिन्न हितों की कितनी हानि हुई है! इस संदर्भ को सम्मुख रखकर यदि विचार किया जाए तो बांग्लादेश से तो हर प्रकार का संबंध विच्छेद कर उस पर सैन्य हमला कर देना चाहिए, किंतु दुर्भाग्य देखिए कि शासन को भारतीयता तथा हिंदू अस्मिता से अधिक प्रिय क्रिकेट का कारोबार दिखाई दे रहा है।

दुर्भाग्य इतने तक ही सीमित नहीं है। जब मुर्शिदाबाद में गरीब, असहाय और निरुपाय हिंदुओं पर प्राणघाती हमला हो रहा था और जीवनरक्षा के लिए वे पलायन कर रहे थे, तो महानगरीय भारतीय लोगों के लिए इससे महत्वपूर्ण आईपीएल के क्रिकेट मैच बने हुए थे। हिंदुओं की भावनाओं का भरपूर दोहन हो रहा है। कभी राम मंदिर बनवाकर तथा कभी महाकुंभ का आयोजन करके हिंदुओं की धार्मिक आस्था के बल पर अर्थव्यवस्था में वृद्धि करके तो अब भारतीय युवा पीढ़ी को एक माह तक आईपीएल में 3 करोड़ जीतने के लालच में झोंककर। इन सभी गतिविधियों में हिंदुओं के माध्यम से शासकीय धनार्जन हो रहा है, पर तरह-तरह की सहायिकी उनको दी जा रही है जो हिंदुओं के पूर्ण दमन का संकल्प उठाये हुए हैं। स्थिति सोचनीय है।

मुर्शिदाबाद हिंसा के कुछ अनुत्तरित सवाल

वक्फ विरोध

चेतनादित्य आलोक

वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों पर जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दुःख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की।

अपने ही देश में शरणार्थी बने

उग्र भीड़ में शामिल आतताइयों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल, अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज्जत और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं। बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग चार दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं। और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निर्मम घटनाओं की चौहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दुःख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखों देखी घटनाएं बताई। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत के अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आतताइयों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भिड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हमलोग चुपचाप देखते रहे। उक्त घटना के संबंध में एक अन्य बेहद खौफजदा व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही

लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की 'ममता' अब तक नहीं जाग पाई है। जरा सोचिए, कि बंगाल के मुर्शिदाबाद के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में हुई हिंसा में कम से कम 03 लोगों की जान चली गई, 15 पुलिसकर्मी घायल हुए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि, इस मामले में अब तक 300 से भी ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं, कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 1600 जवान भी तैनात किए जा चुके हैं।

बीएसएफ व सीआरपीएफ तैनात

हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीबउर रहमान ने न्यूज एजेंसी को बताया कि बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इलाके में माहौल शांत है। वैसे, खबरें यह भी आ रही हैं कि प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है। वहीं, पीड़ित हिंदू परिवारों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग की है।

चुनावी रणनीति में बिजी ममता

उनके भीतर उस उग्र भीड़ का ऐसा खौफ समाया है कि उन्हें लगता है कि यदि बीएसएफ हटी तो फिर से स्थितियां खराब हो सकती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी मृतकों और घायलों से मिलने व उनके आंसू पोंछने के बजाए लगभग एक वर्ष के बाद होने वाले बंगाल चुनाव की गोटियां बिछाने में लगी हैं। जाहिर है कि यदि ऐसा नहीं होता तो वह कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम पहुंचकर इमामों से मिलने के बजाए मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के पीड़ित-प्रताड़ित, खौफजदा, बेबस और लाचार भुक्तभोगी परिवारों से मिलने, उनको मदद पहुंचाने और उनका दुःख-दर्द बांटने जातीं। यदि यह भी मान लें कि उनकी कोई राजनीतिक मजबूरी रही होगी, तो कम-से-कम पीड़ितों को सांत्वना देने के लिए वह अपना एक प्रतिनिधि ही भेज देतीं, लेकिन अब तक उन्होंने ऐसा भी नहीं किया है। हां, मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा उन्होंने अवश्य की है। बहरहाल, उक्त घटना के गर्भ से कुछ बेहद गंभीर सवाल उठे हैं, जो सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को कठघरे में खड़े करने की ताकत रखते हैं। जरा सोचिए, कि कहां तो हम बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता करते नहीं अघाते थे, लेकिन हम तो अपने ही घर बंगाल के हिंदुओं की रक्षा कर पाने में असमर्थ साबित होने लगे हैं। और तो और, अब जांच एजेंसियां बता रही हैं कि मुर्शिदाबाद हिंसा की योजना तुर्की में बनाई गई थी, जिसे बांग्लादेश के रास्ते बंगाल तक पहुंचाया गया।

खुफिया एजेंसियों पर सवाल

इसके लिए बाकायदा 2 महीने पहले ही ट्रेनिंग दी गई थी, जिसमें पुलिस से बचकर दंगा भड़काने और स्थानीय मदरसों से मदद लेने की भी बातें शामिल हैं। इस पर दो बेहद गंभीर सवाल बनते हैं। पहला, हालात ये हैं कि बांगलादेश में हिंदू प्रताड़ित हो रहे हैं और यूनुस सरकार चुप बैठी है। इधर, हिंदू पश्चिम बंगाल में भी सुरक्षित नहीं हैं। ममता सरकार अपना संवैधानिक दायित्व नहीं निभा रही है। दूसरा सवाल, यह कि राज्य और केंद्र की हमारी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं कि तुर्की में बनी और बांग्लादेश के रास्ते मुर्शिदाबाद तक पहुंची योजना को हम विफल नहीं कर पाए। जब हिंसा के दौरान बांग्लादेश से भारत में 71-150 कॉल किए गए, तब हमने उन्हें इंटरसेप्ट क्यों नहीं किया। वास्तव में ये कुछ सवाल हैं, जिनके उत्तर मिलना अभी शेष हैं।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश सबके लिए सही

■ अगर आप भी एसआईपी के जरिये निवेश कर रहे हैं तो जान कुछ बातें
■ म्यूचुअल फंड के 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह कहां लगा रहे पैसा
■ उसका फंड मैनेजर कौन है, पूछेंगे तो सिर्फ यही बोलेंगे कि एसआईपी कर रहे

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

अक्सर सुनने में आता है कि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआई) के जरिये निवेश करना सबसे बेहतर तरीका होता है। लेकिन ऐसा क्यों है। इस पर कोई विचार नहीं करता, जबकि निवेश करने से पहले पता होना चाहिए कि एसआईपी के जरिये निवेश क्यों सही है। यदि यह जानकारी आपको नहीं है तो नुकसान भी हो सकता है। निवेश करने के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस भी समय-समय पर जांचना भी जरूरी होता है। टीवी, रेडियो, ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिये 'म्यूचुअल फंड सही है' का स्लोगन हम सभी ने जरूर सुना है। आए दिन कोई न कोई क्रिकेटर, बॉलीवुड स्टार या दूसरे फिल्ड के सेलिब्रिटी म्यूचुअल फंड का प्रचार करते दिख जाते हैं। म्यूचुअल फंड सही है। लेकिन, क्या वकई में म्यूचुअल फंड सभी के लिए बिल्कुल सही है? इसका जवाब है नहीं। म्यूचुअल फंड सभी के लिए सही नहीं है। अगर आपका लक्ष्य छोटा है या उम्र अधिक है तो म्यूचुअल फंड सही नहीं है। बाजार में मौजूदा गिरावट के बाद कई लोगों का म्यूचुअल फंड का रिटर्न 3 साल बाद भी निगेटिव हो गया है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि किसके लिए म्यूचुअल फंड सही हैं और किसके लिए नहीं।

एसआईपी के फायदे

- नियमित निवेश: एसआईपी आपको नियमित रूप से निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- रुपये कॉस्ट एवरेजिंग: एसआईपी आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ उठाने की अनुमति देता है, जिसमें आप बाजार की उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से निवेश करते हैं।
- निवेश अनुशासन: एसआईपी आपको निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- लंबी अवधि के लिए निवेश: एसआईपी आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसआईपी के प्रकार : म्यूचुअल फंड एसआईपी: म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। **स्टॉक एसआईपी:** स्टॉक एसआईपी में आप नियमित रूप से स्टॉक में निवेश करते हैं।

आंख मूंद कर निवेश नहीं करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह किस फंड में निवेश कर रहे हैं। उसका फंड मैनेजर कौन है? पूछेंगे तो बोलेंगे कि हम तो एसआईपी कर रहे हैं, जबकि एसआईपी एक जरिया है म्यूचुअल फंड में निवेश करने का। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जानकारी जुटाएं। किसी की सलाह पर सुनी सुनाई बातों पर निवेश न कर दें। म्यूचुअल फंड में सही फंड का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर नुकसान उठाना होगा। सही फंड चुनने के लिए आपको बाजार को समझना होगा। निवेश के तरीकों और अपने लक्ष्य को देखना होगा। यह जानना जरूरी है कि हम निवेश क्यों और किस लिए कर रहे हैं। इसलिए निवेश करते समय एक बार पूरी जानकारी जुटाएं।

रिटर्न निवेश का पैमाना नहीं

लोग अक्सर सोचते हैं कि जो फंड अभी सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वही उनके लिए सही रहेगा। लेकिन हर म्यूचुअल फंड स्कीम अलग होती है। अगर उस स्कीम का इंवेस्टमेंट ऑब्जेक्टिव और रिस्क प्रोफाइल आपकी जरूरतों से मेल नहीं खाता, तो वह फंड आपके लिए सही नहीं है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है वरना आप झटका भी खा सकते हैं।

स्कीम को जरूर जांचें

यह जरूरी है कि आप फंड हाउस की इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी, फंड मैनेजर की योग्यता, और रिस्क मैनेजमेंट प्रोसेस को भी समझें। एक ही कैटेगरी में अलग-अलग स्कीम्स का प्रदर्शन अलग हो सकता है। कोई भी निवेश करने से पहले एक बार स्कीम को जरूर जांच लें। उसके प्रदर्शन पर नजर रखें और समीक्षा करते रहें।

निगरानी करना सीखें

सही स्कीम चुन लेना ही काफी नहीं। निवेश के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस समय-समय पर जांचना भी जरूरी है। समय-समय पर देखें कि क्या फंड आपके लक्ष्य के अनुसार चल रहा है? अगर नहीं तो उसमें बदलाव करें। अगर ये पांच काम आप कर सकते हैं तो ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप अपने पैसे को सुरक्षित भी रख पाएंगे और सही रिटर्न भी ले पाएंगे। अन्यथा आप फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट में निवेश करें।

जोखिम लेने की क्षमता है तो ही निवेश करें

अगर आपमें जोखिम लेने की क्षमता है तो ही म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिय निवेश करें। म्यूचुअल फंड निवेश पर मार्केट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, क्रेडिट रिस्क, जीडीपी ग्रोथ रिस्क आदि होता है। अगर आप जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं तो ही निवेश करें। अन्यथा बैंक एफडी, पीपीएफ, आरडी या दूसरी फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आपको रिटर्न मिलता रहेगा। भले की कुछ कम क्यों न हो।

पहला घर खरीदने के लिए करें फाइनेंशियल प्लानिंग

● कुछ टिप्स आपके आ सकते हैं काफी काम ● एक बड़ा डाउन पेमेंट दे सकता है राहत ● लोन की राशि और ब्याज के बोझ को कर सकता है कम ● संपत्ति के मूल्य का 20-30% बचाने का टारगेट रखें

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी अपना पहला घर खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को पल्ले बांध लें। इससे आपको घर खरीदने में आसानी रहेगे और लोन की किस्तें भी समय पर चुका पाएंगे। बस आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा। इसके बाद अपना मकान बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अक्सर देखने में आता है कि जब आप पढ़ाई करते हैं फिर अपना करियर शुरू करते हैं तो इसके बाद एक घर खरीदने के सपने को पंख लगने शुरू हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है कि एक घर अपना हो। इसके लिए आपको काफी तैयारी करनी होती है। प्लानिंग करनी होती है। तब जाकर आप अपना घर खरीद पाते हैं। अगर आप अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए पहले से कुछ तैयारियां करनी चाहिए, ताकि आगे आपके लिए किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए आपको कुछ खास बातों पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके काफी काम आएंगी।

पहले होमवर्क करना जरूरी

घर खरीदने से पहले आपको कुछ होमवर्क करना होगा। इससे आपके कई काम आसान हो जाएंगे। सबसे पहले यह तय करें कि जो मकान खरीदने जा रहे हैं वह अप्रूव्ड है या नहीं। इसके बाद उसके सभी कागज एक बार जरूर चेक करें और किसी जानकार से भी जांच करवा लें, ताकि आपके साथ कोई धोखाधड़ी न हो सके। असली मालिक कौन है। प्रॉपर्टी कौन सी जगह है। बिल्डर सही है या नहीं आद। इसके बाद आप अपने सपनों का घर आसानी से खरीद सकेंगे।

अपनी वित्तीय क्षमता को समझें

पहला घर खरीदने के फैसले से पहले आपको अपनी वित्तीय क्षमता और अपनी वित्तीय सेहत का आकलन करना चाहिए। अपनी इनकम, खर्च और बचत तय करें। यह कैलकुलेट करें कि आप मासिक किस्त (ईएमआई) के लिए कितना फंड आराम से अलॉट कर सकते हैं। टाटा हाउसिंग के मुताबिक, सामान्य नियम यह है कि आपकी ईएमआई आपकी शुद्ध इनकम के 30% से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे ज्यादा होगी तो आपको बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने फंड का एक बार आकलन जरूर कर लें।

डाउनपेमेंट के लिए बचत करें

घर खरीदते समय जितना संभव हो सके डाउनपेमेंट कर देना चाहिए और बाकी अमाउंट के लिए होम लोन लेना चाहिए। डाउन पेमेंट के लिए बचत करें। एक बड़ा डाउन पेमेंट आपके लोन की राशि और ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकता है। संपत्ति के मूल्य का कम से कम 20-30% बचाने का टारगेट रखें। इस फंड को बनाने के लिए रेकरिंग डिपोजिट या सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे ऑप्शन पर विचार कर सकते हैं।

होम लोन विकल्पों को तलाशें

अगर आपको पहला घर खरीदने के लिए डाउनपेमेंट की रकम के अलावा होम लोन लेने की जरूरत हो तो अलग-अलग बैंकों या उधारदाताओं पर शोध करें, और ब्याज दरों, अवधि विकल्पों और छिपे हुए शुल्कों की तुलना जरूर करें। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकार समर्थित योजनाएं अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती हैं।

छिपे हुए खर्च का जरूर रखें ध्यान

घर खरीदने में कई बार ऐसे खर्च आपके सामने आ सकते हैं जिसके बारे में आपको शायद पहले से पता न हो। इस वजह से छिपी हुई लागतों को ध्यान में रखें। पहली बार घर या प्रॉपर्टी की लागत और संपत्ति खरीदने के लिए किसी भी लोन के अलावा, कई खर्चे सामने आएंगे जैसे स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रॉपर्टी टैक्स और मेंटेनेंस कॉस्ट आवश्यक विचार हैं। इनके लिए बजट बनाना वित्तीय आश्चर्यों से बचाएगा।

जल्दबाजी न करें

हर इंसान चाहता है कि वह खुद के घर में रहें। खुद का घर खरीदना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही बड़ी बात होती है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो बैंक से होम लोन लेकर घर खरीदते हैं, तो कुछ लोग अपनी जिंदगीभर की कमाई को लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में घर को खरीदते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। घर खरीदते समय ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको अच्छे से जान लेना चाहिए। आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग काफी ध्यान से करनी चाहिए। फाइनेंस के अलावा भी ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको ध्यान रखना चाहिए।

बिजनेस साइट

रहेजा ग्रुप के प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'रहेजा अम्बारा' का शुभारंभ 26 को

'लिव लाइफ लिमिटलेस' की सोच पर आधारित यह प्रोजेक्ट

रायपुर। पिरदा क्षेत्र में रियल एस्टेट की जानी-मानी कंपनी रहेजा ग्रुप अपने नए प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'रहेजा अम्बारा' का भव्य शुभारंभ 26 अप्रैल को करने जा रही है। यह विशेष आयोजन 26 और

27 अप्रैल को दो दिवसीय लॉन्चिंग कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें ग्राहक प्रोजेक्ट की संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और ऑन-स्पॉट बुकिंग पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकेंगे। 'लिव लाइफ लिमिटलेस' की सोच पर आधारित यह प्रोजेक्ट आधुनिक जीवनशैली, बेहतरीन कनेक्टिविटी और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत समागम है। प्रोजेक्ट में योगा ज़ोन, बच्चों के लिए प्ले एरिया, क्लब हाउस, गार्डन, वॉकिंग ट्रैक और इंडोर स्पोर्ट्स जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा, चार भव्य गार्डन्स प्रोजेक्ट के अलग-अलग सेक्टरों में विकसित किए गए हैं, जिससे हर दिशा में हरियाली और सुकून का अनुभव हो सके। रहेजा ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री संजय रहेजा ने बताया कि रहेजा अम्बारा को इस सोच के साथ डिज़ाइन किया गया है कि लोगों को 'बेस्ट लोकेशन में बेस्ट प्राइस' मिल सके। यह प्रोजेक्ट सुरक्षित, सुव्यवस्थित और भविष्य के लिहाज से एक स्मार्ट इनवेस्टमेंट विकल्प होगा। पिरदा स्थित यह प्रोजेक्ट एयरपोर्ट, नेशनल हाईवे, नया रायपुर, विधानसभा रोड, प्रमुख शिक्षण संस्थानों, मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स और ज़ोरा व मैग्नेटो जैसे मॉल्स से बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान करता है। यह प्रोजेक्ट रेरा रजिस्टर्ड है और सभी आवश्यक शासकीय अनुमतियों से स्वीकृत है।

जेईई मेन 2025: एलन कोटा का जलवा

ओमप्रकाश बेहरा ने 300/300 के परफेक्ट स्कोर के साथ एआईआर-1 हासिल की

कोटा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा जारी जेईई मेन 2025 के अप्रैल सत्र के परिणामों में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट कोटा ने एक बार फिर श्रेष्ठता का परचम लहराया है। एलन कोटा के क्लासरूम स्टूडेंट ओमप्रकाश बेहरा ने 300 में से 300 अंक हासिल करते हुए ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त की है।
एलन के निदेशक डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि इस वर्ष 100 परसेंटाइल स्कोर हासिल करने वाले देशभर के 24 विद्यार्थियों में 11 छात्र एलन से हैं। वहीं राजस्थान से 100 परसेंटाइल स्कोर पाने वाले 7 में से 6 छात्र एलन कोटा के क्लासरूम स्टूडेंट्स हैं। टॉप रैंक पाने वाले अन्य एलन स्टूडेंट्स में सक्षम जिंदल (एआईआर-10), अर्नव सिंह (एआईआर-11), राजित गुप्ता (एआईआर-16), मोहम्मद अनस (एआईआर-17) और लक्ष्य शर्मा (एआईआर-22) शामिल हैं। एलन की उपलब्धियां यहीं नहीं रुकीं। टॉप-100 रैंक में कुल 31 एलन स्टूडेंट्स ने स्थान पाया है। इसके अलावा, एलन की ऑनलाइन टेस्ट सीरीज से जुड़े देवदत्ता माझी ने भी ऑल इंडिया रैंक-1 प्राप्त कर संस्थान की श्रेष्ठता को दोहराया है।

हाइब्रिड फंड्स हो सकते हैं निवेश के बढ़िया विकल्प

इस समय देश के इक्विटी मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव का दौर काफी समय से जारी है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर ने इसे और हवा दे दी है। इस माहौल में कई निवेशकों को प्योर इक्विटी फंड्स में निवेश करना बहुत जोखिम भरा लगने लगा है। उनके मन में यह सवाल हो सकता है कि ऐसा कौन सा विकल्प है, जहां कम रिस्क में बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश हो सकती है? उनके इस सवाल का एक जवाब हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में भी मिल सकता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स के जरिये एक ही स्कीम में पैसे लगाकर इक्विटी, डेट और कई बार गोल्ड जैसे एसेट्स में भी निवेश किया जा सकता है। इस डायवर्सिफिकेशन की वजह से रिस्क और रिटर्न के बीच बेहतर बैलेंस बना रहता है। बाजार की गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश सुरक्षा देता है और जब बाजार चढ़ता है तो इक्विटी से रिटर्न बढ़ते हैं। हाइब्रिड फंड्स भी कई अलग-अलग कैटेगरी में बंटे होते हैं, जिनमें निवेशक अपने निवेश के लक्ष्य, इनवेस्टमेंट होराइजन और रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर सही फंड का चुनाव कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड्स की प्रमुख कैटेगरी की खूबियों के साथ-साथ उनके टॉप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न की रेंज का जिक्र किया है, ताकि उनके बारे में निवेशकों को शुरुआती आइडिया मिल जाए।

टॉप 5 फंड्स का पिछला रिटर्न

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड : कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न

अगर आप रिस्क से बचते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से थोड़ा बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स आपके लिए सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें 75-90 फीसदी निवेश डेट इंस्ट्रूमेंट्स में होता है और केवल 10-25 फीसदी इक्विटी में लगाया जाता है। ऐसे फंड्स तीन साल या उससे अधिक समय के निवेश के लिए बेहतर रहते हैं।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में : 10.75 % से 11.45%
- 3 साल में : 10.22 % से 11.78 %
- 5 साल में :13.11% से 14.15%
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट का बेहतर संतुलन जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए थोड़ा बहुत रिस्क ले सकते हैं, उनके लिए बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हैं. इनमें इक्विटी और डेट का हिस्सा लगभग 50:50 होता है। हालांकि फिलहाल इस कैटेगरी में स्कीम्स की संख्या सिर्फ 2 है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में :10.56% से 11.59%
- 3 साल में: कोई फंड नहीं
- 5 साल में: कोई फंड नहीं
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई से बहुत अधिक

डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स (बीएएफ): एक्टिव स्ट्रैटजी का फायदा : जो निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार अपने पोर्टफोलियो का संतुलन बदलते रहना चाहते हैं, उनके लिए डायनैमिक एसेट एलोकेशन या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड बेहतर साबित हो सकते हैं। ये फंड बाजार की चाल के अनुसार इक्विटी और डेट में 0 से 100 प्रतिशत तक का संतुलन बनाते हैं। हालांकि इनमें जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन लंबे समय में अच्छे रिटर्न की संभावना भी होती है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में 10.51% to 13.12%
- 3 साल में: 12.84% to 19.19%
- 5 साल में: 17.34% to 26.49%

रिस्क लेवल : बहुत अधिक

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्स: डायवर्सिफिकेशन पर जोर अगर आप अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लासेज जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में बांटना चाहते हैं, तो मल्टी एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हैं। इस कैटेगरी के फंड्स में तीनों एसेट में कम से कम 10% निवेश किया जाता है।

भारत में पहली बार ऐसा रियलिटी शो

जिसके विजेता को मिलेगा अंतरिक्ष में जाने का मौका

नई दिल्ली। जब भी भारत में सबसे चर्चित और लोकप्रिय रियलिटी शो की बात होती है तो 'बिग बॉस' का नाम जहन में जरूर आता है। भले ही यह शो विवादों से घिरा रहता हो, लेकिन इसकी लोकप्रियता जबरदस्त है। अब भारत में एक ऐसा रियलिटी शो आने वाला है, जो इससे पहले कभी नहीं बना। इस शो का नाम 'रेस टू स्पेस' है। इस शो के विजेता को मुफ्त में अंतरिक्ष में जाने का मौका मिलेगा।

क्या है शो का मकसद?

निर्माता फर्म बनिजय एशिया और अंतरिक्ष अन्वेषण और अनुसंधान एजेंसी मिलकर यह रियलिटी शो बना रहे हैं। यह एक प्रतिभा-केंद्रित शो है, जहां एक आम आदमी राकेश शर्मा जैसा बन सकता है। बता दें कि राकेश अंतरिक्ष में जाने वाले 128वें इंसान थे और पहले भारतीय थे। अंतरिक्ष में उन्होंने 7 दिन 21 घंटे और 40 मिनट बिताए थे। गौरतलब है कि शो के भारतीय संस्करण के प्रसारण की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

प्रतियोगियों को दिया जाएगा 2 दिन का प्रशिक्षण

यह शो भारत तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके संस्करण नाइजीरिया और छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों सहित अन्य भागीदार देशों में चलाए जाएंगे। 11 मिनट की अंतरिक्ष उड़ान के लिए कुछ प्रतियोगियों का चयन किया जाएगा। शो में हिस्सा लेने वाले प्रतियोगियों को 2 दिन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें नामांकन राशि के रूप में लगभग 250 रुपये का भुगतान करना होगा। इसमें भाग लेने वाले हर प्रतियोगी के लिए अनिवार्य है कि वह सीढ़ियां चढ़ने में समर्थ हो।

मुकेश अंबानी का वो 592 करोड़ वाला शाहीमहल!

जहां जेम्स बॉन्ड की भी शूटिंग हुई और क्वीन एलिज़ाबेथ भी रहीं

बकिंघमशायर। मुकेश अंबानी ने ब्रिटेन के बकिंघमशायर में मौजूद स्टोक पार्क नाम की प्रॉपर्टी को 2021 में खरीदा। इसकी कीमत 57 मिलियन पाउंड यानी लगभग 592 करोड़ रुपये बताई गई। 300 एकड़ में फैली ये जगह अब रिलायंस इंडस्ट्रीज की इंटरनेशनल लग्जरी इनवेस्टमेंट का हिस्सा है। इसमें 49 सुपर-लग्ज़री रूम, 13 टेनिस कोर्ट, एक गोल्फ कोर्स, स्पा, फिटनेस क्लब और प्राइवेट डाइनिंग एरिया भी शामिल है।

जेम्स बॉन्ड की दो हिट फिल्मों की शूटिंग और रानी एलिजाबेथ का ठिकाना : स्टोक पार्क सिर्फ दिखने में शानदार नहीं है, इसका इतिहास भी कम दिलचस्प नहीं। 16वीं सदी में इसे ब्रिटिश रॉयल फैमिली यूज करती थी। क्वीन एलिज़ाबेथ I ने इसे अपने रहने की जगह बनाया था। इसके बाद ये एरिया ब्रिटेन का पहला प्राइवेट कंट्री क्लब बना। सबसे खास बात – यहीं 'जेम्स बॉन्ड' की दो हिट फिल्मों 'गोल्ड फिंगर' और 'टुमारो नेवर डाइस' की शूटिंग हुई थी। इसके अलावा नेटफ्लिक्स की सीरीज़ 'द क्राउन' के कुछ सीन भी यहीं शूट हुए।

आम लोगों के लिए खोलने की योजना नहीं : ये जगह अब रिलायंस का इंटरनेशनल इवेंट और हॉस्पिटैलिटी हब बन रही है। इसमें ओबेरॉय ग्रुप की मदद से अंबानी फैमिली इसे एक सुपर-लक्ज़री रिसॉर्ट के तौर पर डेवलप कर रही है। हालांकि इस जगह को आम लोगों के लिए खोलने की कोई पुष्टि नहीं हुई, लेकिन बिज़नेस टूरिज़्म को टारगेट करने की तैयारी ज़रूर है।

ऐसा क्यों है ये इनवेस्टमेंट खास?

मुकेश अंबानी का ये इनवेस्टमेंट दिखाता है कि भारतीय कारोबारी अब सिर्फ इंडिया में नहीं, इंटरनेशनल लग्ज़री रियल एस्टेट में भी आगे बढ़ रहे हैं। स्टोक पार्क ना सिर्फ एक लग्ज़री प्रॉपर्टी है, बल्कि इसका कल्चरल और फिल्मी कनेक्शन इसे और खास बना देता है। अंबानी फैमिली की ये सोच बिज़नेस के साथ-साथ ब्रांडिंग और इंटरनेशनल प्रेज़ेंस को भी मजबूत करती है।

आखिर यूजर पर क्यों भड़कीं

मुंबई। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल बॉलीवुड की सबसे चर्चित और लोकप्रिय जोड़ियों में से एक है। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो साझा कर अपने प्यार का इजहार करते रहते हैं। प्रशंसक भी दोनों को साथ में देखना काफी पसंद करते हैं। सोनाक्षी और जहीर को उनकी शादी को लेकर अक्सर आलोचनाओं का सामना करना पड़ता है। अब सोनाक्षी ने पहली बार तलाक और शादी के लिए ट्रोल किए जाने पर यूजर्स को जवाब दिया है। सोशल मीडिया पर एक स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है, जिसमें एक यूजर ने सोनाक्षी और जहीर की शादी के बारे में टिप्पणी की है। यूजर ने लिखा है, 'तुम्हारा तलाक बहुत करीब है।' इस पर अभिनेत्री ने जवाब दिया और लिखा, 'पहले तेरे मम्मी पापा करेंगे, फिर हम.. वादा है।'

सोनाक्षी का यह बेबाक अंदाज उनके प्रशंसकों को बहुत पसंद आ रहा है। बता दें, सोनाक्षी ने बीते साल जहीर से शादी रचाई थी। काम के मोर्चे पर बात करें तो सोनाक्षी पिछली बार फिल्म 'काकुड़ा' में नजर आई थी।

विक्की ने 'केसरी-2' में दी अपनी आवाज

मुंबई। अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे जैसे सितारों की बेहतरीन अदाकारी से सजी फिल्म 'केसरीः चैप्टर 2' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म को समीक्षकों की तरफ से हरी झंडी मिली है, वहीं जलियांवाला बाग हत्याकांड पर आधारित इस फिल्म की कहानी दर्शकों को पसंद आ रही है। विक्की कौशल भी 'केसरी 2' की तारीफ में कसीदे पढ़ चुके हैं, लेकिन क्या आप है विक्की का अक्षय की इस फिल्म से बेहद खास कनेक्शन है। दरअसल, विक्की ने फिल्म 'केसरी 2' की शुरुआत में अपनी दमदार आवाज दी है। जैसे ही यह फिल्म शुरू होती है, पर्दा पर बड़ा-बड़ा विक्की का नाम लिखा आता है। वॉयसओवर करने के लिए निर्माताओं ने विक्की को धन्यवाद दिया है। बता दें कि 'केसरी 2' के निर्देशन की कमान करण सिंह त्यागी ने संभाली है, वहीं करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं।

प्रीति पहुंचीं तिरुमाला मंदिर भक्ति में दिखीं लीन

तिरुमला। भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री प्रीति जिंटा आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद लिया। इस दौरान वह भक्ति में लीन नजर आईं। प्रीति का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें तिरुमाला मंदिर के अंदर प्रवेश करते हुए देखा जा सकता है। उन्होंने पीले रंग का सूट पहना हुआ है और वह अपनी टीम के साथ मंदिर के अंदर जा रही हैं।

ये है प्रीति की आगामी फिल्म

काम के मोर्चे पर बात करें तो प्रीति को पिछली बार सनी देओल के साथ फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' में देखा गया था, जिसमें उनके काम को काफी सराहा गया, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर यह औंधे मुंह गिरी। अब प्रीति जल्द ही फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आएंगी, जिसके निर्देशन की कमान राजकुमार संतोषी ने संभाली है। इस फिल्म के हीरो सनी हैं। खास बात यह है कि आमिर खान इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।

शाहरुख की 'किंग' में अरशद की एंट्री

मुंबई। पिछले काफी समय से शाहरुख खान अपनी आगामी फिल्म 'किंग' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके निर्देशन की कमान सिद्धार्थ आनंद को सौंपी गई है। 'पठान' (2023) के बाद यह सिद्धार्थ और शाहरुख के बीच दूसरा सहयोग है। शाहरुख की बेटी और अभिनेत्री सुहाना खान भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाली हैं। अब फिल्म 'किंग' में दिग्गज अभिनेता अरशद वारसी की एंट्री हो गई है। पीपिंग मून की एक रिपोर्ट के अनुसार, 'किंग' की स्टार कास्ट में अरशद शामिल हो गए हैं। निर्माताओं ने फिल्म में उन्हें एक खास भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया है। अरशद को फिल्म की कहानी पसंद आ गई है और उन्होंने इसके लिए हामी भर दी है। 'किंग' अरशद और शाहरुख के बीच पहला सहयोग है।

नुसरत की 'छोरी-3' का ऐलान...

मुंबई। अभिनेत्री नुसरत भरूचा इन दिनों फिल्म 'छोरी 2' को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी यह फिल्म बीते 11 अप्रैल को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। फिल्म में नुसरत और सोहा अली खान की अदाकारी ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। 'छोरी 2' की सफलता के बीच अब फिल्म के निर्देशक विशाल फुरिया ने फिल्म की तीसरी किस्त का ऐलान कर दिया है। आइए जानें उन्होंने 'छोरी' के तीसरे भाग को लेकर क्या कहा। हाल ही में नुसरत और विशाल ने संवाद में शिरकत की, जहां निर्देशक ने बातों-बातों में तीसरी किस्त का ऐलान कर दिया। जब निर्देशक विशाल से 'छोरी 3' के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हां कोशिश है कि बनाएंगे।

टीवी मसाला

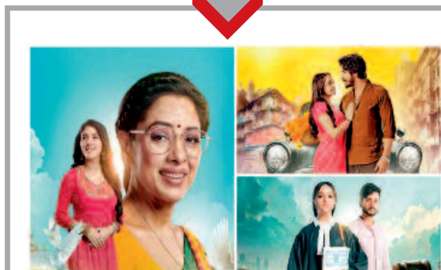

'अनुपमा' को पीछे छोड़ उड़ने की आशा शो बना नंबर वन...

नई दिल्ली। इन दिनों फिल्मों से ज्यादा लोगों के बीच टीवी शोज का क्रेज देखने को मिल रहा है। कई शोज ऐसे हैं, जो लंबे समय से टीवी पर आ रहे हैं, लेकिन आज भी फैंस के बीच इन शोज का क्रेज खत्म नहीं हुआ है। हर हफ्ते जारी हुई टीवी की टीआरपी लिस्ट से ही ये बात साफ हो पाती है कि इन सभी शोज में आखिर कौन-कौन से वो टॉप शोज हैं जो दर्शकों का सबसे ज्यादा मनोरंजन कर रहा है। इसी बीच इस हफ्ते की टीआरपी भी सामने आ गई है।

ये हैं टॉप 4 शोज

टॉप 4 में जिन शोज ने अपनी जगह बनाई है उसका नाम है 'अनुपमा' 'ये रिश्ता क्या कहलाता' है और 'मंगल लक्ष्मी-लक्ष्मी का सफर' है। टॉप 4 कि लिस्ट में अनुपमा का नाम देखकर आप जरूर चौंक गए होंगे। लेकिन ये सच है कि इस बार भी अनुपमा नंबर वन पर अपनी स्थान हासिल करने से चूक गईं। बता दें कि 'अनुपमा' इस हफ्ते टीआरपी की लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। वहीं तीसरे स्थान पर कलर्स का शो मंगललक्ष्मीः लक्ष्मी का सफर दिख रहा है। वहीं 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' इस हफ्ते चौथे नंबर पर है. जबकि 'मंगल लक्ष्मी' को इस लिस्ट में 5वां स्थान मिला है।

टॉप पर है ये शो

अब बात करते हैं टीआरपी लिस्ट के टॉप शो कि तो उसका नाम अगर हम ना भी बताए तो हमारी लिस्ट देखकर आप जरूर समझ गए होंगे कि इस हफ्ते का बीजागर कौन सा शो है। जी हां, 'उड़ने की आशा' है वो शो जिसने अनुपमा से नंबर वन का ताज एक बार फिर से छीन लिया है। टीवी के दर्शक इन दिनों इस सीरियल के दीवाने बने हुए हैं। इस शो को 2.0 रेटिंग मिली है, जिसकी वजह से यह सीरियल टॉप पर है।

इन शोज ने बनाई टॉप-10 में अपनी जगह

सबसे पहले आपको उन शोज के बारे में बताते हैं, जिसने टीआरपी की लिस्ट में टॉप 10 में अपनी जगह बनाई है। इस लिस्ट में 'झनक' से लेकर 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' तक के नाम शामिल है। अगर सातवें पायदान की बात करें तो इस पर 'एडवोकेट अंजली अवस्थी' टिका हुआ है। वहीं कृषाल आहूजा और हिबा नवाब की 'झनक' लिस्ट में इस हफ्ते 8वें स्थान पर है। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' ने इस लिस्ट में 9वें नंबर पर अपनी जगह बनाई है। इसी के साथ टीआरपी लिस्ट में दसवें नंबर पर कलर्स का शो मन्नत है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 50 ऊंचाई 5.5 इंच योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक (ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री) खाने की सुविधा दस्तावेज (आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंकसूची, बैंक पासबुक, 8 पासपोर्ट फोटो) **कार्यालय शॉप नं. 08 प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी चौक, रायपुर छत्तीसगढ़ फोन** 0771-4036689 मों. 9770304037, 8120957510.(RO-7305)

आवश्यकता है- रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5,8,10 पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहने, खाने की सुविधा, वेतन 14500 से 19000 तक MO. 8109070600. (RO-7086)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर की आवयश्कता है सैलरी योग्यतानुसार **शीतला एजेंसी रिंग रोड नंबर 1 भटागांव चौक रायपुर संपर्क- 9826129026, 9300129026** (RO-172)

शिक्षक/ शिक्षिका

आवश्यकता है- श्री वेदांता पब्लिक स्कूल बिरगांव, रायपुर (अंग्रेजी माध्यम) में कक्षा 6वीं से कक्षा 10वीं तक गणित, विज्ञान व अंग्रेजी विषय में अध्यापन कार्य हेतु (10 पद) शिक्षक/ शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। बी.एड, डी. एड. एवं अनुभवी को प्राथमिकता **संपर्क करें-** 9111157615 (RO-7303)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक साड़ी एवं रेडीमेड कपड़ा दुकान में काम हेतु लड़के/ लड़कीयों की अनुभवी/बगैर अनुभवी वेतन योग्यतानुसार, केवल स्थानीय व बायोडाटा सहित मिले। **महेश फैब्रिक्स ,जैनज्योति काम्प्लेक्स चिकनी मंदिर के पास गोलबाजार रायपुर** 9827928290, 9752022866.. (Ro- 596)

पैकिंग/लेबर कार्य

आवश्यकता है- चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों की और लेबर कार्य हेतु पुरुष की एवं ड्राइवर की जरूरत है। **संपर्क करें- एसबीआई एटीएम के सामने आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर। मो .** 7469980000, 07714075490 (RO-7098)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- पैरामेडिकल, OT टेक्नीशियन, नर्स, ड्राइवर रहने की सुविधा **कैलाश कान्ता हॉस्पिटल जोरा ओवर ब्रिज के नीचे रायपुर** 9300734153, 07712994153.(RO-597)

ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित रियल स्टेट कंपनी में भिलाई लोकेशन हेतु, ऑफिस बॉय की आवश्यकता है, 10 वी पास एवं अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क-** 8898306907.(आरो नं.-721)

सेल्स एक्जीकेटिव

Requirment- Urgent Required SALES EXECUTIVE Any graduate (Freshers/ Experience) Male/Female Location:- Devpuri, Raipur Company - Camco Industries Salary - 10,000-15,000/- Contact - 9407620262, 9039097701.(RO-7304)

केयर/टेकर

आवश्यकता है- केयर टेकर (देख रेख करने वाली) बच्चों एवं घर के काम हेतु आवश्यकता है रहना खाना फ्री एवं आकर्षक वेतन, **सम्पर्क करें- केरा रोड, जांजगीर** 8604370647.(RO-37470)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

मैनेजर/क्लर्क

आवश्यकता है- सी.एस.डी. कैंटीन रायपुर के लिए मैनेजर- 22000/-, असिस्टेंट मैनेजर- 21000/- अकाउंट क्लर्क /ऑफिस क्लर्क- 16000/- दुर्ग एवं बिलासपुर के लिए जे.सी.ओ. इंचार्ज- 21000/-, रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग एवं नया रायपुर के लिए स्टोर होल्डर- 18000/-, बिलिंग क्लर्क /बिल चेकर /एमटीएस- 15000/-, सफाई कर्मी- 10700/- आवेदन Email ID hqcosaurc1985@gmail.com पर दिनांक 25 अप्रैल 2025 तक करें। अधिक जानकारी के लिए https://www.hqcosaraipururc.in पर विजिट करें। **संपर्कः-** 9685726593. (RO-048)

ड्रायवर

आवश्यकता है- टाटीबंध स्थित FMCG एजेन्सी कार्य हेतु टाटा एस ड्राइवर, की आवश्यकता है। **संपर्कः- पदमिनी सेल्स कॉरपोरेशन, नियर शिवनाथ हुंडई शो रूम टाटीबंध, रायपुर,** 8959215453, 7582091612.(RO-517)

एक्टर(कलाकार)

आवश्यकता है- हिंदी फिल्म एवं धारावाहिक में कार्य करने के लिए एक्टर (कलाकार) बनने के इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें प्रत्येक रविवार सुबह 10:00 बजे से 12:00 बजे। **ओम आलौकिक आश्रम ग्राम बोरसी (मुरमुंदा) धमधा जिला दुर्ग 7024797456** (RO-3844)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु उम्मीदवार की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपने समस्त बायोडाटा सहित **संपर्क करें- डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर मो.-** 8109135400.(RO-516)

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में डीजल एवं पेट्रोल डालने हेतु स्टॉफ की आवश्यकता है (मेल /फीमेल) तेलीबांधा, मैग्नेटो मॉल के आगे स्थित **मोबाइल 9826147794, 9893497828** (RO-594)

वार्डन/ड्रायवर

आवश्यकता है- हॉस्टल में आवश्यकता है महिला वार्डन, ड्राइवर + गार्ड, नशा मुक्त एकला व्यक्ति, रहने खाने की सुविधा अनुभवी एवं शाकाहारी को प्राथमिकता **जैन गर्ल्स हॉस्टल लक्ष्मी नगर पचपेड़ी नाका रायपुर** 8959906595 (RO-7371)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु सेल्समैन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, संपर्क समय सुबह 10.30 से रात 9.30, **विरदीचंद मानकलाल जैन कंकाली पारा रायपुर** 9425216364, 9340477419. (RO-038)

घरेलु/मार्केटिंग कार्य

आवश्यकता है- घर का घरेलू कार्य Med एवं टेलीकॉलिंग कार्य घर बैठे मार्केटिंग हेतु फीमेल चाहिए! समय 8-6 सैलरी 5,000 - 10000 खाना रहना फ्री आधार फोटो बायोडाटा भेजिए! **संपर्कः- गोकुल टावर गोगांव गुढ़यिारी रायपुर** Call- 9039321951, 9981096590.(RO-047)

ड्रायवर/हेल्पर

आवश्यकता है- 1.टाटा एस एवं ऑटो ड्राइवरों की जो लोडिंग- अनलोडिंग भी करें रहने की सुविधा उपलब्ध 2. दुकान हेल्पर लड़के - लड़कियों की जो लोडिंग - अनलोडिंग भी करें. 3.कमीशन पर मसाले बेचने सेल्स पर्सनों की। **संपर्क करें-** 94252- 12631, 94255-17056.(RO-168)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- लड़कों की वेतन 10000/- , लड़कियों की 7000/- होलसेल बैग दुकान में **हरिओम प्लास्टिक कपडा मार्केट पंडरी गेट न. 8 के सामने,** 9300203900, 7440784646 (RO-595)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

सेल्स एक्जीक्यूटिव

आवश्यकता है। ट्रैक्टर और इम्प्लीमेंट सेल्स के लिए सेल्सएग्जीक्यूटिव की भर्ती। रायपुर, अभनपुर, आरंग, बलौदा बाजार,**कॉर्पोरेट सेल्स** :- रायपुर के लिए आवश्यक स्वयं का दो पहिया वाहन होना आवश्यक है। वॉकइन इंटरव्यू, radha.enterprise.main@gmail.com पर अपना बायोडाटा ईमेल कर सकते हैं।
राधा एंटरप्राइजेज
राजू ढाबा के सामने, सेरीखेड़ी, रायपुर, (छत्तीसगढ़)
Mo.:- 9406373821

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु अविवाहित लडको की उम्र 18-32, 10th, 12th पास जो आगरा, में रह कर काम कर सके वेतन 10,000/- + कमीशन + बोनस , रहना फ्री शीघ्र **संपर्क करे -** 6395268809, 7252820491.(RO-319)

आवश्यकता है- महासमुंद में ऑफिस कार्य हेतु एक 10वीं, 12वीं शिक्षित लड़के की तुरंत आवश्यकता है। आयु सीमा- 16 से 22 वर्ष. रहने, खाने की सुविधा सहित 7000/- मासिक। **संपर्क करें। मोबाइल** 9826126499.(RO-1642)

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके अंबिकापुर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा **संपर्क करें-** 9303374409 , 8279232601. (Ro-0325)

मिस्त्री/हेल्पर

आवश्यकता है- दुर्ग से बालोद रोड ग्राम कुथरेल में अपना ढाबा में अनुभवी मिस्त्री सप्लाई हेल्पर चहिए वेतन योग्यतानुसार मिस्त्री 15000 से 20000 सप्लाई हेल्पर 9000 से 12000 तक दिया जाएगा। mo.-9098459847, 93035799982.(आरो नं.-729)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

अन्य

आवश्यकता है- Forest Department को जिलानुसार लड़के लड़कियों की पद संख्या-875 वनरक्षक फील्डऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (32500+62500)रहना +खाना सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (आशीष साहू)- 7460994309. (RO-806)

Property प्रापर्टी

फ्लैट

बेचना है- FLAT FOR SALE 6th floor Amlidih 1550 Sqft built up area 3 BHK, 3 Balcony, 2 Lift with power backup Nearby Market and Hospital Call- 9827406686, 9425280803.(RO-046)

मकान

मकान बेचना है- रायपुर संतोषी नगर के प्राइम लोकेशन शुभम- के मार्ट के पीछे कविता नगर (रजा सिटी) में 1000 वर्गफुट में निर्मित न्यू मकान फॉलसेलिंग, वॉलपेपर एवं पंखा और बोर लगा हुआ स्वतंत्र मकान बेचना है **मो.** 7692999909, 7587790092.(RO-3846)

बेचना है- नवनिर्मित स्वतंत्र मकान रेडी पोजीसन मे बेचना है: 918sq, ft पूर्व फेस. वास्तु निर्मित विशेषता..... 1 हाल. 2 बेडरूम. किचन,लेट बाथ अटैच. 2 विहिकल गाड़ी पार्किंग स्पेस,सभी रूम मे अंदर ग्राउंड डक कूलर कनेक्शन, 20 फिट रोड,डायवर्टेड मकान बेचना है, 24घंटे पानी, 80%फायनेन्स सुविधा पता-आनंद विहार कालोनी में अशोक ठाकुर जी के सामने कवर्धा मो.- 7879213743.(RO-7173)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए गए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वादों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगो का सफल ईलाज
- गुप्त रोग, नामर्दी
- लिंग में छोटापन।
- शीघ्र पतन
- पेशाब से धातू जाना।
- लिंग में ढीलापन,
- शुक्राणु की कमी।
- शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
- जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
- चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।

निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड,सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

जेईई मेन परीक्षा: 100 पर्सेंटाइल वाले 24 छात्रों में 22 लड़के और 2 लड़कियां शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बीते शुक्रवार देर-रात इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं से जुड़ी हुई जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई) मेन-2025 के दूसरे सत्र के परिणाम घोषित कर दिए हैं। जिसमें 24 छात्रों को 100 पर्सेंटाइल मिले हैं। परीक्षा से जुड़े सभी छात्र, एजेंसी की वेबसाइट HYPERLINK /"http://jeemain.nta.nic.in/" <\\>/njeemain.nta.nic.in पर जाकर अपना परिणाम और स्कोरकार्ड देख सकते हैं। यहां बता दें कि एनटीए ने अभी फिलहाल परीक्षा के दूसरे सत्र के पेपर-1 बीई, बीटेक का परिणाम ही जारी किया है। जबकि दूसरे पेपर-2-ए (बी-आर्क), 2-बी (बी-प्लानिंग) का परिणाम आना अभी बाकी है। एनटीए ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि इस परीक्षा परिणाम के साथ ही एजेंसी ने जेईई-एडवांस के लिए क्वालीफाइंग कट ऑफ भी घोषित कर दी है। जिसमें सामान्य श्रेणी के छात्रों के लिए 93.10 पर्सेंटाइल की आवश्यकता होगी। इसके अलावा ईडब्ल्यूएस के लिए 80.38, ओबीसी के लिए 79.43, एससी के लिए 61.15 और एसटी के लिए 47.90 पर्सेंटाइल तय की गई है।

राज्यों के टॉपर्स

एजेंसी ने बताया कि राज्यों के टॉपर्स की सूची में दिल्ली के 2 (दक्ष, हर्ष झा-100 पर्सेंटाइल), हरियाणा का 1 छात्र (अमोघ बंसल-99.99 पर्सेंटाइल), छत्तीसगढ़ के 2 छात्र (सुविज्ञा देवांगन-99.99 पर्सेंटाइल और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी में हर्षल गुप्ता-99.96 पर्सेंटाइल), मध्य प्रदेश का 1 छात्र एम.एम.हुसैन 99.99 पर्सेंटाइल के साथ शामिल है।

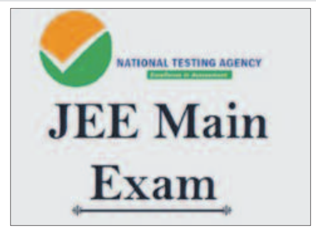

दिल्ली के दो छात्र दक्ष और हर्ष झा भी हुए 100 पर्सेंटाइल वाले छात्रों की सूची में शामिल

यूं कसी गई नकल पर नकेल : परीक्षा के दौरान तत्काल आधार पर कर्मियों की तैनाती अहम रही। विभिन्न शहरों, केंद्रों पर ड्यूटी के लिए 283 शहरी समन्वयकों, 858 पर्यवेक्षकों और सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों को नियुक्त किया गया। इसके अलावा मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए नकल के प्रयास को रोकने के लिए सभी केंद्रों पर 5जी जैमर लगाए गए। परीक्षा केंद्रों की एआई आधारित वीडियो एनालिटिक्स, सीसीटीवी और वर्चुअल पर्यवेक्षकों के जरिए बारीक निगरानी की गई।

100 पर्सेंटाइल वाले टॉपरों में राजस्थान के 7 छात्र

एनटीए ने बताया कि 100 पर्सेंटाइल वाले 24 छात्रों में 22 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। 24 में से राजस्थान के सर्वाधिक 7 छात्रों को शत-प्रतिशत पर्सेंटाइल मिले हैं। इसके बाद दिल्ली के 2, महाराष्ट्र के 3, तेलंगाना के 3 और उत्तर प्रदेश के 3, पश्चिम बंगाल के 2, गुजरात के 2, आंध्र प्रदेश के 1, कर्नाटक के 1 छात्र को 100 पर्सेंटाइल मिले हैं। दिल्ली के 100 पर्सेंटाइल वाले छात्रों में दक्ष और हर्ष झा शामिल हैं।

9 लाख से अधिक छात्रों ने दी परीक्षा

जेईई मेन के दूसरे सत्र की परीक्षा के लिए कुल 10 लाख 61 हजार 840 छात्रों ने पंजीकरण कराए थे। लेकिन इनमें से 9 लाख 92 हजार 350 छात्र ही परीक्षा में बैठे। इस बार 6 लाख 81 हजार 871 लड़के और 3 लाख 10 हजार 479 लड़कियों ने यह परीक्षा दी। 2, 3, 4, 7 और 8 अप्रैल दो पालियों में यह परीक्षा हुई। अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू सहित कुल 13 भारतीय भाषाओं में परीक्षा का आयोजन किया गया। जो कि कंप्यूटर (सीबीटी) आधारित थी।

39 छात्रों का परिणाम घोषित होना बाकी

वहीं, एनटीए ने ये भी कहा कि जेईई मेन परीक्षा के पहले चरण के कुल 39 छात्रों का परिणाम जारी नहीं किया गया है। क्योंकि वह अनुचित व्यवहार में लिप्त पाए गए थे। जबकि दूसरे सत्र के कुल 110 छात्र जालसाजी और अनुचित साधनों में लिप्त पाए गए हैं। इनमें मुख्य रूप से परीक्षा संबंधी दस्तावेजों में गड़बड़ी पायी गई हैं। जिसकी वजह से इनका परिणाम फिलहाल जारी नहीं किया गया है। इनके अलावा 23 छात्रों का परिणाम उनकी फोटो, बायोमेट्रिक विवरण और पहचान सत्यापन से जुड़ी बाकी कमियों की वजह से जारी नहीं किया गया है। इन सभी को राजपत्रित अधिकारी से अनुमोदित फोटो पहचान का एक वैध प्रमाण एनटीए को सौंपने का निर्देश दिया गया है। उसके बाद ही इनका परिणाम जारी किया जाएगा।

जैकेट के शेष

प्रशासनिक फेरबदल ...

गया। मुख्य सचिव के लिए सरकार ने सम्मान की भावना जताई है। **अफसरों को एक ही सचिव करेंगे डील** : प्रशासनिक फेरबदल में अफसरों को दिए गए अतिरिक्त प्रभार देने में यह देखा गया है कि उन्हें एक ही विभाग के सचिव के अधीन रखा गया है। अफसरों को एक ही उच्च अधिकारी के अधीन काम करने का मौका मिलेगा। विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न निगम मंडल और अभिकरण का काम करते समय उन्हें किसी दूसरे अफसर के पास जाना नहीं पड़ेगा। ऐसे में कार्य की दक्षता और अफसर के काम कराने के ढंग के अनुसार काम करेंगे। जैसे किरण कौशल के पास मार्कफेड और नान की जिम्मेदारी है। यह दोनों ही खाद्य विभाग के अधीन हैं। **राजस्व प्रकरणों के निराकरण पर ध्यान** : फेरबदल से साफ है कि सरकार लंबित राजस्व प्रकरणों को लेकर गंभीर है। राज्य सरकार ने लंबित राजस्व प्रकरणों को ध्यान में रखते हुए राजस्व जिला बिलासपुर में अब स्वतंत्र आयुक्त के पद पर सुनील जैन को जिम्मेदारी सौंपी है। बिलासपुर में पिछले 1 साल से प्रभारी संभागायुक्त के होने के कारण यहां पर राजस्व प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हो गए हैं। पहले संजय अलंग रायपुर के संभागायुक्त रहते बिलासपुर के प्रभार में थे। बाद में महादेव कांवरे रायपुर के संभागयुक्त करते बिलासपुर के प्रभार में रहे हैं। वहीं अपर संभागायुक्त के पद पर आईएएस को प्रभार देते हुए रायपुर और दुर्ग में अपर संभागायुक्त पदस्थ किया गया है। राजस्व मंडल में भी अध्यक्ष की पूर्ण कालिक नियुक्ति की गई है। इससे लंबित प्रकरणों के निराकरण में गति आएगी।

अवनीश, किरण, संजय,...

के साथ नान का भी जिम्मा सौंपा गया है। इसी तरह दिव्या मिश्रा को बालोद कलेक्टर बनाकर भरोसा जताया गया है। अवनीश शरण को कलेक्टर बिलासपुर से वापस राजधानी लाकर नगर निवेश और गृह निर्माण मंडल का प्रभार दिया गया है। कुणाल दुदावत को कोंडागांव से दंतेवाड़ा जैसे बड़े जिल को प्रभार उनकी कार्यक्षमता को देखते हुए दिया गया।

11 कलेक्टर समेत 41 आईएएस ...

इस बीच सरकार ने जनक प्रसाद पाठक आयुक्त उच्च शिक्षा को हटा दिया है। श्री पाठक को विशेष सचिव वन बनाया गया है। वहीं शिखा राजपूत सचिव वन विभाग को आयुक्त चिकित्सा शिक्षा के पद पर पदस्थ करते हुए आयुक्त आयुष का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डॉ. प्रियंका शुक्ला आयुक्त-सह-संचालक स्वास्थ्य सेवाएं तथा अतिरिक्त प्रभार ओएसडी स्वास्थ्य विभाग को ओएसडी के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त करते हुए प्रबंध संचालक राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

तारन प्रकाश सिन्हा पीएम आवास संचालक : तारन प्रकाश सिन्हा विशेष सचिव खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार विशेष सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को आयुक्त मनरेगा के पद पर पदस्थ करते हुए संचालक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इफ्फत आरा संचालक आयूष को अपर संभागीय आयुक्त रायपुर संभाग के पद पर पदस्थ करते हुए अपर संभागीय आयुक्त दुर्ग संभाग दुर्ग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। जगदीश सोनकर मिशन संचालक राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान को एमडी अंत्यावासी सहकारी वित्त एवं विकास निगम के पद पर पदस्थ करते हुए संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान का अतिरिक्त प्रभार सोंपा गया है। डॉ. संतोष कुमार देवागंन अपर आयुक्त भू-अभिलेख नवा रायपुर को आयुक्त उच्च शिक्षा के पद पर पदस्थ करते हुए एमडी राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ऋतुराज रघुवंशी संचालक तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण को संचालक राज्य शैक्षिक अनुसंधान परिषद, मिशन संचालक साक्षरता मिशन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। विजय दयाराम के सीईओ छग राज्य कौशल विकास अभिकरण तथा अतिरिक्त प्रभार एमडी राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन को संचालक तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण के पद पर पदस्थ करते हुए सीईओ छग राज्य कौशन विकास अभिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अरविंद कुमार एक्का अपर कलेक्टर दुर्ग को संयुक्त सचिव राजस्व के पद पर पदस्थ करते हुए संचालक मुद्रण एवं लेखन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। संतन देवी जांगड़े अपर कलेक्टर रायगढ़ को संयुक्त सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, सुखनाथ अहिरवार अपर कलेक्टर कांकेर को सचिव राज्य निर्वाचन आयोग के पद पर पदस्थ करते हुए संयुक्त सचिव चोल एवं युवक कल्याण विभाग के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है। अजय कुमार बग्रवाल संचालक जनसंपर्क को एमडी छग राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के पद पर पदस्थ किया गया है।

मित्तर विशेष सचिव कृषि : सारांश मित्तर विशेष सचिव कृषि को आयुक्त आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास निगम के पद पर पदस्थ किया गया है। रमेश कुमार शर्मा एमडी मार्कफेड को विशेष सचिव गृह, जितेंद्र कुमार शुक्ला संचालक खाद्य एवं अतिरिक्त प्रभार एमडी वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन को मिशन संचालक जल जीवन मिशन के पद पर पदस्थ किया गया है। रिमिजियुस एक्का संचालक पशु चिकित्सा तथा अतिरिक्त प्रभार एमडी नगरीय प्रशासन विभाग को संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास।

अविनाश आयुक्त गृह निर्माण : अवनीश कुमार शरण कलेक्टर बिलासपुर को आयुक्त नगर एवं ग्राम निवश के पद पर पदस्थ करते हुए आयुक्त गृह निर्माण मंडल का अतिरक्त प्रभार दिया गया है। उनके कार्यभार ग्रहण करने पर सौरभ कुमार सीईओ नया रायपुर एवं अटल विकास प्राधिकरण तथा अतिरिक्त प्रभार नगर तथा ग्राम निवेश केवल संचालक नगर तथा ग्राम निवेश के प्रभार से मुक्त होंगे।

कार्तिकेय गोयल एमडी वेयर हाउसिंग : कार्तिकेय गोयल कलेक्टर रायगढ़ को संचालक खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण के पद पर पदस्थ करते हुए एमडी वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। धर्मेश साहू कलेक्टर सारंगढ़-बिलाईगढ़ को विशेष सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास, भूरे सर्वेश्वर नरेंद्र सचिव राज्य निर्वाचन आयोग तथा अतिरिक्त प्रभार मियान संचालक जल जीवन मिशन को कलेक्टर राजनांदगांव, जन्मेजय महोबे एमडी नागरिक आपूर्ति निगम तथा अतिरिक्त प्रभार एमडी महिला बाल विकास विभाग को कलेक्टर जांजगीर-चांपा के पद पर पदस्थ किया गया है। **आकाश छिकारा सीईओ आरडीए** : आकाश छिकारा कलेक्टर जांजगीर-चांपा को उप सचिव आवास एवं पर्यावरण विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए सीईओ रायपुर विकास प्राधिकरण का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। मयंक चतुर्वेदी कलेक्टर दंतेवाड़ा को कलेक्टर रायगढ़, कुणाल दुदावत कलेक्टर कोंडागांव को कलेक्टर दंतेवाड़ा के पद पर पदस्थ किया गया है। चंद्रकांत वर्मा कलेक्टर खैरागढ़-छुईखदान-गंडई को संचालक पशु चिकित्सा विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए छग राज्य जल प्रबंधन एजेंसी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

दिव्या उमेश मिश्रा ...

कलेक्टर अंतागढ़ को कलेक्टर गरियाबंद के पद पर पदस्थ किया गया है।

फाइव स्टार होटल ...

पर पदस्थ किया। आयुक्त उच्च शिक्षा ने एक अफसर की बिदाई और दूसरे अफसर के स्वागत सामरोह का संयुक्त रूप से आयोजन किया था। आयोजन शहर के होटल सयाजी में 21 अप्रैल को रखा गया था। कार्यक्रम में विभाग के अफसरों के साथ अन्य लोगों को भी आमंत्रित किया गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय को इसकी जानकारी होने पर नाराजगी जताई गई। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से कार्यक्रम स्थगित करने की सूचना जारी की गई।

पेज एक के शेष

जीवन के लिए ग्रामीणों का...

खोजा । 80 परिवारों ने मिलकर नहर से गांव तक पानी लाने का रास्ता निकाला। उन्होंने नहर की चट्टानों को पाइप के आकार में काटा। इसके बाद लकड़ियों को भी पाइप की तरह तैयार किया। ग्रामीणों ने करीब एक किलोमीटर लंबी मिट्टी की नाली बनाई। जो अब भीषण गर्मी में पानी की कमी पूरा कर रही है। पहले पानी के लिए बहुत दिक्कतों को सामना करना पड़ता था। अब लकड़ी के पाइप के सहारे घर मे पानी आने से पेयजल के साथ ही नित्य क्रिया व खेती बाड़ी में भी पानी की दिक्कत नहीं होती है। सभी ग्रामीणों के सहयोग से यह सम्भव हो पाया है। -ग्रामीण

सुप्रीम कोर्ट के लिए कोठा, फेसबुक पोस्ट ...

फेसबुक और इंस्टाग्राम में फर्जी आईडी बनाकर अनर्गल बयानबाजी की जा रही है। साथ ही उन्होंने सभी से ऐसे आईडी को रिपोर्ट कर अनफॉलो करने की अपील की है। उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा कि मेरे नाम से कोई फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर गलत पोस्ट कर मेरी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि विरोधी पार्टी का हाथ हो सकता है। मामले में पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर एफआईआर के लिए लिखा है।

विवादों के बीच 483 किलोमीटर...

सड़क का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में रायपुर से विशाखापट्टनम पहुंचने में 12 से 14 घंटे तक लगते हैं। इस तरह नई सड़क बनने से समय और ईंधन की बचत तो होगी ही। आवागमन और व्यापार की दृष्टि से भी यह बेहद महत्वपूर्ण होगा।

पोर्ट सिटी से सीधे कनेक्ट होगा रायपुर। रायपुर से विशाखापट्टनम के बीच सड़क जंगल, पहाड़, ग्रीन फील्ड से होकर गुजरेगी। ऐसे में तीनों ही राज्यों में टूरिज्म को तो बढ़ावा मिलेगा ही। रायपुर से पोर्ट सिटी की सीधी कनेक्टिविटी व्यापार को नया आयाम देगी। यहां से कच्चा माल सीधे विशाखापट्टनम पहुंच सकेगा। यही वजह है इसे इकोनॉमिक कॉरीडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। एनएचएआई अफसर कहते हैं, 2026 में जून तक इसका निर्माण पूरा होने की उम्मीद है।

कांकेर में सुरंग कोरापुट में ...

में ट्वीन टनल यानी दोहरे सुरंग का भी निर्माण किया जा रहा है। इस रोड में वाहनों की गति कम से कम 80 से 100 किलोमीटर होगी। ऐसे में वन्यजीवों का ध्यान रखते हुए 27 अंडरपास भी बनाए जा रहे हैं। कोंडागांव के पास से इन अंडरपास की शुरुआत होगी।

19 साल बाद मिले सुर...

उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया भी सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि छोटे-मोटे झगड़ों को खत्म करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने राज ठाकरे के सामने शर्त भी रखी है, उन्होंने कहा कि जो भी महाराष्ट्र के हित के खिलाफ होगा उसे घर बुलाकर खाना नहीं खिलाएंगे। एक कार्यक्रम के दौरान उद्धव ठाकरे ने मराठी एकता और महाराष्ट्र के हित के लिए हाथ बढ़ाते हुए बड़ा बयान दिया। उद्धव ने कहा कि मराठी और महाराष्ट्र के लिए जो भी निरर्थक झगड़े हैं, मैं उन्हें खत्म करने को तैयार हूं। मैं सभी मराठी लोगों से अपील करता हूं कि वे एक हों और महाराष्ट्र के हित में साथ आएं। उन्होंने कहा कि हमने लोकसभा चुनाव के वक्त कहा था कि महाराष्ट्र के उद्योग और व्यवसाय गुजरात जा रहे हैं, उस वक्त अगर आपने (राज ठाकरे) विरोध किया होता, तो केंद्र में आज जो सरकार बैठी है। वह नहीं बैठी होती और केंद्र में महाराष्ट्र का हित समझने वाली सरकार हमने स्थापित की होती। साथ ही राज्य में भी महाराष्ट्र के हित सोचने वाली सरकार बैठी होती। हमने कामगार कानून जैसे काले कानून उखाड़ फेंके होते। उन्होंने दो टूक कहा कि कभी समर्थन, कभी विरोध, कभी समझौता- यह नीति अब नहीं चलेगी।

गाजा में इजरायली हमलों का कहर, 70 से अधिक की मौत

घर और टेंट कैंप तबाह अस्पतालों में जगह नहीं

एजेंसी ⏭ तेल अवीव

इजरायल ने गाजा पट्टी में शुक्रवार तड़के से हवाई, जमीनी और समुद्री हमले तेज कर दिए। अब तक कम से कम 70 लोगों की मौत हो चुकी है। अल जजीरा के रिपोर्ट के अनुसार, मेडिकल सूत्रों ने बताया कि मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इन हमलों ने गाजा के घरों, विस्थापित लोगों के टेंट कैंपों पर भारी तबाही मच गई है। हमला में नाई के दुकान को निशाना बनाया गया। बताया जा रहा है कि गाजा के अस्पताल घायल मरीजों से भर गए हैं। अपनी क्षमता से अधिक काम कर रहे हैं। घायलों को इलाज देना मुश्किल हो गया है। इजरायली हमलों की शुरुआत शुक्रवार सुबह हुई। गाजा सिटी के पूर्वी तफ्फाह इलाके में इजरायली सेना ने भारी बमबारी की. इस इलाके में धुएं के गुबार छा गए। कई इमारतें जमींदोज हो गईं. गुरुवार को भी इजरायल ने दक्षिणी गाजा के अल-मवासी और उत्तरी गाजा के बेत लाहिया में विस्थापित लोगों के टेंटों पर हवाई हमले किए। इसमें कम से कम 35 लोग मारे गए थे।

अस्पताल घायल मरीजों से भर गए, इलाज मुश्किल

खान यूनिस में एक नाई की दुकान पर हुए हमले में छह लोगों की जान चली गई। गाजा सिविल डिफेंस के मुताबिक, गुरुवार देर रात से अल-मवासी में एक हमले में 12 लोग मारे गए, जिनमें कई बच्चे भी शामिल थे।

2 महीने का संघर्ष विराम टूटा

इजरायल और हमास के बीच मार्च में हुआ दो महीने का संघर्षविराम टूट गया। इजरायल ने हमास पर बंधकों को रिहा न करने का आरोप लगाते हुए हमले तेज कर दिए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, गाजा की 80% आबादी अपने घरों से विस्थापित हो चुकी है। हजारों लोग टेंटों में रहने को मजबूर हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अक्टूबर 2023 से अब तक 50,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं।

अगले सप्ताह मंगलवार से सऊदी अरब के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे प्रधानमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह मंगलवार से सऊदी अरब की दो दिवसीय (22 से 23 अप्रैल) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसके लिए उन्हें सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने विशेष रूप से आमंत्रित किया है। सऊदी शहर जेद्दा में क्राउन प्रिंस द्वारा पीएम का परंपरागत अंदाज में भव्य स्वागत किया जाएगा और फिर दोनों शीर्ष नेताओं के बीच अहम द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक होगी। जिसमें आपसी संबंधों के हर पहलू के अलावा साझा हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा। साथ ही दोनों नेता भारत-सऊदी अरब रणनीतिक भागीदारी परिषद की दूसरी बैठक की सह-अध्यक्षता भी करेंगे।

'कानून अगर सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद को बंद कर देना चाहिए'

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन कानून और पॉकेट वीटो मामले को लेकर छिड़ी बहस के बीच भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने कहा है कि अगर कानून बनाना सुप्रीम कोर्ट का ही काम रह गया है, तो फिर संसद भवन को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर एक पोस्ट में यह बयान दिया। झारखंड की गोड्डा सीट से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा, 'कानून यदि सुप्रीम कोर्ट ही बनाएगा तो संसद भवन बंद कर देना चाहिए।' इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में वक्फ कानून पर सुनवाई से पहले केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था कि मुझे पूरा भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट विधायी मामले में दखल नहीं देगा। हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
संख्या – EE/RDSD/LATEHAR/1/2025-26

1.कार्य की विस्तृत विवरणीः

क्र० सं०	ग्रुप सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	GR_1	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड लातेहार के पंचायत परसही में अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय होटवाग लातेहार में बहुउद्देशीय भवन का निर्माण।	29437779	588800	10000	12 माह
2	GR_2	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड चंदवा के पंचायत चंदवा पूर्वी में अनुसूचित जाति आवासीय विद्यालय हड़गड़वा चंदवा में बहुउद्देशीय भवन का निर्माण।	29437779	588800	10000	12 माह
3	GR_3	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखण्ड बरवाडीह के पंचायत मंगरा में अनुसूवित जनजाति आवासीय विद्यालय हेन्देहास बरवाडीह में बहुउद्देशीय भवन का निर्माण।	29437779	588800	10000	12 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 25.04.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 25.04.2025 से दिनांक 10.05.2025 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –13.05.2025 अपराह्न 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06565796434
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार

PR 350645 (Rural Development)25-26*D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, लातेहार

ई– निविदा आमंत्रण सूचना
(D.M.F.T. मद)
ई–निविदा संख्या :– 02/2025-26/EE/RWD/LATEHAR दिनांक : 19.04.2025

क्र0	आईडेंटी फिकेशन सं0/पैकेज सं0	प्रखंड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि
1	RWD/LATEHAR/04/2025-26	लातेहार	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखंड लातेहार के पंचायत भुसूर में Integrated Sport –cum-Knowledge Center में Vocational Training Center का निर्माण कार्य	449.995	रू0 चार करोड़ उनचास लाख निनान्बे हजार पॉच सौ रूपये मात्र।	12 माह
2	RWD/LATEHAR/05/2025-26	लातेहार	लातेहार जिलान्तर्गत प्रखंड लातेहार के पंचायत भुसूर में Integrated Sport –cum-Knowledge Center में छात्रों के लिए 100 बेड छात्रावास का निर्माण कार्य।	437.619	रू0 चार करोड़ सैंतीस लाख एक्सठ हजार नौ सौ रूपये मात्र।	12 माह

1.वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : 30.04.2025
2.ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय : 08.05.2025 अपराह्न 5:00 बजे तक।
3.निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 10.05.2025 अपराह्न 03:30 बजे।
4.निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, लातेहार पिन – 829206।
5.ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0 – 06565245038
6.संवेदक पर जिलान्तर्गत किसी भी योजना का कार्य लंबित रहने पर उनकी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
7.एक संवेदक को एक वित्तीय वर्ष में इस मद का एक ही कार्य आवंटित किया जायेगा।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता
ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमण्डल, लातेहार

PR 350640 (Rural Development)25-26*D

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख–शान्ति रहेगी। घर–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख–रखाव एवं साज–सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन–सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग–दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन–सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु — मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद–परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

शब्द पहेली - 5842

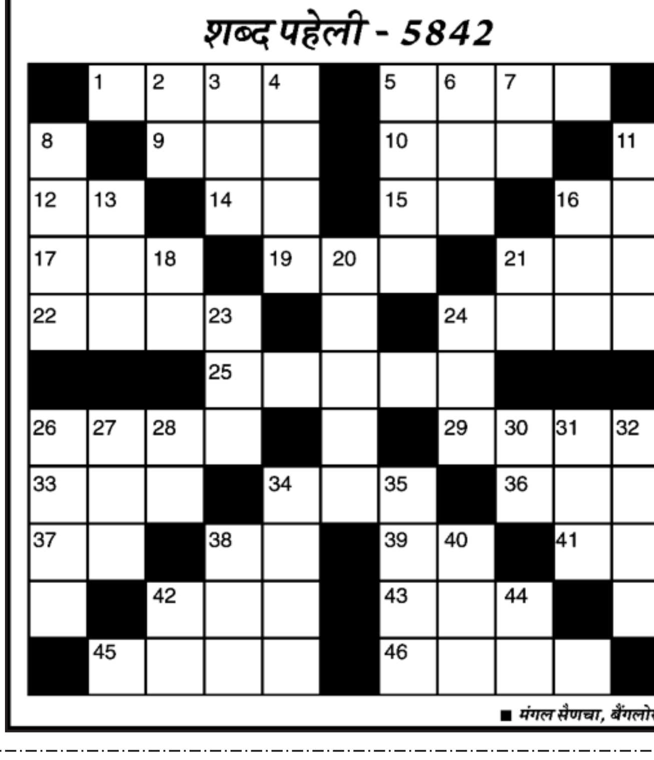

मंगल सेनचा, बैंगलोर

बाएँ से दाए
1. मूर्ख, बेवकूफ (उर्दू-4)
5. संपत्ति-4
9. कटि, पीठ -3
10. प्रणाम, नमस्कार-3
12. अधीन-2
14. पितामह-2
15. कार्य-2
16. पराजय-2
17. अच्छे कुल का-3
19. तरंग, हिलोर-3
21. एक प्रकार की दाल-3
22. ओस, रजनी जल(उर्दू-4)
24. गगन, आकाश-4
25. स्वच्छ करना-5
26. आश्चर्यजनक-4
29. जो लायक न हो-4
33. उल्टी, कै-3
34. रनिवास, जनवासा-3
36. पंक्ति, लाइन-3
37. सुर, लय, आलाप-2
38. दंड, शिक्षा-2
39. पराजय-2
41. झुका हुआ -2
42. कर्म, भाग्य-3
43. भार-3
45. भूल, गलती (उर्दू-4)
46. भाग्य, नसीब-4

ऊपर से नीचे
2. अधिकार-2
3. मां का दुलार-3
4. ताली की आवाज-4
5. अनुभवी-4
6. जुड़वा-3
7. दक्षिणा-2
8. राम के पुत्र-2,2
11. अभिलाषा, -4
13. क्रूस, सूली-3
16. पाचनशक्ति-3
18. ईसाई साध्वी-2
20. जीवनसाथी -5
21. गरबा, नृत्य-2
23. मालिश-3
24. दर्पण, शीशा-3
26. ईश्वर-4
27. बाग, गुलिस्तां-3
28. क्रिकेट में बनते हैं-2
30. दुलारा, पुत्र-2
31. भरोसा, विश्वास-3
32. करामात-4
34. शेविंग करना-4
35. हाथी साधने वाला-4
38. आसान, सीधा-3
40. कपड़े धोने वाला-3
42. बलगम-2
44. सरिता-2

शब्द पहेली - 5841 का हल

सूडोकु नवताल - 5852

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5851 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

विशेषः पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से

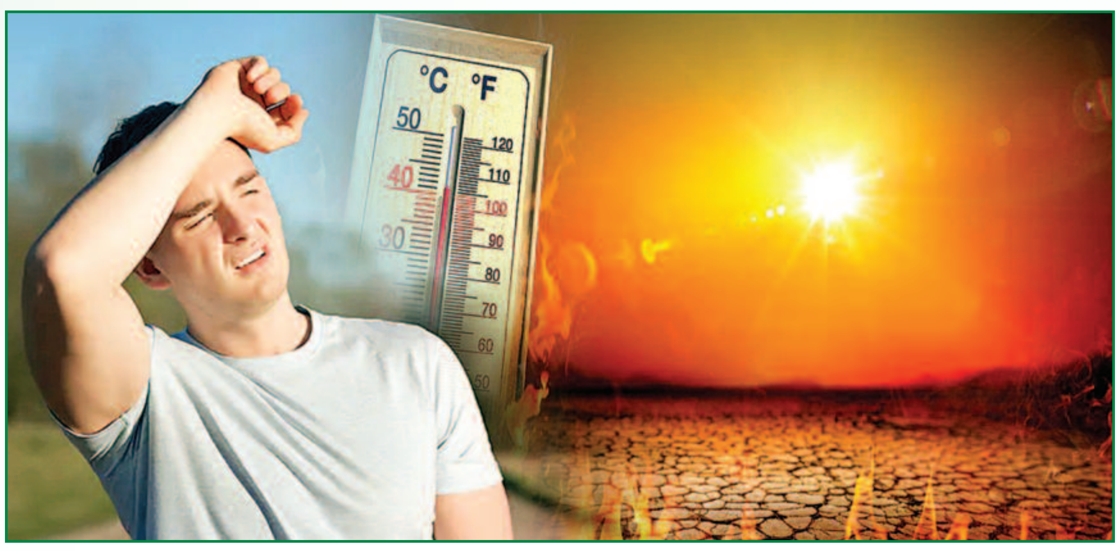

बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएंः पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाईः पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षणः श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदीः पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शनः इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिकः आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषितः देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

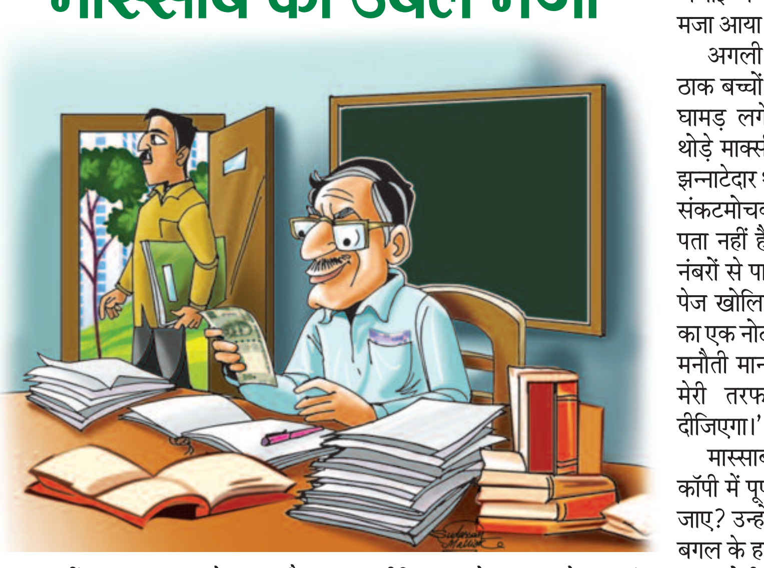

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

काका, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

चेन्नई के खिलाफ आज जीत की हैट्रिक लगाने की तैयारी में मुंबई इंडियंस

एजेंसी ▶▶| मुंबई

चेन्नई सुपर किंग्स की खराब फॉर्म इंडियन प्रीमियर लीग के 'क्लासिको (सबसे ज्यादा प्रतिद्वंद्विता वाला मैच)' की चमक को कम कर सकती है, लेकिन मुंबई इंडियंस के लिए रविवार को यहां अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए रणनीति बदलने की चुनौती होगी।

मुंबई ने शुरुआती मैचों की निराशा को पीछे छोड़ते हुए अपने पिछले दो मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद को मात देकर अच्छी वापसी की है। हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली टीम तालिका में सातवें पायदान पर है और वह मौजूदा सत्र में जीत की हैट्रिक लगाने के साथ सत्र के अपने पहले मैच में इस टीम से मिली हार का बदला चुकता करना चाहेगी।

स्पिनरों से पार पाना मुश्किल

मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ स्पिनरों की मददगार पिच पर खेलना टीम के लिए जोखिम भरा हो सकता है। चेन्नई के पास शानदार लय में चल रहे खब्बू स्पिनर नूर अहमद के अलावा अनुभवी रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन का भी विकल्प है। नूर ने सात मैचों में 12 विकेट लिए है, जिसमें मुंबई के खिलाफ शुरुआती मैच में तीन सफलता शामिल है।

मुंबई का पलड़ा भारी

चेन्नई के खिलाफ सत्र का पहला मैच गंवाने के बावजूद मौजूदा फॉर्म के आधार पर मुंबई का पलड़ा भारी है। रोहित शर्मा ने अभी तक बड़ा स्कोर नहीं बनाया है, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ उनकी तेज शुरुआत ने टीम को बिना किसी दबाव के लक्ष्य का पीछा करने की आजादी दी। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी है लेकिन रयान रिकेल्टन ने शीर्ष क्रम में अच्छा योगदान दिया है। विल जैक्स के हरफनमौला खेल ने सनराइजर्स की जीत में अहम भूमिका अदा की थी।

पंजाब के खिलाफ आरसीबी को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अगर इंडियन प्रीमियर लीग में अपना अभियान वापस पटरी पर लाना है तो पंजाब किंग्स के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में उसके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पंजाब के खिलाफ शुक्रवार को बेंगलुरु में खेले गए मैच में टिम डेविड को छोड़कर आरसीबी का कोई भी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया और टीम को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। आरसीबी के पास फिल साल्ट, विराट कोहली, कप्तान रजत पाटीदार और लियाम लिविंगस्टोन जैसे धाकड़ बल्लेबाज हैं लेकिन उनके पास वापसी करने का बहुत कम समय है। पाटीदार ने बेंगलुरु में पंजाब के हाथों पराजय के लिए बल्लेबाजों की नाकामी को जिम्मेदार ठहराया था।

दो रन से जीती सुपर जाइंट्स
सूर्यवंशी ने डेब्यू में जीता दिल

एजेंसी ▶▶| जयपुर

तेज गेंदबाज आवेश खान की डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी से लखनऊ सुपर जाइंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए दो रन से जीत दर्ज की।

सुपर जाइंट्स के 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की 74 रन की पारी की बदौलत रॉयल्स की टीम एक समय दो विकेट पर 156 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में थी लेकिन आवेश (तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने पांच विकेट पर 178 रन ही बना सकी। जायसवाल ने पदार्पण कर रहे वैभव सूर्यवंशी (34) के साथ पहले विकेट के लिए 85 और कप्तान रियान पराग (39 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। आवेश ने 18वें ओवर में जायसवाल और पराग दोनों को आउट करके मैच का रुख सुपर जाइंट्स के पक्ष में मोड़ा। लखनऊ सुपर जाइंट्स ने इससे पहले एडेन मारक्रम की 45 गेंद में तीन छक्कों और पांच चौकों से 66 रन की पारी और आयुष बडोनी (50 रन) के साथ चौथे विकेट की उनकी 76 रन की साझेदारी से पांच विकेट पर 180 रन बनाए। अब्दुल समद (नाबाद 30) ने पारी के अंतिम ओवर में चार छक्कों से 27 रन जोड़े।

सूर्यवंशी बने सबसे युवा आईपीएल क्रिकेटर

14 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यहां लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स की ओर से पदार्पण करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। सिर्फ 14 साल और 23 दिन के सूर्यवंशी उस समय दर्शकों के चहेते बन गए जब उन्होंने शारदुल ठाकुर पर अपनी पहली गेंद पर जोरदार छक्का जड़ा।
सूर्यवंशी का जन्म 27 मार्च 2011 को हुआ। सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 की नीलामी में इतिहास रच दिया था जब 13 वर्षीय खिलाड़ी के रूप में वह आईपीएल अनुबंध पाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उन्हें रॉयल्स ने एक करोड़ 10 लाख रुपये में खरीदा था।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ सुपर जाइंट्स	रन	गेंद	4	6
मार्श का हेटमायर बो आर्चर	04	06	0	0
मारक्रम का पराग बो हसरंगा	66	45	5	3
पूरन पगबाधा बो संदीप	11	08	2	0
पंत का जुरेल बो हसरंगा	03	09	0	0
बडोनी का दुबे बो देशपांडे	50	34	5	1
डेविड मिलर नाबाद	07	08	0	0
अब्दुल समद नाबाद	30	10	0	4

अतिरिक्त : 09, कुल : 20 ओवर में 180/5
गेंदबाजी : आर्चर 4-0-32-1, तीक्षणा 4-0-32-0, संदीप 4-0-55-1, देशपांडे 4-0-26-1, हसरंगा 4-0-31-2.

राजस्थान रॉयल्स	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल बो आवेश	74	52	5	4
सूर्यवंशी स्टं पंत बो मारक्रम	34	20	2	3
राणा का आवेश बो शारदुल	08	07	0	1
पराग पगबाधा बो आवेश	39	26	3	2
ध्रुव जुरेल नाबाद	06	05	0	0
हेटमायर का शारदुल बो आवेश	12	07	2	0
शुभम दुबे नाबाद	03	03	0	0

अतिरिक्त : 02, कुल : 20 ओवर में 178/5
गेंदबाजी : ठाकुर 3-0-34-1, आवेश 4-0-37-3, राठी 4-0-30-0, मारक्रम 2-0-18-1, प्रिंस 4-0-39-0, बिश्नोई 3-0-19-0.

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	7	5	2	10
दिल्ली	7	5	2	10
पंजाब	7	5	2	10
लखनऊ	8	5	3	10
बेंगलुरु	7	4	3	8
कोलकाता	7	3	4	6
मुंबई	7	3	4	6
राजस्थान	8	2	6	4
हैदराबाद	7	2	5	4
चेन्नई	7	2	5	4

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
368 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
14 विकेट
गुजरात

आईपीएल : टाइटन्स ने कैपिटल्स को सात विकेट से हराया
कृष्णा का 'चौका', बटलर के नाबाद अर्धशतक से शीर्ष पर पहुंचा गुजरात

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

गुजरात टाइटन्स प्रसिद्ध कृष्णा (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद जोस बटलर (नाबाद 97 रन) के अर्धशतक की मदद से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। गुजरात टाइटन्स, दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के 10-10 अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट से शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम पहले स्थान पर पहुंच गई।

जीत के लिए 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बटलर और शेरफाने रदरफोर्ड (43 रन) ने गुजरात टाइटन्स के लिए तीसरे विकेट के लिए 69 गेंद में 119 रन की रिकॉर्ड साझेदारी बनाई। घरेलू टीम के लिए इससे पहले तीसरे विकेट के लिए साझेदारी का रिकॉर्ड 90 रन का था। बटलर ने 54 गेंद की पारी के दौरान 11 चौके और चार छक्के जड़े जबकि रदरफोर्ड ने 34 गेंद में एक चौके और तीन छक्के जड़े। बटलर अपना शतक पूरा नहीं कर सके क्योंकि अंतिम ओवर में राहुल तेवतिया ने मिचेल स्टार्क की पहली गेंद पर मिडविकेट पर छक्का जड़ा और अगली गेंद पर चौका जड़कर चार गेंद रहते जीत दिलाई।

गेंदबाजों ने कसी लगाम

कृष्णा के चार विकेट लेने के बावजूद अच्छी शुरुआत से बड़े स्कोर की ओर बढ़ती हुई दिल्ली कैपिटल्स की टीम आठ विकेट पर 203 रन ही बना सकी। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम कई मौकों पर बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी लेकिन घरेलू टीम के गेंदबाजों ने हर मौके पर वापसी करते हुए उसके बल्लेबाजों पर लगाम कसी। कप्तान अक्षर पटेल ने 39 रन और आशुतोष शर्मा ने 37 रन का योगदान दिया। ट्रिस्टन स्टब्स और करूण नायर ने 31-31 रन बनाए।

सिराज ने पहले ओवर में लुटाए 16 रन

गुजरात टाइटन्स के लिए मोहम्मद सिराज ने अपने पहले ओवर में 16 रन लुटाए जबकि दूसरे स्पैल के दो ओवर में 14 रन देकर एक विकेट झटका। अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने तीन ओवर में 19 रन देकर एक विकेट प्राप्त किया। स्पिनर साई किशोर ने बस अंतिम ओवर डाला जिसमें उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को महज नौ रन बनाने दिए और एक विकेट आशुतोष शर्मा के रूप में लिया। अगर आशुतोष डटे रहते तो यह स्कोर बड़ा हो सकता था।

राहुल के सबसे तेज 200 छक्के

नई दिल्ली। आईपीएल के 18वें सीजन में केएल राहुल का बल्ला लगातार रन उगल रहा है। वह दिल्ली कैपिटल्स के मिडिल ऑर्डर के रीढ़ की हड्डी बन गए हैं। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ केएल राहुल ने एक खास उपलब्धि हासिल की। केएल राहुल ने आईपीएल में 200 सिक्स जड़ने का कमाल किया। वह सबसे कम पारियों में 200 सिक्स पूरा करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
पोरेल का सिराज बो अरशद	18	09	3	1
नायर का अरशद बो कृष्णा	31	18	2	2
राहुल पगबाधा बो कृष्णा	28	14	4	1
अक्षर का बटलर बो कृष्णा	39	32	1	2
स्टब्स का कृष्णा बो सिराज	31	21	2	1
आशुतोश का सब बो किशोर	37	19	2	3
निगम का बटलर बो कृष्णा	00	01	0	0
फरेरा का किशोर बो ईशांत	01	03	0	0
मिचेल स्टार्क नाबाद	02	02	0	0
कुलदीप यादव नाबाद	04	01	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 20 ओवर में 203/8
गेंदबाजी : सिराज 4-0-47-1, अरशद 4-0-46-1, कृष्णा 4-0-41-4, राशिद 4-0-38-0, ईशांत 3-0-19-1, साई किशोर 1-0-9-1.

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का स्टब्स बो कुलदीप	36	21	5	1
शुभमन गिल रन आउट	07	05	1	0
जोस बटलर नाबाद	97	54	11	4
रदरफोर्ड का स्टार्क बो मुकेश	43	34	1	3
राहुल तेवतिया नाबाद	11	03	1	1

अतिरिक्त : 10, कुल : 19.2 ओवर में 204/3
गेंदबाजी : स्टार्क 3.2-0-49-0, मुकेश 4-0-40-1, अक्षर 2-0-18-0, निगम 4-0-34-0, कुलदीप 4-0-30-1, मोहित 2-0-28-0.

खबर संक्षेप

छेत्री ने किया 39 संभावित खिलाड़ियों का चयन

नई दिल्ली। भारत की सीनियर महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने जून-जुलाई में होने वाले एएफसी एशियाई कप 2026 क्वालीफायर से पहले राष्ट्रीय शिविर के लिए शनिवार को 39 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। भारतीय महिला टीम 23 जून से पांच जुलाई तक थाईलैंड के चियांग माई में एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर खेलने के लिए तैयार हैं। टीम को ग्रुप बी में रखा गया है जहां उनका सामना मेजबान थाईलैंड, मंगोलिया, तिमोर-लेस्ते और इराक से होगा। सीनियर महिला टीम का शिविर एक मई को बेंगलुरु के 'पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस' में शुरू होगा।

सौरभ उम्मीदों और लक्ष्यों को लेकर चिंतित नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो साल के अंतराल के बाद वापसी कर रहे भारतीय पिस्टल निशानेबाज सौरभ चौधरी ने कहा

कि वह पदक जीतने, लक्ष्य निर्धारित करने और उम्मीदों को पूरा करने के लिए अपनी नींद गंवाने की जगह कदम दर कदम आगे बढ़ना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि वह अतीत में भी इन चीजों को लेकर परेशान नहीं थे। भारतीय निशानेबाजी में सबसे तेजी से उभरते युवा से लेकर खराब फॉर्म के कारण गुमनामी में जाने तक इस 22 साल के निशानेबाज ने कम समय में करियर में बड़ा उतार चढ़ाव देखा है।

भारतीय टीम से छुट्टी होने के बाद कोलकाता से जुड़े नायर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बीच बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर को आठ महीने के कार्यकाल के बाद

ही बाहर का रास्ता दिखा दिया था। टीम इंडिया से बाहर होने के कुछ दिनों बाद ही अभिषेक नायर को नई नौकरी मिल गई है। दरअसल, पिछले सीजन की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स ने अभिषेक नायर को अपने साथ जोड़ लिया है। वह असिस्टेंट कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे।

इंडियन प्रीमियर लीग
'नाम बड़े दर्शन छोटे'... करोड़ों में बिके लेकिन प्रदर्शन जीरो

सबसे महंगे 27 करोड़ी पंत ने बनाए 103 रन

आईपीएल इतिहास में 27 करोड़ रुपए में सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर चुने गए ऋषभ पंत के लिए यह सीजन काफी खराब रहा है। 7 मैचों में उन्होंने 17.17 की औसत और 100 से कुछ ज़्यादा की स्ट्राइक रेट से 103 रन बनाए हैं। उनका एकमात्र महत्वपूर्ण योगदान चेन्नई के खिलाफ़ 63 रन की पारी के रूप में आया, जिसमें टीम को हार का सामना करना पड़ा। उनकी कप्तानी भी सवालों के घेरे में है।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

'नाम बड़े दर्शन छोटे' का मुहावरा आईपीएल के 18वें सीजन में बिके बड़े खिलाड़ियों पर सटीक बैठ रहा है। इस सीजन अपने प्रदर्शन से कई खिलाड़ियों ने फैंस के दिल में जगह बनाई है। लेकिन कई खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिनसे उम्दा प्रदर्शन की दरकार थी लेकिन मोटी रकम के बाद भी उनका अबतक प्रदर्शन फीका ही रहा है। आइए ऐसे 5 खिलाड़ियों की बात करते हैं जिनके ऊपर फ्रेंचाइजी ने करोड़ों रुपए लगाए लेकिन उनकी परफार्मेंस सवालों में ही रही है।

वेंकटेश अय्यर : 121 रन

कोलकाता ने वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ की मोटी रकम में अपनी टीम में शामिल किया था। लेकिन अय्यर के बल्ले से अबतक खेले गए 7 मैचों में केवल 24.5 की औसत और 155.05 की स्ट्राइक रेट से 121 रन बनाए हैं। उनका सबसे बेहतरीन प्रदर्शन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 29 गेंदों में 60 रन की पारी थी।

ग्लेन मैक्सवेल : 41 रन

पंजाब किंग्स ने मैक्सवेल को 4.2 करोड़ की रकम में अपने साथ रखा है। लेकिन अब तक खेले गए 6 मैचों में मैक्सवेल के बल्ले से केवल 41 रन ही निकले हैं। उनका औसत 8.20 का है। लंबे-लंबे चौके और छक्के लगाने के लिए मशहूर मैक्सवेल के बल्ले से इस सीजन केवल 4 चौके और एक छक्का ही निकला है।

रोहित शर्मा : 82 रन

रोहित शर्मा आईपीएल में अपनी टीम मुंबई इंडियंस की पहचान रहे हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में 5 बार इस टीम को खिताब जिताया है। लेकिन 16 करोड़ से ज्यादा की मोटी रकम लेने वाले रोहित शर्मा के लिए ये सीजन किसी बुरे सपने की तरह ही है। रोहित ने अबतक खेले गए 6 मैच में केवल 82 रन बनाए हैं। उनका हाईएस्ट स्कोर ही 26 रन है।

मार्कस स्टोइनिस : 66 रन

मार्कस स्टोइनिस (पंजाब किंग्स) को पंजाब किंग्स ने 11 करोड़ में खरीदा था। उनके लिए भी ये सीजन अबतक अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 6 मैचों में केवल 66 रन बनाए हैं। उनकी सबसे धमाकेदार पारी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ़ आई थी।

सुपर कप के पहले मैच में ईस्ट बंगाल का सामना केरल से आज

भुवनेश्वर। गत चैंपियन ईस्ट बंगाल की टीम रविवार को यहां कलिंगा सुपर कप के उद्घाटन मैच में केरल ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मैदान में उतरेगी। उसकी कोशिश 15 टीम वाले इस टूर्नामेंट में अपनी ट्रॉफी बरकरार रखने के साथ अगले सत्र के एएफसी चैंपियंस लीग 2 के लिए एकमात्र उपलब्ध स्थान को हासिल करने की होगी। इस टूर्नामेंट के पिछले दो सत्र में ग्रुप चरण के बाद सेमीफाइनल हुआ था लेकिन इस सत्र में 2018 और 2019 की तरह नॉकआउट प्रारूप होगा। इसका मतलब यह है कि हर मैच 'करो या मरो' होगा। ईस्ट बंगाल ने पिछले साल अतिरिक्त समय तक चले फाइनल में ओडिशा एफसी को 3-2 से हराकर खिताब जीता था। टीम ने इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर 12 साल के खिताबी सूखे को खत्म किया था। केरल ब्लास्टर्स राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहली ट्रॉफी जीतने की कोशिश में है। दोनों टीमों का इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, वे क्रमशः नौवें और आठवें स्थान पर रहे थे। इस मुकाबले के विजेता का सामना 26 अप्रैल को पहले क्वार्टर फाइनल में मोहन बागान सुपरजायंट से होगा।

शर्मनाक! टी20 मैच में खेले पूरे 20 ओवर, बनाए सिर्फ 33 रन

कराची। टी20 क्रिकेट में कोई बल्लेबाज ओपनिंग करने उतरता है तो उससे क्या उम्मीद होती है? वह टीम को तेज शुरुआत देगा। गेंदबाजों पर अटैक करके अपनी टीम का दबदबा कायम करेगा। अगर ओपनर पूरे 20 ओवर तक खेलता है और अंत में नाबाद लौटता है तो सभी सोचेंगे कि उसने शतक बनाया होगा। ताबड़तोड़ बैटिंग से गेंदबाजों का जीना मुश्किल कर दिया होगा लेकिन पाकिस्तान सुपर लीग में इसका उल्टा देखने को मिला है।

साउद शकील पाकिस्तान क्रिकेट टीम के प्रमुख खिलाड़ी हैं। वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स की कप्तानी कर रहे हैं। कराची किंग्स के खिलाफ वह सलामी बल्लेबाजी करने उतरे। शकील ने पारी की पहली गेंद खेली। 20 ओवर खत्म होने के

बाद वह नाबाद पवेलियन लौटे। इस दौरान शकील के बल्ले से सिर्फ 33 रन निकले। यानी पूरे 20 ओवर बैटिंग करने के बाद सिर्फ 33 रन। साउद शकील ने दूसरे ओवर में एक चौका लगाया। तीसरे ओवर में उनके बल्ले से एक चौका निकला। इसके बाद उन्होंने अगले 17 ओवर में सिर्फ एक चौका लगाया। 33 रन बनाने के लिए उन्होंने 40 गेंदों का सामना किया।

भारतीय टीमों ने की ब्रिज विश्व चैंपियनशिप में एंट्री

नई दिल्ली। भारत ने दुबई में एशिया एवं पश्चिम एशिया ब्रिज महासंघ के टूर्नामेंट में तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक हासिल किया तथा पदक जीतने वाली टीमों ने अगली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन प्राप्त कर ली। विश्व ब्रिज महासंघ के तत्वावधान में 10 से 18 अप्रैल के बीच आयोजित टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष, महिला और सीनियर टीमों ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मिश्रित टीम ने रजत पदक जीता। चारों भारतीय टीमों ने 20 से 31 अगस्त तक डेनमार्क के हर्निंग में होने वाली 47वीं विश्व ब्रिज चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाली 35 देशों की 66 टीमों में भारत भी शामिल होगा। खेल मंत्रालय 2017 से ही भारतीय ब्रिज महासंघ को सहायता दे रहा है।

मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' वाली टीम बनाने के लिए अगले 18 महीने महत्वपूर्ण
भारतीय घरेलू हॉकी में है अच्छी गहराई और गुणवत्ता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रभावित भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने शनिवार को कहा कि देश की हॉकी में काफी गहराई है और मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' वाली टीम बनाने के लिए अगले 18 महीने महत्वपूर्ण होंगे। फुल्टन को हाल में समाप्त हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान भारत की क्षेत्रीय प्रतिभा को जानने और समझने का मौका मिला।

फुल्टन ने कहा, 'जब हमने अपनी मजबूती पर जोर दिया तो मैच काफी करीबी रहे। भारतीय

हॉकी में काफी गहराई है विशेषकर गोलकीपिंग और कुछ अन्य क्षेत्रों में जिसे देखना बहुत अच्छा था। उन खिलाड़ियों को पहचानना भी उत्साहजनक था, जिन्होंने पहले लीग में भाग नहीं लिया था।' मुख्य कोच ने क्षेत्रीय टीमों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि जहां विजेता पंजाब का मजबूत पक्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मौजूदगी था, वहीं शीर्ष चार टीमों ने कुल मिलाकर अच्छे संतुलन और गुणवत्ता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'कुछ क्षेत्र निश्चित रूप से दूसरों की तुलना में मजबूत थे। उदाहरण के लिए, पंजाब सबसे अधिक संख्या में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ उतरा था जिसका उसे फायदा मिला। इसके अलावा शीर्ष चार टीमों में प्रतिभा का अच्छा संतुलन था।'

सही खिलाड़ियों को खोजने पर ध्यान

फुल्टन ने एशिया कप चक्र के लिए एक नए कोर ग्रुप के गठन के संदर्भ में कहा कि उनका ध्यान खिलाड़ियों की उम्र पर नहीं बल्कि विशिष्ट भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों को खोजने पर है। उन्होंने कहा, 'यह अधिक युवा खिलाड़ियों को लाने के बारे में नहीं है। यह उचित भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों की पहचान करने से जुड़ा है। हम जल्द ही एक अभ्यास शिविर आयोजित करने जा रहे हैं जिसमें 54 खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें से 40 खिलाड़ियों का एक कोर ग्रुप तैयार किया जाएगा। हम खेल के प्रत्येक विभाग में मजबूती चाहते हैं। अगले 18 महीने मजबूत बेंच स्ट्रेंथ वाली टीम बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।'

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के राजीव अध्यक्ष, मोती निर्विरोध बने सचिव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन का शनिवार को चुनाव हुआ। चुनाव में 22 जिलों के डेढ़ सौ स्कूल संचालक जो जिला पदाधिकारी हैं, चुनाव में शामिल होने पहुंचे। अध्यक्ष के पद पर राजीव गुप्ता तथा सचिव के पद पर मोती जैन निर्विरोध चुने गए। चुनाव कराने मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में विजय चोपड़ा तथा सहायक चुनाव अधिकारी के रूप में मनीष डागा एवं शरद चंद्र ने अहम भूमिका निभाई।

- 22 जिलों के डेढ़ सौ जिला पदाधिकारी चुनाव में शामिल हुए

स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के चुनाव जीतने के बाद नव निर्वाचित अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने निजी स्कूलों की परेशानी को लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री के साथ स्कूल शिक्षा सचिव से मुलाकात कर निजी स्कूलों की समस्याओं से अवगत कराने मिलने जाने की बात कही। निजी स्कूलों की समस्याओं से अवगत कराकर उन्हें शासन स्तर पर दूर कराने प्रयास करने की बात कही।

इसके अलावा शिक्षा के अधिकार कानून में व्याप्त विसंगति तथा मान्यता को लेकर निजी स्कूलों को होने वाली दिक्कतों को प्रमुखता से सुलझाने के लिए संगठन के नवनिर्वाचित पदाधिकारी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं स्कूल शिक्षा सचिव से जल्द मुलाकात करने की बात कही।

छावनी थाना क्षेत्र की घटना, एक युवक की हालत गंभीर

चलती बाइक में रील बना रहे युवाओं की गाड़ी पिकअप से टकराई, दो की गई जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

तेज रफ्तार से चलती बाइक पर रील बनाते समय खड़े पिकअप से टकराने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे लड़के को मामूली चोटें आईं हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों के शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा। वहीं घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने बाइक और पिकअप वाहन को जब्त किया है।

- पुलिस ने पिकअप और बाइक को किया जब्त

छावनी पुलिस ने बताया कि सुपेला से खुर्सीपार की ओर बाइक सीजी 07 एलसी 6476 में सवार होकर गौतम नगर सुपेला निवासी जय बंसोड 19 वर्ष, कृष्णा नगर सुपेला हर्ष मेश्राम 16 वर्ष, लक्ष्मी मार्केट आदित्य चौहान 17 वर्ष तीनों बाइक से तेज रफ्तार में निकले थे। चलती बाइक में युवक मोबाइल रील बनाते निकल रहे थे। बाइक सवार सुपेला से खुर्सीपार जाने के लिए निकले थे। इस दौरान बाइक जैसे ही जगदम्बा स्वीट्स के सामने पहुंची। सड़क किनारे खड़े पिकअप सीजी 07 सीए 0631 से तेज रफ्तार बाइक भिड़ गई। हादसे में मौके पर ही रील बना रहे दो लड़कों की मौत हो गई। वहीं तीसरे युवक आदित्य बाइक के पीछे बैठा था, उसे भी चोटें आई है। जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया दिया। बाइक को हर्ष मेश्राम चला रहा था। मृतक युवकों के शव को पीएम के लिए शुक्रवार रात को ही पुलिस ने भेज दिया था।

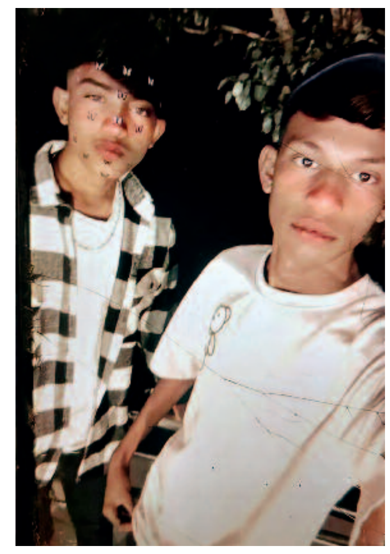

इंस्टाग्राम में रील बनाकर अपलोड करने का था शौक

बताया जा रहा है कि हादसे के शिकार हुए युवकों को रील बनाकर इंस्टाग्राम में अपलोड करने का शौक था। एक बाइक पर सवार होकर तीनों रील बनाने निकले थे। लेकिन उन्हें जरा भी भनक नहीं लगी कि जिंदगी की रफ्तार शुक्रवार को टूटने वाली है। रील बनाने के शौक ने दो युवकों की जान चली गई। बाइक तेज रफ्तार में थी। घटना में बाइक सवारों ने सड़क पार कर रहे व्यक्ति को भी चपेट में लिया था। उसकी हालत गंभीर होना बताया गया है। हादसा इतना खतरनाक था कि पिकअप और बाइक के परखच्चे उड़े गए। फिलहाल इस पूरे मामले की पुलिस जांच कर रही है।

मां से बोला पार्टी में जा रहा हूं

जय बसोड़ की मां ने बताया कि वह अपने पिता प्रकाश के साथ धुमाल बजाने का काम करता था। शुक्रवार की रात को वह एक शादी में धुमाल बजाकर घर लौटा था। पिता ने जय और उसके भाई को 50-50 रुपए भी दिए। मां से बोला कि वह पार्टी करने जा रहा है। कुछ देर बाद सूचना मिली कि उसका एक्सीडेंट हो गया है।

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
कॉस्मेटिक सर्जरी
झुर्रियां, झांई, दाग, तिल, अनचाहे बाल आदि (आधुनिक लेजर द्वारा), मुहांसे, दाग, नाक, होंठ, ठोड़ी, वक्ष, पेट आदि (प्लास्टिक सर्जरी द्वारा) तथा अंग कटने-जलने की
अति विशेष चिकित्सा.
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

कब्ज का काल
कब्ज नाल
कब्जनाल चूर्ण
आप ने बहुत से कब्जीयत की दवा ली परंतु बात नहीं बनी स्नेह कब्जनाल चूर्ण के पहले खुराक से पेट खुश तो आप भी खुश पेट के संपूर्ण रोगों के लिए आर्शीवाद यह नये-पुराने चिपके हुए मल को शोधन कर आँतों को साफ रखता है। बवासीर को ठीक करता है।
पेशाब से जाने वाले चिपचिपे पदार्थ को तुरंत रोकता है।
सभी मेडिकल व जनरल स्टोर में उपलब्ध एक बार अवश्य प्रयोग करें
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
Mob. : 93032-42200

सुयश हॉस्पिटल
(NABH से मान्यता प्राप्त)
डायलिसीस
- सीआरएफ एवं एआरएफ के मरीजों की अत्याधुनिक फ्रेसिनियस की डायलिसीस मशीन द्वारा
- हिमोडायलिसीस
- पेरीटोनियल डायलिसीस
- सीएपीडी
- बच्चों की किडनी की बामारियों का ईलाज
24 Hours Helpline
9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

ओम हॉस्पिटल
NABH Entry Level
जोड़ एवं हड्डी रोग विभाग
- फ्रेक्चर का ईलाज, जोड़ प्रत्यारोपण
- जोड़ो की चोटो का दूरबीन द्वारा ईलाज
- सियाटिका, स्लिप डिस्क, कमर दर्द का ईलाज
- जोड़ो का दर्द व गठिया (arthritis) का ईलाज
- हड्डी का ना जुड़ना या हड्डी में मवाद पड़ने का ईलाज
- हाथ पैर में जन्मजात विकृतियों का ईलाज
- इम्पोर्टेड CR मशीन द्वारा डिजिटल एक्स-रे की सुविधा
शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, BSKY, ESIC, CSEB, TPA एवं INSURANCE से फ्री में ईलाज
एच.पी.पेट्रोल पंप के पास, महादेवघाट रोड, रायपुरा चौक, रायपुर (छ.ग.), मो. 8370008551
खरोरा रोड, तिल्दा (छ.ग.), मो. 9302734809
स्व.राजा वीरेंद्र सिंह शासकीय महाविद्यालय के पास, एनएच रोड,सरायपाली (छ.ग.), मो.8370008558
प्रताप देव वार्ड नं. 11, हटा गांधी मैदान के सामने जगदलपुर (छ.ग.), मो. 9131753200
#Rajesh

प्रेम संबंधों के बाद समधी-समधन फरार

बदायूं। बदायूं जिले में एक महिला को अपनी बेटी की शादी के तीन साल बाद उसके ससुर से प्यार हो गया और समधी-समधन घर से फरार हो गए। बदायूं में अलीगढ़ जैसा मामला सामने आया है, जहां एक महिला अपनी बेटी की शादी होने से पहले ही अपने होने वाले दामाद के साथ फरार हो गयी। जबकि बदायूं में समधन अपने समधी के साथ घर छोड़कर चली गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चार बच्चों की मां ममता (43) जिला मुख्यालय के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के निवासी अपने समधी (अपनी बेटी के ससुर) शैलेंद्र (46) के साथ कथित तौर पर घर छोड़कर चली गई। दातागंज कोतवाली क्षेत्र के कस्बा डहरपुर निवासी ममता के पति सुनील कुमार सिंह ने बताया कि वह ट्रक चालक है और जिस कारण लंबे समय तक घर से बाहर रहता है। सिंह ने बताया कि 11 अप्रैल को ममता ने अपने समधी शैलेन्द्र को बुलाया और उसके साथ फरार हो गयी।

मित्तल हॉस्पिटल
रायपुर - भिलाई
कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार
आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध
रायपुर में VARIAN HALCYON
भिलाई में VARIAN UNIQUE
आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, कीमोथेरेपी एवं रहने की व्यवस्था
• रेडियो थैरेपी • कीमोथेरेपी • कैंसर सर्जरी • मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी 9343079151, 91313 99570
भिलाई: टी.आई. मॉल के पास 7722880844, 0788-2294440
Deepak Ad./101

संजीवनी कैंसर केयर हॉस्पिटल
अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी (कैंसर का सेंकाई से इलाज) एवं सटीक स्टेजिंग हेतु पेट स्कैन
मरीजों के सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण ट्रीटमेंट के लिए पूर्ण NABH से मान्य
आयुष्मान भारत से नि:शुल्क रेडियोथेरेपी
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी, रायपुर
7389904010, 07714081010

Terms and Conditions apply. **Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. **The interest rates, down payment, and tenure options are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. **The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. #Cashback Offer available on selected models for EMI transactions made using IDFC FIRST Bank credit cards through Pine Labs machines only. #Customers can avail 5% Instant cashback, up to a maximum of ₹ 5000. #Valid on one transaction per card/order during the offer period. #The scheme is available in selected outlets only. *3 Years Free Service Maintenance Package is available only on Deluxe variant of Activa 110 and Activa 125. *For detailed Terms and Conditions of the 3-Year Free Service Maintenance Package worth ₹ 5500, kindly contact authorised main dealers and associate dealers. *Above scheme can be withdrawn at any time without prior intimation. All offers are valid until 30th April 2025. ^The price shared above is of Activa 110 Std OBD2B variant for Chhattisgarh State. ^For more information contact nearest dealers. The features shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122050, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: AARANG: V Shree Honda - 9993908971, 9893728947; ABHANPUR: Patel Honda - 9009328660; BAGBHARA: Sri Sai Honda - 7697767777; BALODA BAZAR: Kiran Honda - 7049518181, 8839950369; BASNA: Laxmi Honda - 9174137571; BEERGAON: Vishwanath Honda - 9300133077; PALARI: Shri Ram Honda - 8305759763; BEMETARA: Sri Rama Honda - 8827050000, 7824222521, 8827120000; BHAKARA: Nitesh Honda - 9907975628; BHATAPARA: Kiran Honda - 9111353292; BHILAI: Aan Honda (Nehru Nagar) - 9584378238, 9826635600; Aan Honda (Powerhouse) - 9584378238, 9826635600; BIJAPUR: Ansh Honda - 9424299203; CHARODA: Rahul Honda - 9827193194; CHARAMA: Neeraj Honda - 9425230052; CHUIKHADAN: Shri Radhey Honda - 9691692500; DALLIRAJHARA: Shri Subh Honda - 7748285747, 9406082344; Shri Subh Honda(Balod)- 9425564232, 9584077772; DHAMTARI: ShriShyam Honda - 07722-233255, 9827900750; DHARSIVA: R S.Honda - 9669880000; DONGARGARH: Gagan Honda - 9806869214; DURG: Shree Sairam Honda - 8458882333; Dharamsheela Honda (Dhamdha) - 9303035678; FINGESHWAR: Bangani Honda- 9425402966; GIDHORI: Subhkamana Auto -7389320271; GUNDERDEHI: Sapan Honda - 7354340000, 0788-2628333; GURUR: Baba Honda - 9827936712; JAGDALPUR: Waheguru Honda - 7587006395, 9425590501, 8435090001; KONDAGAON: Danteshwari Honda - 9294566660; SUKMA: Akash Honda - 9424287457, 7587341845; PHARASGAON: Shri Deo Honda - 9993861735; KANKER: Shivnath Honda - 8720008800, 9644059600; KASDOL: Laxmi Honda - 8871233553; KESHKAL: Chattishgarh Honda - 9993293467; KHAIRAGARH: Akshat Honda - 9406534734; KURUD: Shri Shyam Honda - 07705223590, 8817898279; MAGALOAD: Dewangan Honda - 9098136447; MAHASAMUND: Sri Aryan Honda - 8120070000, 08964022000; NAGRI: Nahta Honda- 9424211105; NAWAGARH: Raja Honda - 9826067896; PAKHANJUR: Disha Honda - 6261666932, 9406453860, PANDUKA (GARIABAND): Shresth Honda - 8109902966; RAIPUR: A City Honda - 8871906000; G.K Honda - 8058254444, 9826142444; Grand Honda - 8889663336; Varun Honda - 9977248100; A City Honda (Bhatagaon) - 9644132000; A City Honda (Kalibadi) - 7828282600; Varun Honda (Fafadih) - 9617078000; GK Honda (Motibagh) - 8120730003; Hemant Honda (Nawapara, Rajim) - 9165460474; RAJIM: Gulab Honda - 8839708788; RAJNANDGAON: Anshdeep Honda - 07744-223100, 9425559359, 9303730201; Manraj Honda - 07744-223333, 8435999991, 8435999992; Rakesh Honda (Dongarhgaon) - 9893419781, 8815055550; Ashirwad Honda (Churiya) - 9826338415, 94242157777; Shyam Honda (Saragaon) - 8461930088; SEJBAHAR: R.S Honda - 9754123000; KHARORA: B.K Honda - 9867224777; TILDA: Agrawal Honda - 9424200104; UTAI: Ganpati Honda - 09926083389; SARAIPALI: Pukraj Honda - 8889798000.
For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com